Page 11

Page 09

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

कृष्ण पक्ष, धनिष्ठा, विक्रम संवत् 2083

• औरंगाबाद • शनिवार • 06 जून 2026 • वर्ष 28 • अंक 184 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

खेल

विनेश ने दिया कारण बताओ नोटिस का जवाब, डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह...

देश

योगी के करीबी अफसर संजय प्रसाद को हाईकोर्ट ने लगाई तगड़ी फटकार

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,42,750	₹ 2,75,000

आज का इतिहास

1929 : भारतीय फिल्मों के विख्यात अभिनेता, निर्माता व निर्देशक सुनील दत्त का जन्म पश्चिमी पंजाब के झेलम (वर्तमान पाकिस्तान) जिले में हुआ था।

2004 : राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा तमिल को भारत की शास्त्रीय भाषा के रूप में घोषित किया गया था। यह निर्णय संयुक्त संसदीय बैठक के बाद लिया गया जिसमें संसद के दोनों सदनों ने भाग लिया- लोक सभा और राज्यसभा।

न्यूज बाइट्स

पटना हाईकोर्ट को मिली नई मुख्य न्यायाधीश

पटना (नि.सं.) । पटना उच्च न्यायालय की नई मुख्य न्यायाधीश के रूप में वरिष्ठ न्यायाधीश मीनाक्षी एम. राय ने आज पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। लोकभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने उन्हें शपथ दिलाई। इसके साथ ही उन्होंने पटना हाईकोर्ट की 48वीं मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाल लिया। न्यायिक क्षेत्र में लंबे अनुभव और उल्लेखनीय सेवाओं के कारण उनकी नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बीपीएससी 70वीं परीक्षा का परिणाम जल्द

पटना (नि.सं.) । बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया है कि चयन प्रक्रिया के अगले चरणों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। आयोग के अनुसार, परीक्षा के तहत 5,400 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार एवं चिकित्सा जांच की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कर ली गई है। आयोग ने बताया कि यह अब तक की सबसे बड़ी चयन प्रक्रियाओं में से एक रही है, जिसमें रिकॉर्ड संख्या में अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार और चिकित्सा परीक्षण से संबंधित सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। बीपीएससी ने कहा है कि अब अंतिम परिणाम जारी करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। आयोग की ओर से परिणाम प्रकाशन से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है, ताकि अभ्यर्थियों को जल्द से जल्द अंतिम परिणाम उपलब्ध कराया जा सके।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीएम सम्राट चौधरी ने किया पौधारोपण, कहा

हरियाली बढ़ेगी तो मिलेगा स्वच्छ वातावरण और भरपूर ऑक्सीजन

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को संपूर्ण क्रांति दिवस और विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण किया। संपूर्ण क्रांति दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने गांधी मैदान स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक सरोकारों और संपूर्ण क्रांति आंदोलन के योगदान को याद किया गया।

संपूर्ण क्रांति दिवस पर जेपी को श्रद्धांजलि

इसके बाद मुख्यमंत्री पटना के जेपी गंगा पथ स्थित समग्र उद्यान में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस के राज्यस्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेपी गंगा पथ क्षेत्र को हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए यहां एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस पूरे क्षेत्र को इस प्रकार विकसित किया जा रहा है ताकि लोगों को स्वच्छ वातावरण, हरियाली और पर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्ध हो सके। इसके लिए जॉगिंग ट्रैक सहित विभिन्न सुविधाओं का भी विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार और झारखंड के विभाजन के समय राज्य का वन क्षेत्र 10 प्रतिशत से भी कम था, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में वन क्षेत्र बढ़ाने की दिशा में लगातार कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर निरंतर चिंता व्यक्त करते रहे हैं और सरकार का प्रयास है कि पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का रूप दिया जाए। मुख्यमंत्री ने लोगों से सरकार की पर्यावरण और ऊर्जा से जुड़ी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को इलेक्ट्रिक स्कूटी खरीदने पर 12 हजार रुपये तक की सहायता दी जा रही है। वहीं प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर सहयोग कर रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पर्यावरण जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ राज्य के विभिन्न जिलों में जाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण तथा जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों के प्रति जागरूक करेगा। कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी और पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे। अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण और अधिकाधिक वृक्षारोपण का संकल्प लिया।

सीएम ने पर्यावरण जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

विधान परिषद चुनाव : एनडीए में सीट बंटवारे पर बनी सहमति, भाजपा-जदयू ने उतारे चार-चार उम्मीदवार

- भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह को भी मिला मौका
- 8 जून तक नामांकन, 18 जून को हो सकता है मतदान

निज संवाददाता | पटना

बिहार विधान परिषद की 10 सीटों, जिनमें एक उपचुनाव की सीट भी शामिल है, के लिए होने वाले चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (यूनाइटेड) ने शुक्रवार को अपने-अपने चार-चार प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी। प्रत्याशियों की सूची जारी होने के साथ ही राज्य की राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी ने चर्चित भोजपुरी अभिनेता और गायक पवन सिंह को विधान परिषद चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाकर राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। पार्टी ने उनके अलावा डॉ. संजय मयूख, अनिक कुमार ठाकुर और शीला पंडित को भी उम्मीदवार बनाया है।

वहीं जनता दल (यूनाइटेड) ने निशांत कुमार, भारती मंडल, ललन प्रसाद और शिवरानी देवी को चुनाव मैदान में उतारा है। पटना क्षेत्र से निशांत कुमार को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे से रिक्त हुई सीट से ललन प्रसाद चुनाव लड़ेंगे। भारती मंडल को मधुबनी और शिवरानी देवी को पश्चिमी चंपारण क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया गया है। निशांत कुमार वर्तमान में बिहार सरकार में स्वास्थ्य मंत्री हैं, लेकिन अभी किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार मंत्री पद पर बने रहने के लिए उन्हें छह माह के भीतर विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य बनना आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्हें विधान परिषद चुनाव में उतारा गया है।

निशांत कुमार बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार के पुत्र हैं। लंबे समय तक राजनीति से दूरी बनाए रखने के बाद अब उन्हें सक्रिय राजनीति में लाया गया है। जदयू का कहना है कि कार्यकर्ताओं और नेताओं की मांग पर उन्हें राजनीति में जिम्मेदारी दी गई है। जदयू ने ललन प्रसाद को भी उम्मीदवार बनाया है। अत्यंत पिछड़ा वर्ग से आने वाले ललन प्रसाद संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं और विभिन्न स्थानीय जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं। उन्हें पार्टी का उभरता हुआ नेता माना जाता है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के हिस्से से पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश के विधान परिषद पहुंचने की संभावना भी प्रबल मानी जा रही है। मंत्री होने के बावजूद वे किसी सदन के सदस्य नहीं हैं, इसलिए उन्हें निर्धारित अवधि के भीतर विधान परिषद का सदस्य बनाया जाना आवश्यक है। उधर, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की ओर से भी एक प्रत्याशी उतारे जाने की तैयारी है। संभावित नामों में चिराग पासवान के भांजे सीमांत मृणाल का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। सीमांत मृणाल वर्तमान में पार्टी के युवा संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं। इसके अलावा वेद प्रकाश पांडेय और हुलास पांडेय के नाम भी चर्चा में हैं। बिहार विधान परिषद चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 8 जून निर्धारित की गई है। यदि आवश्यक हुआ तो 18 जून को मतदान कराया जाएगा। प्रत्याशियों की घोषणा के साथ ही चुनावी समीकरणों पर राजनीतिक दलों की गतिविधियां और तेज हो गई हैं।

नीट परीक्षा के प्रश्नपत्रों की सुरक्षा और केंद्रों की होगी निगरानी

पटना(नि.सं.)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-2026 के प्रश्नपत्रों की सुरक्षा और परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता या कदाचार की सूचना मिलने पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में 21 जून को आयोजित होने वाली नीट-2026 परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने परीक्षा के सफल, निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन के लिए कई आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी परीक्षा केंद्र पर आयोजन में लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा सभी निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। परीक्षार्थियों को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए शुरू हुई बिहार की पिंक बस सेवा को मिलेगा स्कॉच अवार्ड

निज संवाददाता | पटना

बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) की ओर से संचालित पिंक बस सेवा को प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड-2026 के लिए चुना गया है। महिलाओं को सुरक्षित, सुविधाजनक और सम्मानजनक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए यह सम्मान बिहार को राष्ट्रीय स्तर पर मिली बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। स्कॉच ग्रुप द्वारा आयोजित बहुस्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद पिंक बस परियोजना का चयन इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए किया गया है। यह सम्मान 20 जून को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 108वें स्कॉच समिट के दौरान प्रदान किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को केंद्र में रखकर शुरू की गई पिंक बस सेवा आज बिहार के कई प्रमुख शहरों में महिला यात्रियों के लिए भरोसेमंद परिवहन माध्यम बन चुकी है। वर्तमान में पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया, भागलपुर और पूर्णिया में कुल 100 पिंक बसों का संचालन किया जा रहा है।

आज से सात जून तक बिहार में 12 घंटे बंद रहेंगी बिजली विभाग की ऑनलाइन सेवाएं

निज संवाददाता | पटना

बिहार के बिजली उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एनबीपीडीसीएल) और साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (एसबीपीडीसीएल) द्वारा नेटवर्क मेंटेनेंस कार्य कराए जाने के कारण बिजली विभाग से जुड़ी सभी ऑनलाइन सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। बिजली कंपनियों के अनुसार आज शाम 5 बजे से 7 जून की सुबह 5 बजे तक ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध नहीं रहेंगी। इस दौरान उपभोक्ता बिजली विभाग के डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन सुविधाओं का उपयोग नहीं कर सकेंगे।

मेंटेनेंस अवधि के दौरान बिजली बिल भुगतान, स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज तथा अन्य ऑनलाइन वित्तीय लेनदेन की सेवाएं पूरी तरह प्रभावित रहेंगी। इसलिए जिन उपभोक्ताओं को बिल जमा करना है या स्मार्ट मीटर रिचार्ज कराना है, उन्हें निर्धारित समय से पहले यह कार्य पूरा करने की सलाह दी गई है।उ इसके अलावा नया बिजली कनेक्शन लेने, लोड बढ़ाने या घटाने, उपभोक्ता के नाम में परिवर्तन, बिल सुधार और अन्य ऑनलाइन आवेदन संबंधी सेवाएं भी इस अवधि में उपलब्ध नहीं होंगी। उपभोक्ता पोर्टल से जुड़ी अन्य सुविधाएं भी अस्थायी रूप से प्रभावित रहेंगी। बिजली वितरण कंपनियों ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि नेटवर्क को अधिक सुरक्षित और बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह मेंटेनेंस कार्य किया जा रहा है। इसलिए उपभोक्ता पहले से आवश्यक तैयारियां कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि मेंटेनेंस कार्य पूरा होने के बाद सभी ऑनलाइन सेवाएं पुनः सामान्य रूप से शुरू कर दी जाएंगी। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे समय रहते बिल भुगतान और स्मार्ट प्रीपेड मीटर रिचार्ज करा लें।

ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की अब होगी ऑनलाइन निगरानी

निज संवाददाता | पटना

ग्रामीण विकास विभाग की सभी योजनाओं की अब ऑनलाइन निगरानी की जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को योजनाओं का लाभ अधिक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से मिल सकेगा। शुक्रवार को ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने केंद्रीकृत ग्रामीण योजना अनुश्रवण एवं क्रियाशीलता पर्यवेक्षण (सीजीआरएम) पोर्टल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि नई एकीकृत व्यवस्था के माध्यम से लोगों को विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध होगी। साथ ही आम नागरिक अपनी शिकायतें भी पोर्टल पर दर्ज करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि पहले ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न कार्यालयों और शाखाओं के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब यह प्रक्रिया काफी आसान हो जाएगी।

श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार देश का ऐसा राज्य है, जहां आवास योजनाओं के तहत गरीबों को अतिरिक्त लाभ दिया जाता है। राज्य सरकार भूमिहीन परिवारों को जमीन खरीदने में सहायता, वर्ष 1996 से पहले बने जर्जर मकानों के मरम्मतीकरण तथा प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित लोगों को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराने जैसी कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित कर रही है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े बिहार के लिए गौरवपूर्ण : मंगल पांडेय

निज संवाददाता | पटना

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (एनएफएचएस-6) 2023-24 के आंकड़ों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बिहार ने स्वास्थ्य क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण मानकों पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत' विजन तथा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में संचालित डबल इंजन सरकार की नीतियों का सकारात्मक परिणाम बताया। मंगल पांडेय ने कहा कि गर्भावस्था की पहली तिमाही में प्रसवपूर्व जांच (एएनसी) कराने वाली महिलाओं की संख्या में 11 प्रतिशत अंकों की वृद्धि हुई है। यह आंकड़ा 52.9 प्रतिशत से बढ़कर 63.9 प्रतिशत हो गया है, जो गर्भवती महिलाओं की बेहतर पहचान और समय पर पंजीकरण को दर्शाता है।

वहीं किसी न किसी प्रकार की प्रसवपूर्व देखभाल प्राप्त करने वाली महिलाओं का प्रतिशत 81.6 से बढ़कर 94 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि संस्थागत प्रसव में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। यह आंकड़ा 76.2 प्रतिशत से बढ़कर 81.1 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो सुरक्षित प्रसव सेवाओं तक महिलाओं की बेहतर पहुंच को दर्शाता है। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में होने वाले प्रसव में भी वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा कुशल स्वास्थ्यकर्मियों की देखरेख में होने वाले प्रसव का प्रतिशत 78.9 से बढ़कर 84 प्रतिशत हो गया है। जिससे मातृ एवं नवजात शिशु सुरक्षा को मजबूती मिली है।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि सीजेरियन प्रसव की सुविधा प्राप्त करने वाली महिलाओं की संख्या में भी वृद्धि हुई है। यह प्रतिशत 9.7 से बढ़कर 13.2 हो गया है, जो आपातकालीन प्रसूति सेवाओं की बेहतर उपलब्धता का संकेत है। वहीं प्रसव के दो दिनों के भीतर प्रसवोत्तर देखभाल प्राप्त करने वाली माताओं का प्रतिशत 57.3 से बढ़कर 69.9 हो गया है।

उन्होंने कहा कि बच्चों के पूर्ण टीकाकरण के क्षेत्र में भी बिहार ने प्रगति की है। 12 से 23 माह आयु वर्ग के पूर्ण टीकाकृत बच्चों का प्रतिशत 71 से बढ़कर 77.3 हो गया है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य और रोगों से बचाव को और मजबूती मिली है। मंगल पांडेय ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले महिलाएं सरकारी अस्पतालों में प्रसव कराने से हिचकिचाती थीं, लेकिन पिछले दो दशकों में स्वास्थ्य सुविधाओं में व्यापक सुधार के कारण लोगों का भरोसा सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों पर बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आज बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं की चर्चा देशभर में हो रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, मुख्यमंत्री जननी-बाल सुरक्षा योजना और आयुष्मान भारत योजना को इस बदलाव का प्रमुख आधार बताया। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना से बिहार के 1.68 करोड़ परिवार लाभान्वित हो रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष के माध्यम से गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

BAYC Institute स्थापित 1972

बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज

गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7

नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स

भारत का पहला कॉलेज

डॉक्टर बनें

एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE: DAT Acupressure Therapy, DY Yoga, DAYS Acupressure Yoga, DHMS Herbal Medicine — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th; DEMS Electrohomeopathy Medicine, DNYS Naturopathy Yoga — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th

BACHELOR DEGREE COURSE: MBBA Acupressure & Magnet, BTMS Traditional Medicine, BAYS Acupressure Yoga, BAcu. Acupuncture — अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2; BEMS Electrohomeopathy Medicine, MBAS Medicine in ALT Science — अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2

MASTER DEGREE COURSE: MD (Acu Yoga), MD (TM) — अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजुएट; MD (EH) — अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS

PROFESSIONAL COURSE: BLIS | MLIS | BBA | MBA

TRADITIONAL COURSE: MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA

100% रिजल्ट एवं रोजगार

Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised

DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES

एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।

कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।

डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त
अध्यक्ष

डा. अजय प्रकाश
सचिव

9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in

Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

बिना आईएसटीपी खनिज वाहनों पर होगी कार्रवाई

बिहार में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों के लिए इंटर स्टेट ट्रांजिट पास होगा अनिवार्य

- अन्य राज्यों से आने वाले सभी लघु खनिज वाहनों पर लागू होगा नियम।
- चालान जारी होने के 6 घंटे के भीतर ऑनलाइन आईएसटीपी बनाना होगा।

निज संवाददाता | पटना

बिहार में अवैध खनन, खनिजों के अवैध परिवहन और राजस्व चोरी पर अंकुश लगाने के लिए खान एवं भूतत्व विभाग ने नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत 10 जून 2026 से राज्य के बाहर से बालू, गिट्टी सहित अन्य लघु खनिज लेकर बिहार में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों के लिए इंटर स्टेट ट्रांजिट पास (आईएसटीपी) अनिवार्य होगा। बिना आईएसटीपी के खनिज परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बांका के जिला खनन पदाधिकारी बलवंत कुमार ने बताया कि नई व्यवस्था का उद्देश्य खनिज परिवहन प्रणाली को पारदर्शी बनाना तथा अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि जिन वाहनों के चालान में खनिज की मात्रा मीट्रिक टन में दर्ज होगी, उनसे 60 रुपये प्रति मीट्रिक टन की दर से शुल्क लिया जाएगा। वहीं घनमीटर में दर्ज खनिज के लिए 85 रुपये प्रति घनमीटर शुल्क निर्धारित किया गया है। नई व्यवस्था के तहत वाहन मालिकों और चालकों को विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण के बाद उन्हें लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड उपलब्ध कराया जाएगा। अन्य राज्यों में खनिज लोड होने और परिवहन चालान जारी होने के अधिकतम छह घंटे के भीतर बिहार के लिए ऑनलाइन आईएसटीपी जनरेट करना अनिवार्य होगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

युवा दुकानदार के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित

कौआकोल। कौआकोल बाजार स्थित फैशन पॉइंट कपड़ा दुकान के संचालक एवं मधुरापुर गांव निवासी युवा व्यवसायी दीपक कुमार के आकस्मिक निधन पर गुरुवार की देर शाम कौआकोल बाजार स्थित आर्य समाज मंदिर परिसर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत दीपक कुमार की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर बाजार विकास समिति के अध्यक्ष राहुल शुक्ला समेत देवराज उर्फ राकेश बर्णवाल, पंकज कुमार, दिलीप साव, गुलशन कुमार एवं अन्य व्यवसायी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने दीपक कुमार के असामयिक निधन को बाजार और समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

हाथियों के झुंड ने घर और फसलों को पहुंचाया भारी नुकसान

कौआकोल। प्रखंड अंतर्गत नावाडीह गांव में गुरुवार की रात्रि जंगली हाथियों के एक झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने गांव के दक्षिण स्थित मिथिलेश यादव (पिता- राजो यादव) के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान घर की दीवार तोड़ दी गई तथा घर में रखे गेहूं,चावल और मसूर के बोरे पूरी तरह बर्बाद हो गए। पीड़ित के अनुसार इस घटना में लगभग 50 हजार रुपये से अधिक की क्षति हुई है। हाथियों के झुंड ने आसपास के खेतों में लगी फसलों को भी नुकसान पहुंचाया। श्रवण मिस्त्री (पिता- राम मिस्त्री) की लगभग एक बीघा में लगी मूंग की फसल को पूरी तरह रौंद दिया गया। वहीं राजू यादव के खेत में लगी सब्जी की खेती को भी हाथियों द्वारा नष्ट कर दी गई। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। स्थानीय पंचायत समिति सदस्य नोमिन्ता कुमारी एवं समाजसेवी शिक्षक अरुण कुमार समेत प्रभावित किसानों ने वन विभाग एवं प्रशासन से क्षति का आकलन कर उचित मुआवजा देने तथा हाथियों के आतंक से सुरक्षा की मांग की है।

करंट लगने से युवक की मौत,परिवार में मचा कोहराम

कौआकोल। थाना क्षेत्र के सोखोदेवरा पंचायत अंतर्गत पावापुरी गोबरैया गांव निवासी गांगलु मांझी के 32 वर्षीय पुत्र मसूदन मांझी की करंट लगने से शुक्रवार को मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि मसूदन मांझी गांव के बधार स्थित बोरिंग मशीन पर स्नान करने गए थे। इसी दौरान वे विद्युत धारा प्रवाहित एक तार की चपेट में आ गए, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिजन आनन-फानन में उन्हें उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) कौआकोल लेकर पहुंचे,जहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पीएचसी कौआकोल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया। युवक की असामयिक मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी कटिहार ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

कटिहार। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर आज भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी कटिहार शाखा द्वारा चेयरमैन डॉक्टर रंजना झा के नेतृत्व मे लोगों को पर्यावरण संरक्षण हेतु तीन जागरूकता रथ निकाली गई। डॉक्टर रंजना झा ने इस दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1972 में इसकी स्थापना की गई थी। पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1973 को मनाया गया। इस मौके पर कटिहार की मेयर श्री मती उषा देवी अग्रवाल भी उपस्थित थी। उन्होंने कहा कि इस दिवस को मानने का उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना इस वे ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण कम करने का प्रयास करे और वन्यजीवों के संरक्षण जैसे गंभीर मुद्दों के समाधान के लिए वैश्विक स्तर पर लोगों को एकजुट अपने सबोधन मे सचिव संतोष गुप्ता ने कहा पर्यावरण दिवस पर आइये हम संकल्प ले एक पेड़ लगाने का, प्लास्टिक का प्रयोग कम करने का, वायु प्रदूषण की रोकथाम करने का, पृथ्वी को बचाने का क्योकि इंसान के लिए कोई दुसरा ग्रह नही। उन्होंने कहा कि इस मौके पर आज 12 पेड़ भी लगाए गये। उन्होंने कहा कि जल्द ही बड़े स्तर पर वृक्षारोपण भी किया जायेगा। पूर्व चेयरमैन अनिल चमरिया के साथ कोषाध्यक्ष पंकज पूर्वे एवं सह सचिव विवान सरकार ने कहा कि पर्यावरण जागरूकता संदेश लिखा परचा भी बाँटा गया। उपाध्यक्ष शोभा जैसवाल, प्रबंध समिति सदस्य अमित जैसवाल विक्की के साथ डॉक्टर आशुतोष झा, डॉक्टर शिप्रा सिंह ने भी लोगों को संदेश देते हुए कहा कि प्लास्टिक का कम इस्तेमाल करे, वर्षा जल का संचय करें और कल को सुरक्षित बनाये। इस मौके पर रीना झा, डॉ, डॉक्टर आभा कुमारी, राम बाबू, प्रकाश शर्मा, मंजुश्री साह आदि कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

पूसी रेलवे स्काउट गाइड ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

कटिहार। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रेलवे कोशी ग्रीन गोल्फ क्लब कटिहार परिसर में पूसी रेलवे स्काउट गाइड फेलोशिप कटिहार मंडल के सचिव गणेश ठाकुर एवं कटिहार मंडल रेल अधिकारी एवं कर्मचारी यातायात निरीक्षक अरुण पंडित, पी.एस.ओ.राजेंद्र कुमार ,बलराम कुमार ,रेलवे सुरक्षा बल के सब इंस्पेक्टर सीताराम कुमार मेहता ,संजय कुमार आदि ने संयुक्त रूप से वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर हम सब ने पेड़ लगाने और पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लिया।

पांच दिनों में बिजली व्यवस्था नहीं सुधरी तो होगा बड़ा आंदोलन- सुनील कुमार यादव

कटिहार। जिले में लगातार हो रही बिजली कटौती, लो-वोल्टेज और अनियमित विद्युत आपूर्ति को लेकर अब जनप्रतिनिधियों ने भी मोर्चा खोल दिया है। कटिहार लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव ने गुरुवार को प्रभारी डीएम एवं विद्युत आपूर्ति मंडल के कार्यपालक अभियंता को ज्ञापन सौंपकर जिले की चरमराई बिजली व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले कई दिनों से जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति लगातार बाधित हो रही है। बार-बार बिजली कटने और लो-वोल्टेज की समस्या के कारण आम लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। तकनीकी खराबियों के चलते घंटों बिजली आपूर्ति ठप रहती है और शिकायत के बावजूद मरम्मत कार्य में काफी विलंब होता है। सुनील कुमार यादव ने कहा कि बिजली संकट का सबसे अधिक असर विद्यार्थियों, किसानों, छोटे व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। भीषण गर्मी में बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे परेशान हैं। पेयजल आपूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य जरूरी कार्यों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन और बिजली विभाग से जनहित में नियमित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि चार से पांच दिनों के भीतर जिले की बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग और प्रशासन की होगी। वहीं किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप विश्वास ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच लगातार चरमराई बिजली व्यवस्था से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने विभाग से अविलंब सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की। इस अवसर पर कांग्रेस नेता फिरोज कुरैशी और जहांगीर आलम ने भी बिजली विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को नियमित बिजली आपूर्ति मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर सुधार चाहती है। ज्ञापन सौंपे जाने के बाद क्षेत्र के लोगों में उम्मीद जगी है कि प्रशासन और बिजली विभाग जल्द ही आवश्यक कदम उठाकर जिले की बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करेगा। मौके पर दिलीप विश्वास फिरोज कुरेशी,अवधेश मंडल,मो० जहांगीर आलम, मोहम्मद एजाज,अखिलेश पोद्दार,सुबोध यादव सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

01 जुलाई से छह प्रखंडों में प्रारंभ होगा डिग्री कॉलेजों का संचालन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में जिले के छह प्रखंडों में प्रस्तावित डिग्री कॉलेजों के संचालन एवं आवश्यक आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बताया गया कि नवादा जिले के काशीचक, अकबरपुर, गोविन्दपुर, मेसकौर, रोह एवं सिरदला प्रखंडों में 01 जुलाई 2026 से डिग्री कॉलेजों का संचालन प्रस्तावित है। जिला पदाधिकारी ने संबंधित सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्धारित तिथि से प्रत्येक स्थिति में नियमित पठन-पाठन प्रारंभ हो तथा इसके लिए आवश्यक सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण कर ली जाएं।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए महाविद्यालयों में सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना

जिला पदाधिकारी ने तैयारियों की समीक्षा की

आवश्यक है। उन्होंने महाविद्यालय भवनों के प्लास्टर, फर्श, विद्युत वायरिंग, मोटर, शौचालय, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पंखा एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण का निर्देश दिया। साथ ही भवनों एवं परिसरों में साफ-सफाई, रंग-रोगन तथा सौंदर्यीकरण कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने को कहा।

बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य स्तर से प्राप्त अनुमोदित भंडार तालिका के अनुरूप आवश्यक सामग्रियों की खरीद GeM Portal एवं ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली के माध्यम से की जाएगी। जिला योजना पदाधिकारी को संबंधित सामग्रियों की क्रय प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने तथा आईटी प्रबंधक, एनआईसी नवादा को आवश्यक तकनीकी समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं आईटी प्रबंधक को सभी महाविद्यालयों की आवश्यकता आधारित सूची तैयार कर निर्धारित पोर्टल पर अपलोड करने का भी निर्देश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, नवादा को डिग्री कॉलेजों के संचालन हेतु प्राक्कलन तैयार कर आवश्यक कार्यों को अविलंब प्रारंभ कराने का निर्देश दिया। साथ ही वर्तमान विद्यालय परिसरों में उपलब्ध संसाधनों एवं उपकरणों का उपयोग डिग्री कॉलेज संचालन में किए जाने तथा आवश्यकता अनुसार उनकी मरम्मत एवं अनुरक्षण सुनिश्चित करने को कहा गया।

संसाधनों की सुरक्षा एवं रखरखाव के दृष्टिकोण से आवश्यकतानुसार नाइट गार्ड की व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में लिए गए निर्णयों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई कर अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, आईटी प्रबंधक, संबंधित अभियंता, विभिन्न महाविद्यालयों की प्राचार्यगण एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

भोरमबाग में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का हुआ समापन

उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कौआकोल। प्रखंड के देवनगढ़ पंचायत अंतर्गत भोरमबाग गांव में आयोजित नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ के तीसरे एवं अंतिम दिन शुक्रवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। यज्ञ स्थल पर सुबह से ही पूजा-अर्चना, हवन एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख,शांति एवं समृद्धि की कामना की। यज्ञ परिसर में भजन-कीर्तन,आरती तथा प्रसाद वितरण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि महायज्ञ के अंतिम दिन विशेष पूजा एवं हवन संपन्न कराया गया। धार्मिक कार्यक्रमों के कारण पूरे गांव में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय वर्मा रिफ्यूजी कॉलोनी तीन गछिया में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कटिहार। उत्क्रमित मध्य विद्यालय वर्मा रिफ्यूजी कॉलोनी तीन गछिया कटिहार में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के थीम जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित बच्चों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाध्यापक दिनेश दुबे के द्वारा एक पेड़,मां के नाम,एक पौधा लगाकर शुरुआत की गई । हम हैं पर्यावरण के प्रहरी के दूत के रूप में इको क्लब के बच्चों ने विद्यालय परिसर की सफाई, पर्यावरण से संबंधित स्लोगन, चित्रांकन, निबंध,भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता के द्वारा पर्यावरण के प्रति सजगता का परिचय देते हुए बेहतर भविष्य के निर्माण पर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानाध्यापक श्री दुबे के द्वारा के बच्चों के बीच पर्यावरण पर युद्ध के विनाशक प्रभाव का जिक्र किया एवं विश्व के तमाम राष्ट्र अध्यक्षों से अभिलंब युद्ध पर रोक लगाने की मांग की।ताइक्वांडो टीम के द्वारा इस अवसर पर धरती के विनाश को दस्तक देता प्रदूषण,आर्थिक विकास पर पर्यावरण का प्रभाव,गांव में पर्यावरण की समस्या, जहरीली होती हवाएं,वन विनाश एवं उसके दुष्परिणाम, एक पेड़ मां के नाम से वृक्षारोपण के महत्व को चार्ट पेपर के माध्यम से अपनी बातें रखी। प्रधानाध्यापक दिनेश दुबे ने इस अवसर पर बच्चों को एक पेड़ मां के नाम से लगाने हेतु शपथ दिलाई।

बदलते पर्यावरण ने बढ़ाई चिंता, बिहार में बढ़ रहे जलवायु संकट के संकेतः डॉ. दानिश मसरूर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नरहट (नवादा)। पिछले कुछ दशकों में भारत और बिहार में पर्यावरणीय बदलावों की रफ्तार चिंताजनक रूप से बढ़ी है। बढ़ता तापमान, अनियमित मानसून, बाढ़-सूखे की चरम घटनाएं, जैव विविधता का क्षरण और प्रदूषण अब केवल वैज्ञानिक रिपोर्टों तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि आम जनजीवन पर भी इसका स्पष्ट प्रभाव दिखाई देने लगा है।

यह बातें पर्यावरण एवं जैव विविधता विशेषज्ञ डॉ. मोहम्मद दानिश मसरूर ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कही। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक आंकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव भारत और बिहार में तेजी से दिखाई दे रहे हैं। पिछले वर्षों में देश के औसत तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि वर्षा का स्वरूप भी असामान्य होता जा रहा है। कम समय में अत्यधिक वर्षा और लंबे शुष्क अंतराल कृषि, जल संसाधनों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था

डॉ दानिश मसरूर

के लिए गंभीर चुनौती बन रहे हैं।

डॉ. मसरूर ने कहा कि बिहार विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति संवेदनशील राज्य है। उत्तर बिहार में कोसी, गंडक और बागमती जैसी नदियों की बाढ़ हर वर्ष लाखों लोगों को प्रभावित करती है, वहीं दक्षिण बिहार के कई क्षेत्रों में सूखे जैसी परिस्थितियां देखने को मिल रही हैं। इसके साथ ही भूजल स्तर में लगातार गिरावट भविष्य के जल संकट की चेतावनी दे रही है।

उन्होंने बताया कि पर्यावरणीय बदलावों का सबसे गंभीर प्रभाव जैव विविधता पर पड़ रहा है। तितलियों, मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ता जीवों की संख्या में कमी दर्ज की जा रही है, जिसका सीधा असर कृषि उत्पादन और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ सकता है। वनों के सिकुड़ने और प्राकृतिक आवासों के नष्ट होने से अनेक जीव-जंतु संकट में हैं।

हाल ही में भागलपुर में आए तेज तूफान का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 50 से 62 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली तेज एवं अनियमित हवाओं के कारण हजारों पक्षियों, उनके चूजों और अंडों की मृत्यु हुई। स्थानीय स्तर पर इस प्रकार की घटना पहली बार इतनी बड़ी संख्या में दर्ज की गई है। यह घटना केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि बदलते मौसमीय पैटर्न और पर्यावरणीय असंतुलन की गंभीर चेतावनी है।

उन्होंने कहा कि यदि वर्तमान प्रवृत्तियां जारी रहीं तो भविष्य में हीट वेव, बाढ़, सूखा और अन्य चरम मौसमीय घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ सकती हैं। इसका असर खाद्य सुरक्षा, जल संसाधनों, मानव स्वास्थ्य और जैव विविधता पर पड़ेगा।

डॉ. मसरूर ने सरकार, वैज्ञानिक समुदाय, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील करते हुए कहा कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रकृति लगातार चेतावनी दे रही है—बदलते मौसम, सूखती नदियां, सिकुड़ते वन और बढ़ती प्राकृतिक आपदाएं उसी चेतावनी के संकेत हैं। यदि अभी प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को अधिक गर्म, अधिक अस्थिर और संसाधनों से वंचित पर्यावरण विरासत में मिलेगा।

पर्यावरण के संरक्षण हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा श्री आशुतोष कुमार झा के मार्गदर्शन में अरविन्द कुमार, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा ने पर्यावरण के संरक्षण हेतु आज दिनांक 05.06.2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी न्यायिक पदाधिकारियों द्वारा व्यवहार न्यायालय, नवादा परिसर में पौधारोपण कराया। साथ ही एक-एक पौधा सभी न्यायिक पदाधिकारियों को अपने आवास या कार्यस्थल पर लगाने हेतु वितरित किया गया। जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी, नवादा के सहयोग एवं भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नवादा की ओर से पौधों की आपूर्ति की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते

हुए विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष महोदय ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग एक गंभीर समस्या है, जिसका दुष्प्रभाव अब प्रत्यक्ष रूप से दिखने लगा है। इसलिए आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवनकाल में एक वृक्ष अवश्य लगाए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण मिल सके।

इस मौके पर विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा श्री आशुतोष कुमार झा सहित प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, नवादा श्री गिरधारी उपाध्याय एवं जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीशगण, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, नवादा, अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, नवादा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा अरविन्द कुमार, अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारीगण, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी एवं द्वितीय श्रेणी, नवादा, प्रधान दण्डाधिकारी, किशोर न्याय परिषद, नवादा, मुख्य शाखा प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, नवादा, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के अभिजीत कुमार, मो. अली शब्बीर हसनैन, आशुलिपिक, सहायक कुणाल कुमार, सुशील कुमार, राकेश कुमार, राम अखिलेश पासवान एवं अनित कुमार, अनुसेवक, स्थायी लोक अदालत, नवादा तथा अजय कुमार अकेला, पारा विधिक स्वयंसेवक आदि उपस्थित थे।

जिला पदाधिकारी की जनसुनवाई में दर्ज हुईं 61 शिकायतें

कई मामलों का ऑन–द–स्पॉट निष्पादन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय "सबका सम्मान-जीवन आसान (Ease of Living)" का उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को अधिक सरल, सहज एवं सम्मानजनक बनाना है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रत्येक सप्ताह सोमवार एवं शुक्रवार को जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई की व्यवस्था लागू की गई है।

जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश के निर्देशानुसार आज जिले के ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई।

जिला स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन जिला पदाधिकारी श्री रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में किया गया। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों द्वारा कुल 61 शिकायतें दर्ज कराई गईं। कार्यक्रम के दौरान जिला पदाधिकारी ने कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन किया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को जांचोपरांत आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया गया।

जनसुनवाई के दौरान थाना सिरदला अंतर्गत ग्राम महमदनगर के श्री जितेन्द्र तांती द्वारा ढलाई तोड़कर शौचालय निर्माण से संबंधित शिकायत, नवादा नगर थाना क्षेत्र के ग्राम गोनावा की श्रीमती मारुती देवी द्वारा पारिवारिक विवाद से संबंधित आवेदन, नारदीगंज थाना क्षेत्र की आशा कुमारी द्वारा अनुदेशकों की बहाली से संबंधित आवेदन तथा गोविन्दपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कमालपुर के एक परिवादी द्वारा रास्ता अवरुद्ध किए जाने संबंधी शिकायत प्रस्तुत की गई। इसके अतिरिक्त अन्य परिवादियों द्वारा भी विभिन्न प्रकार की शिकायतें दर्ज कराई गईं।

जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को सभी मामलों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसी क्रम में जिले के ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में भी जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जहां प्राप्त शिकायतों के निष्पादन हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -6 के ताजा आकड़ें बिहार के लिए गर्वः मंगल पांडेय

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कटिहार/पटना। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी ''राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -6'' (एनएफएचएस) 2023-24 के ताजा आंकड़े बिहार के लिए गौरव का विषय हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत' विजन के साथ पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार व सीएम सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार ने स्वास्थ्य के कई पैमानों पर ऐतिहासिक छलांग लगाई है। यह डबल इंजन सरकार की नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। श्री पांडेय ने कहा कि पहली तिमाही में प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) चेक-अप में 11 प्रतिशत अंकों (पूर्व 52.9 प्रतिशत - वर्तमान 63.9 प्रतिशत) का सुधार हुआ है। जो गर्भवती महिलाओं की बेहतर प्रारंभिक पहचान और पंजीकरण को दर्शाता है। वहीं किसी प्रकार की प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) में 12.4 प्रतिशत अंकों की वृद्धि हुई है (पूर्व में 81.6 प्रतिशत - वर्तमान में 94.0 प्रतिशत), जो उन्नत स्वास्थ्य प्रक्रिया का उदाहरण है। मैं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने बिहार को पर्याप्त सुविधाएं और मार्गदर्शन दी। श्री पांडेय ने कहा कि संस्थागत प्रसव में 4.9 प्रतिशत अंकों का सुधार हुआ (पहले 76.2 प्रतिशत - वर्तमान में 81.1 प्रतिशत), जो सुरक्षित प्रसव सेवाओं तक बेहतर पहुंच को दर्शाता है। संस्थागत प्रसव (सार्वजनिक) 0.6 प्रतिशत अंकों की वृद्धि हुई (पूर्व 56.9 प्रतिशत- वर्तमान 57.5 प्रतिशत) जो सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं के निरंतर उपयोग को दर्शाता है। कुशल स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा कराए गए प्रसव में 5.1 प्रतिशत अंकों का सुधार हुआ (पूर्व में 78.9 प्रतिशत - वर्तमान 84.0 प्रतिशत), जिससे मातृ एवं नवजात शिशु सुरक्षा में वृद्धि हुई।

श्री पांडेय ने कहा कि सीजेरीअन सेक्शन द्वारा होने वाले प्रसव में 3.5 प्रतिशत अंकों की वृद्धि हुई (पूर्व में 9.7 प्रतिशत - वर्तमान में 13.2 प्रतिशत) जो आपातकालीन प्रसूति देखभाल की बेहतर उपलब्धता को दर्शाता है। प्रसवोत्तर देखभाल प्राप्त करने वाली माताएँ (2 दिनों के भीतर की प्रक्रिया) में भी 12.6 प्रतिशत अंकों (पूर्व में 57.3 प्रतिशत- वर्तमान 69.9 प्रतिशत) का सुधार हुआ।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

संदिग्ध हालत में मजदूर की मौत, नहर किनारे मिला शव, लू लगने की आशंका

नालंदा। नालंदा में संदिग्ध हालत में एक मजदूर की मौत हो गई। नहर किनारे शव मिला है। मृतक की पहचान बियावानी गांव निवासी कैलू रविदास(40) के तौर पर हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मॉडल अस्पताल भेज दिया, लेकिन वहां डॉक्टरों की लेटलतीफी पर परिजन आक्रोशित हो गए। घटना दीपनगर थाना क्षेत्र के साठोपुर गांव की है। ग्रामीण सह जदयू प्रखंड अध्यक्ष बिहार शरीफ धनंजय कुमार ने बताया कि कैलू रविदास मजदूरी करते थे। दोपहर में काम से लौटकर खाना खाने घर आ रहे थे। आशंका है कि तेज धूप और लू की चपेट में आने से वे बेहोश होकर गिर पड़े। सिर में चोट लगने और भीषण गर्मी के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई। शाम को जब गांव के लोग मवेशी लेकर खेत की ओर जा रहे थे, तब उन्होंने शव देखा। इसके बाद परिजन शव को घर ले आए। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल लाए जाने पर भारी लापरवाही का मामला सामने आया। बियावानी पंचायत के मुखिया प्रमोद यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि शाम को शव को अस्पताल लाया गया था। डीएम के आदेश के बावजूद डॉक्टर कागजी कमियों का बहाना बनाकर पोस्टमार्टम टालते रहे। यह पूर्व मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री का गृह जिला है, फिर भी सिस्टम की इस लापरवाही के कारण गरीब आदमी दर-दर भटकने को मजबूर है। वहीं, इस संबंध में दीपनगर थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची थी। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। परिजनों की ओर से लिखित आवेदन मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नालंदा के 10 हाईस्कूल में वोकेशनल कोर्स की पढ़ाई, 1 जुलाई से होगी शुरूआत

नालंदा। नालंदा में स्कूली शिक्षा को रोजगार से जोड़ने और छात्र-छात्राओं को प्रारंभिक स्तर से ही आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बड़ा कदम उठाया गया है। नई शिक्षा नीति के तहत राज्य के 555 और नालंदा जिले के 10 हाई स्कूलों में आगामी एक जुलाई से व्यावसायिक पाठ्यक्रमों(वोकेशनल कोर्स) की पढ़ाई शुरू कर दी जाएगी। इसके लिए पूरे सूबे में कुल 739 प्रशिक्षण केंद्र बनाए गए हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सिर्फ सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें सामान्य शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी और व्यावहारिक कौशल का प्रशिक्षण देना है, ताकि भविष्य में उनके लिए रोजगार और स्वरोजगार के रास्ते आसानी से खुल सकें। इन चयनित विद्यालयों में आधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित करने और कक्षाओं के सुचारु संचालन का जिम्मा दो एजेंसियों को सौंपा गया है। शिक्षा विभाग के राज्य परियोजना निदेशक ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों (डीईओ) को पत्र भेजकर हर हाल में एक जुलाई से पहले स्कूलों में प्रयोगशालाएं स्थापित करने का कार्य पूरा करने का सख्त निर्देश दिया है। ये एजेंसियां स्कूलों में आवश्यक उपकरण, फर्नीचर और तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराने के साथ ही प्रशिक्षण की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी। सर्व शिक्षा अभियान के डीपीओ मो. शहनवाज और डीईओ आनंद विजय ने संयुक्त तौर पर बताया कि वर्तमान समय में केवल पारंपरिक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। तकनीकी और व्यावसायिक कौशल की मांग लगातार बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए विद्यालय स्तर पर यह शुरुआत की जा रही है, जिससे विशेषकर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को काफी लाभ मिलेगा।

विद्यार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर एप्लीकेशन, हार्डवेयर, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), रिटेल, स्वास्थ्य सेवा, सुरक्षा और कृषि आधारित तकनीक जैसे रोजगारपरक विषयों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। रेलटेल एजेंसी के प्रतिनिधि अमित श्रीवास्तव के अनुसार, यह फिलहाल एक पायलट प्रोजेक्ट है। इसके तहत 9वीं से 12वीं तक के बच्चों को उनकी रुचि के आधार पर विद्यालय के प्रधानाध्यापकों द्वारा चुने गए दो-दो ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिले के जिन 10 विद्यालयों में यह सुविधा शुरू होने जा रही है, वहां अलग-अलग ट्रेड निर्धारित किए गए हैं। कल्याणबिगहा प्लस टू हाई स्कूल में टूरिज्म और आतिथ्य (हॉस्पिटलिटी) के साथ इलेक्ट्रॉनिक और हार्डवेयर की पढ़ाई होगी। इसी तरह राजकुमार संत बल्लभाचार्य और मोहमदपुर हाई स्कूल में इलेक्ट्रॉनिक, हार्डवेयर, पोशाक निर्माण और घर की सजावट (होम फर्निशिंग) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। बिहारशरीफ के बड़ी पहाड़ी और अकौना हाई स्कूल में कृषि, जबकि इस्लामपुर के नेता जी सुभाष स्कूल में टेलीकॉम, पोशाक निर्माण और घर की सजावट की पढ़ाई होगी। इसके अलावा हिलसा आरबी प्लस टू स्कूल व सिलाव के श्री गांधी हाई स्कूल में टूरिज्म, आतिथ्य और कृषि, रहुई के पतासंग हाई स्कूल में इनफॉर्मेशन एंड टेक्नोलोजी (आईटी) तथा सरमेरा प्लस टू स्कूल में प्लंबिंग व इलेक्ट्रॉनिक की शिक्षा दी जाएगी। पूरे बिहार में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग जिलों में केंद्रों का आवंटन किया गया है। राज्य में सीतामढ़ी में सर्वाधिक 45, पटना व पश्चिम चंपारण में 41-41, नवादा में 40, मुजफ्फरपुर में 36, बांका में 33, मधुबनी व समस्तीपुर में 32-32, सिवान व वैशाली में 30-30, पूर्णिया, रोहतास व सहरसा में 28-28 तथा शिवहर में 26 प्रशिक्षण केंद्र बनाए गए हैं। इसके अलावा मुंगेर में 24, शेखपुरा-सुपौल में 22-22, सारण-नालंदा में 20-20, मधेपुरा में 19, कटिहार में 17, गया-भागलपुर में 13-13, पूर्वी चंपारण में 12, खगड़िया में 11, अररिया में 10, बेगूसराय, जमुई-लखीसराय में 9-9, दरभंगा-किशनगंज में 8-8, औरंगाबाद में 7, गोपालगंज में 6, जहानाबाद में 4, कैमूर में 2 और बक्सर में 1 केंद्र स्थापित किया गया है।

गयाजी में प्लंबर के खाते में आए 294 करोड़ रुपए, युवक बोला- इस पर मेरा अधिकार नहीं है

गयाजी। गयाजी के बोधगया थाना क्षेत्र में एक प्लंबर के खाते में 294 रुपए आ गए। जिससे स्थानीय प्रशासन, बैंकिंग सिस्टम और आम लोगों के बीच हड़कंप मच गया है। युवक का नाम विकास कुमार है। पेशे से प्लंबर मिस्त्री है। विकास ने बताया कि प्लंबर और इलेक्ट्रिक का काम करता हूं। मेरे खाते में सिर्फ 100 रुपए के करीब था। अचानक इतना पैसा देखकर चौंक गया। मुझे लगा कि मिस्टेक से आ गया है। दोबार चेक किया तो उतना ही बैलेंस दिखा रहा था। शाम को फिर चेक किया, फिर भी वही बैलेंस था। पैसा दो बार में अकाउंट में आया। सुबह 11 बजे करीब 92 करोड़ था। इसके बाद साइबर कैफे जाकर ऑनलाइन चेक किया तो 294 करोड़ से ज्यादा अमाउंट दिख रहा था। घर को लोगों को बताया। फिर वार्ड वार्षद को जानकारी दी गई। मैने प्रयास नहीं किया था, पैसा निकालने का। क्योंकि ये मेरा पैसा नहीं था। इसके बाद मैंने पुलिस को सूचना दी थी। किसी तरह से मिस्टेक से आ गया होगा। ये अवैध पैसा है, इस पर मेरा अधिकार नहीं है। मेरी सैलरी 10 से 12 हजार ही है।

विकास ने आगे बताया कि यह कोई तकनीकी गड़बड़ी हो सकती है, लेकिन ट्रांजेक्शन हिस्ट्री देखने पर मामला गंभीर लगा। पिछले कुछ दिनों से उसके खाते में असामान्य गतिविधियां दिख रही थी। पासबुक और डिजिटल स्टेटमेंट का मिलान करने पर कई संदिग्ध और बड़े ट्रांजेक्शन दर्ज पाए गए, जिनकी कुल राशि करोड़ों में पहुंच रही थी। पुलिस को मामले की जानकारी दी गई है। बैंक अधिकारियों ने शुरुआती जांच के बाद खाते को फिलहाल निगरानी में डाल दिया है। सभी लेन-देन की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। बैंक की तकनीकी टीम यह पता लगाने में जुटी है कि इतनी बड़ी राशि आखिर युवक के खाते में किस स्रोत से और किन परिस्थितियों में ट्रांसफर हुई। पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। बोधगया थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह का कहना है कि यह एक संवेदनशील वित्तीय मामला है। इसलिए बैंक रिकॉर्ड, सर्वर लॉग, ट्रांजेक्शन आईडी और संबंधित खातों की गहन जांच की जा रही है। इसके साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या यह किसी बड़ी बैंकिंग चूक का हिस्सा है या फिर किसी अन्य वित्तीय प्रक्रिया का परिणाम है। इस घटना ने पूरे इलाके में चर्चा का माहौल बना दिया है। ग्रामीण और स्थानीय लोग हैरान हैं कि एक सामान्य मजदूर वर्ग के युवक के खाते में इतनी बड़ी राशि कैसे आ सकती है। कई लोग इसे बैंकिंग सिस्टम की बड़ी तकनीकी त्रुटि मान रहे हैं, जबकि कुछ इसे किसी बड़े वित्तीय लेन-देन से जोड़कर देख रहे हैं। युवक ने साफ कहा है कि उसे इस रकम के स्रोत के बारे में कोई जानकारी नहीं है और वह केवल सच्चाई सामने आने का इंतजार कर रहा है। उसने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग की है ताकि पूरा मामला स्पष्ट हो सके।

इंस्टाग्राम पर हथियार लहराकर बना रहे थे दबदबा

24 घंटे में पुलिस ने तीन युवकों को दबोचा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

इमामगंज। सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों के साथ रील और फोटो पोस्ट कर इलाके में दहशत फैलाने की कोशिश करने वाले तीन युवकों को इमामगंज पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से दो देसी कट्टे, दो कारतूस, दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध हथियारों के प्रदर्शन और सोशल मीडिया पर बढ़ती आपराधिक प्रवृत्तियों पर कड़ा संदेश गया है। मामले का खुलासा करते हुए इमामगंज एसडीपीओ धीरज कुमार ने बताया कि 4 जून को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर कुछ युवकों द्वारा अवैध हथियारों के साथ वीडियो और तस्वीरें पोस्ट किए जाने की सूचना मिली थी। मामला सामने आते ही गया के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया और तकनीकी जांच शुरू कर दी गई।

जांच के दौरान वीडियो में दिखाई दे रहे एक युवक की पहचान पैनी गांव निवासी मुकेश सिंह के रूप में हुई। इसके बाद इमामगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कोसमा रोड में सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक पुलिस को देखकर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया।

गिरफ्तार युवकों की पहचान पैनी गांव निवासी मुकेश सिंह तथा कोसमा गांव निवासी मिथिलेश कुमार यादव और प्रमोद यादव के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान मुकेश सिंह और मिथिलेश यादव के पास से एक-एक देसी कट्टा और कारतूस बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने हथियारों के साथ फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किए थे ताकि इलाके में अपना प्रभाव कायम कर सकें और लोगों में भय का माहौल बना सकें।

पुलिस ने इस मामले में इमामगंज थाना कांड संख्या 176/26 दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। गिरफ्तार युवकों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेजा जा रहा है। एसडीपीओ धीरज कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन कर कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष अमित कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक ममता कुमारी, राजेश कुमार सहित इमामगंज थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल रहे। पुलिस की इस सफलता की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

नालंदा में ससुराल में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। नालंदा में संदिग्ध हालत में नवविवाहिता की मौत हो गई। परिजनों ने ससुराल पक्ष पर मारपीट, गला दबाने और जहर पिलाकर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान चेरन निवासी सोनेलाल की पत्नी रिंकी देवी(19) के तौर पर हुई है। पति और ससुराल वाले घर छोड़कर फरार हैं। घटना हरनौत थाना क्षेत्र की है।

'अवैध संबंध का विरोध करने पर रची गई साजिश': हिलसा के केशोपुर निवासी मृतका के दादा जयकांत राम ने आरोप लगाते हुए कहा कि बताया कि रिंकी की शादी 27 फरवरी 2025 को सोनेलाल के साथ हुई थी। सोनेलाल पटना की एक कूट फैक्ट्री में काम करता है। उसका अपनी ही भाभी के साथ अवैध संबंध था। शादी के एक-दो महीने बाद ही रिंकी को इस बात की भनक लग गई थी। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी।

'गला दबाने और जबरन जहर पिलाने का आरोप': बहनोई वीरेंद्र कुमार ने बताया कि गुरुवार रात 12 बजे ससुराल वालों ने फोन करके कहा कि रिंक ने जहर खा ली है। आनन-फानन में चेरन पहुंचा तो देखा कि उसकी मौत हो चुकी थी। गले पर दबाने और शरीर पर चोट के स्पष्ट निशान मौजूद थे। पति, ननद, भैंसुर और उसकी पत्नी ने मिलकर पहले रिंकी की बेरहमी से पिटाई की, उसका गला दबाया। फिर जबरन जहर पिलाकर उसकी हत्या कर दी।

एफएसएल की टीम जुटा रही साक्ष्य: सूचना मिलने पर हरनौत थानाध्यक्ष मुकेश कुमार वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष ने बताया कि महिला की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ के मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है। ससुराल के लोग फिलहाल फरार हैं। मायके वालों की ओर से लिखित आवेदन मिलते ही नामजद प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नालंदा में आयोजकों ने कहा- राजनीति से प्रेरित नहीं आयोजन

युवाओं को बताएंगे संघर्ष की कहानी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। नालन्दा के अस्थावां में शनिवार को स्व. त्रिपुरी सिंह (उर्फ टीपी सिंह) और सुधीर सिंह का 25वां शहादत दिवस समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन टीपी सिंह विचारक मंच और उनके समर्थकों की ओर से किया जा रहा है। समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम में बहुजनों के नेता वारसलीगंज के राजद विधायक के पति अशोक महतो बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

राजनीति से प्रेरित नहीं है आयोजन: आयोजक सदस्य सोनू कुमार ने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम किसी राजनीति से प्रेरित नहीं है। इसका मुख्य उद्देश्य आज की युवा पीढ़ी को टीपी सिंह के संघर्षों और उनके कार्यों से अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि टीपी सिंह एक ऐसे योद्धा थे, जिन्होंने हमेशा दबे-कुचले और बहुजन समाज के अधिकारों के लिए अपनी आवाज बुलंद की। आयोजकों ने सभी गार्जियन और बड़े भाइयों से गिले-शिकवे भुलाकर कार्यक्रम में शामिल होने और श्रद्धांजलि देने की अपील की है।

समाज के हर वर्ग के लिए किया काम: सरमेरा के पूर्व जिला परिषद सदस्य बहादुर सिंह ने कहा कि टीपी सिंह ने जमीन से उठकर समाज में अपनी पहचान बनाई थी। वे दबे-कुचले लोगों के आदर्श थे। उन्होंने अस्थावां के किसी प्रमुख चौराहे पर टीपी सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की।

नीरपुर पंचायत के मुखिया सह जिला मुखिया संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार (उर्फ बिहारी सिंह) ने कहा कि 25 साल बाद किसी युवा (सोनू) ने उनकी याद में कार्यक्रम आयोजित करने का बीड़ा उठाया है, जो सराहनीय है। इसे राजनीतिक रूप देना गलत है। शिक्षक धनंजय कुमार ने कहा कि टीपी सिंह का नाम सुनते ही उनके समर्थकों का सीना चौड़ा हो जाता है; उन्होंने हर जाति-वर्ग के उत्थान के लिए काम किया।

पंचायती कर सुलझाते थे विवाद: कुंदन कुमार ने कहा कि टीपी सिंह सिर्फ एक जाति के नेता नहीं थे, बल्कि वे सभी जातियों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते थे। वे सामाजिक स्तर पर पंचायती कर विवादों का निपटारा करते थे। विशेष चौधरी ने पटना, नालंदा, शेखपुरा और नवादा जिले के लोगों से इस शहादत दिवस में शामिल होने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि टीपी सिंह में अपार शक्ति और नेतृत्व क्षमता थी। उन्होंने पंचायत चुनावों में कई लोगों को जीत दिलाई और हमेशा अन्याय के खिलाफ खड़े रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जीतन राम मांझी ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने अपने गृह निवास महकार (गया) स्थित तालाब वाटिका में फलदार एवं अन्य पौधों का वृक्षारोपण किया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य मातृत्व के प्रति सम्मान प्रकट करना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा वैश्विक ताप वृद्धि जैसी चुनौतियों का सामना करना है। इस अवसर पर कुटुंबा विधायक ललन राम, अतरी विधायक रोमित कुमार, सिकंदरा विधायक प्रफुल्ल कुमार मांझी, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री डॉ. अनिल कुमार, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, पटना के निदेशक डॉ. मोहम्मद हनीफ मेवाती, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास कार्यालय, पटना के निदेशक आर.के. चौधरी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का अभिन्न अंग है और इसके संरक्षण की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने कहा कि वैश्विक ताप वृद्धि के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे हिमनदों का पिघलना, समुद्र के जलस्तर में वृद्धि तथा मौसम चक्र में असंतुलन जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है और उसे अवशोषित करने वाले प्राकृतिक साधन कमजोर होते जा रहे हैं। ऐसे में अधिक से अधिक वृक्ष लगाना और उनका संरक्षण करना पर्यावरण बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है।

केंद्रीय मंत्री ने लोगों से अपील की कि वे अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करें। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, स्वच्छता को बढ़ावा देने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया "एक पेड़ मां के नाम" अभियान केवल पौधारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मां और धरती माता के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक जनआंदोलन है। इस अभियान के तहत देशभर में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जा रहा है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और स्वच्छ वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया तथा अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का आह्वान किया।

गुरारू थाना परिसर में चला 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान, अधिकारियों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पौधारोपण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गुरारू। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरारू थाना परिसर में शुक्रवार को "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड प्रशासन, पुलिस प्रशासन तथा भाजपा कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी संभव कुमार सिंह, थाना अध्यक्ष अखिलेश कुमार, कार्यक्रम पदाधिकारी सरस्वती कुमारी तथा पंचायत तकनीकी सहायक आलोक रजक ने पौधे लगाकर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण के साथ-साथ उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी होगी।

अधिकारियों ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे तो पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में बड़ी मदद मिल सकती है। उन्होंने जल संरक्षण, स्वच्छता और हरियाली को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में भाजपा प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री सदस्य राजदेव प्रसाद राजू, भाजपा नेता डॉ. लालजी यादव तथा दिलीप चौरसिया समेत कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई और लोगों से भी इस अभियान से जुड़ने की अपील की।

इस अवसर पर पंचायत रोजगार सेवक विकास कुमार सिन्हा, मिथिलेश कुमार, अनूप कुमार, ज्ञानेन्दु कुमार, बिनीत कुमार, राकेश कुमार, जैनेन्द्र कुमार, बीएफटी रामबाबू कुमार और उदय यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छ और हरित वातावरण ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार होगा।

कृषि मंत्री बोले– पर्यावरण बचाओ ही हमारा भविष्य किसानों का डिजिटल डेटाबेस तैयार होगा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। बिहार के कृषि मंत्री विजय सिन्हा आज गयाजी के दौरे पर हैं। उन्होंने आज टनकुप्पा प्रखंड के मायापुर स्थित 'बिहार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मिलेट्स एंड वैल्यू चेन' का दौरा किया है। इस दौरान क्षेत्र में मोटे अनाजों(मिलेट्स) की खेती को बढ़ावा देने, प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) और किसानों की आय दोगुनी करने से जुड़ी योजनाओं की जमीनी हकीकत परखा गया है।

महाबोधि विहार में विशेष पूजा, भिक्षुओं ने किया सूत्रपाठ: दोपहर करीब डेढ़ बजे मंत्री विजय कुमार सिन्हा विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर पहुंचे। वहां बोधगया मंदिर प्रबंधकारिणी समिति की सचिव डॉ. महाश्वेता महारथी और वरिष्ठ भिक्षुओं ने खादा (पारंपरिक स्कार्फ) पहनाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद मंत्री ने गर्भगृह में भगवान बुद्ध को चीवर और प्रसाद अर्पित किया। भिक्षु दीनानंद और डॉ. मनोज ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विशेष सूत्रपाठ किया और मंत्री के स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना की। यही नहीं उन्होंने पवित्र बोधि वृक्ष की जड़ों में जल अर्पित कर पुष्पांजलि दी। विजीटर बुक में उन्होंने लिखा कि भगवान बुद्ध की सकारात्मक ऊर्जा देशवासियों को सुख-समृद्धि दे।

टनकुप्पा में किसानों को दिलाया संकल्प- 'एक पेड़ जरूर लगाएं': बोधगया में आशीर्वाद लेने के बाद कृषि मंत्री सीधे टनकुप्पा प्रखंड के मायापुर स्थित कृषि विश्वविद्यालय पहुंचे। बता दें कि इस विश्वविद्यालय का उद्घाटन इसी साल मार्च में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया था, जब

विजय सिन्हा राज्य के उपमुख्यमंत्री थे। विश्वविद्यालय परिसर में मंत्री ने किसानों से सीधा संवाद किया। खेत बचाओ, पर्यावरण बचाओ ही हमारा भविष्य है। इस पर्यावरण दिवस पर हर किसान कम से कम एक पौधा लगाने का संकल्प लें। इस मौके पर मीडिया कर्मी के सवाल के जवाब में कहा कि खाद की कालाबाजारी नहीं चलने देंगे। इसके लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि इन सब से बचने के लिए असली व पुरानी खेती की ओर आएं।

फार्मर रजिस्ट्री और 'खेत बचाओ' अभियान पर फोकस: कृषि मंत्री ने 'फार्मर रजिस्ट्री' अभियान की शुरुआत की है। जिसके तहत किसानों का एक डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जा रहा है, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से उन तक पहुंच सके। इसके साथ ही, मिट्टी की सेहत और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 'खेत बचाओ' अभियान और व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम का भी आगाज किया गया है।

कृषि वैज्ञानिक और अधिकारी मौजूद: इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) मानपुर और आमस के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों, कृषि विभाग के अधिकारियों और संबंधित कृषि संस्थानों के प्रतिनिधियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने इन वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। जिसमें गयाजी जिले में चल रही कृषि परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

किसानों से सीधा संवाद: चुनौतियों और संभावनाओं पर मंथन: इस दौरे का सबसे अहम हिस्सा कृषि मंत्री का स्थानीय किसानों के साथ सीधा संवाद रहा। मिलेट्स जैसे मडुआ, बाजरा, सावां की खेती में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों, बाजार की उपलब्धता और वैल्यू चेन को मजबूत करने पर चर्चा हुई। मंत्री ने किसानों से फीडबैक लिया। ताकि सरकार की योजनाओं को अधिक प्रभावी और किसान-अनुकूल बनाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

दो बाईकों की हुई भिड़ंत मे दो हुए घायल

कोचस (रोहतास)। स्थानीय थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 319 पर गांधी चौक के समीप दो बाइक आपस में टकरा गई जिसमें दो युवा गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों में शिवराज खलीफा पिता अवतार खलीफा ग्राम कोटा तथा गोरख पासवान पिता सागर पासवान ग्राम परसथुआ के बताए गए हैं. घटना के बारे में बताया जाता है कि बाइक सवार दोनों युवक निजी कार्य से कोचस आए थे जहां राष्ट्रीय राजमार्ग 319 पर गांधी चौक के समीप बाइक अनियंत्रित हो दूसरे बाइक में जा टकराई इसमें दोनों योग गंभीर रूप से घायल हो गए. आसपास मौजूद लोगों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां मौके पर उपस्थित चिकित्सक डॉक्टर अविनाश कुमार ने उपचार उपरांत शरीर मे आंतरिक चोट आने तथा स्थिति गंभीर बताते हुए बेहतर इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है।

दो पटीदारो मे हुई मार पीट मे एक महिला हुई घायल

कोचस (रोहतास)। परसथुआ थाना क्षेत्र के सोहसा गांव मे शुक्रवार को पारिवारिक विवाद में हुई मारपीट में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई. घायल महिला सोहसा गांव निवासी सोनू गुप्ता की पत्नी सुनीता देवी बताई गई है. घटना के बारे में बताया जाता है कि घायल महिला के साथ परिवार में विवाद चल रहा था जहां परिवार के लोगों ने महिला को मारपीट कर घायल कर दिया. परिजनों ने घायल अवस्था में महिला को उपचार के लिए पीएचसी लाया जहा मौके पर उपस्थित चिकित्सक डॉक्टर अविनाश कुमार ने शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोट लगने की वजह से बेहतर उपचार के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने उच्च शिक्षामंत्री का किया भव्य स्वागत

कोचस (रोहतास)। कोचस नगर पंचायत स्थित महात्मा गांधी चौक पर शुक्रवार को बिहार सरकार के उच्च शिक्षामंत्री संजय सिंह टाइगर का भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। मंडल अध्यक्ष पूर्वी राजेश सिंह एवं पश्चिमी अध्यक्ष संतोष कुमार तिवारी के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने फूलमाला लेकर इंतजार कर रहे थे। मंत्री किसी कार्यक्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 319 आरा मोहनिया पथ से भभुआ जा रहे थे।कोचस पहुंचते हीं कार्यकर्ताओं ने पार्टी एवं शिक्षा मंत्री के सम्मान में नारे लगा फूलमाला से लाद दिया। मौके पर अभिषेक सिंह, पूनम श्रीवास्तव जिला प्रवक्ता संतोष गुप्ता, सच्चिदानंद गांधी, केशो साह, गोविन्द गुप्ता, छठू गुप्ता, कृष्णकांत दूबे, राकेश पासवान समेत अन्य मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष ग्राम सभा,किया वृक्षारोपण

बिक्रमगंज : प्रखंड के ग्राम पंचायत खैरा-भूधर के पंचायत भवन परिसर में एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर किया गया । जिसकी अध्यक्षता पंचायत के मुखिया राजेंद्र प्रसाद गुप्ता ने की । उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि हमें हर हाल में अपने पर्यावरण को सुरक्षित बचाए रखना है,नहीं तो आने वाला कल हमें माफ नहीं करेगा । धरती हमारी मां है और उनकी देखभाल करना हमारा परम कर्तव्य है । किसान भाइयों को आवश्यकता अनुसार ही उर्वरक का प्रयोग करना चाहिए । उपस्थित जन प्रतिनिधियों ने उक्त अवसर पर वृक्षारोपण किया । जिसमें आम, इमली,बादाम,जामुन तथा पीपल के वृक्ष लगाए गए । रोहतास जिला के बीस सूत्री सदस्य नवीन चंद्र साह ने सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकृति हमारे जीवन का आधार है ।हम सबको पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण,जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति सजग रहना चाहिए,यही हमारा धर्म है । इस अवसर पर वार्ड सदस्य संतोष कुमार सिंह,निर्मल कुमार,पप्पू कुमार,मनोज चंद्रवंशी सहित पंचायत रोजगार सेवक कृष्ण कुमार पांडेय एवं ग्रामीण जितेंद्र कुमार,सतीश कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर संझौली थाना परिसर में पौधारोपण

संझौली/रोहतास। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संझौली थाना परिसर में थाना अध्यक्ष पूनम कुमारी द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी देखभाल करने की आवश्यकता है। थाना अध्यक्ष ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि पेड़-पौधे न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण भी सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा कि एक पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर थाना परिसर में लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का भी संकल्प लिया गया। पौधारोपण कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया।

संदेशः "एक पेड़ मां के समान, जो देता जीवन का वरदान। आइए, विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधा लगाकर प्रकृति को बचाने का संकल्प लें।"

भीषण सड़क हादसे में 43 वर्षीय मनजीत कुमार उर्फ बिट्टू की हुई मौत

काराकाट/रोहतास। जिले के काराकाट थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में 43 वर्षीय मनजीत कुमार उर्फ बिट्टू की मौत हो गई। आज शुक्रवार शव परिजनों के पास पहुंचते ही कोहराम मच गया । जानकारी के अनुसार मनजीत और उनकी मां, आरा किसी निजी काम से बिक्रमगंज ट्रेन के माध्यम से लौटे फिर बिक्रमगंज से पैदल अपने गांव पड़सर लौट रहे थे क्योंकि वहां से वाहन नहीं मिला था। करीबी 11:00 रात एनएच-120 पर इटवां गांव के पास अचानक किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में मनजीत बुरी तरह घायल हो गए जबकि उनकी मां उनसे कुछ कदम पीछे होने के कारण बच गईं। स्थानीय लोगों ने तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गोडारी को सूचना दी और एम्बुलेंस बुलाई। गंभीर हालत में मनजीत को पहले सीएचसी गोडारी लाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल सासाराम रेफर कर दिया। सासाराम के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पीड़ित के परिजन बता रहे हैं कि मनजीत, रामबचन सिंह के बड़े पुत्र थे और उनकी शादी वर्ष भर पहले दिनारा थाना क्षेत्र के कोरी बलिया में हुई थी; उनकी कोई संतान नहीं थी। उनका एक छोटा भाई अंकित कुमार भारतीय वायु सेना में सेवा दे रहा है और दो बहनें शिक्षिका हैं। परिजन घटना से शोक में हैं और घर में कोहराम मचा हुआ है। काराकाट थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने भी घटना की पुष्टि की है और बताया कि पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को दे दिया गया है। पुलिस ने प्रारम्भिक रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गुरुकुल स्कूल में 'समर्पण प्लांटेशन ड्राइव 2026' का शुभारंभ

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

डेहरी (रोहतास)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुकुल स्कूल, सुजानपुर एवं सुंदरगंज की दोनों शाखाओं में निदेशक आर.पी. सिंह तथा प्रधानाध्यापक कुमार सविनय के मार्गदर्शन में "समर्पण प्लांटेशन ड्राइव 2026" का शुभारंभ पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में सैकड़ों विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक आर.पी. सिंह ने कहा कि पिछले वर्ष आयोजित "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत गुरुकुल स्कूल ने रोहतास जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त कर एक नई पहचान बनाई थी। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष विद्यालय परिवार ने 1500 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक व्यक्ति को इसमें अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

प्रधानाध्यापक कुमार सविनय ने बताया कि विद्यालय द्वारा लगाए जाने वाले पौधों की जिम्मेदारी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सौंपी जाएगी। पौधारोपण के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल एवं संरक्षण का कार्य भी विद्यालय परिवार द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम, जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने वर्ष 2026 में अधिक से अधिक पौधे लगाकर हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण का आह्वान किया।

काराकाट प्रखंड अध्यक्ष पद पर पुनः मनोनीत हुए बिजेंद्र कुमार पटेल, जताया आभार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट / रोहतास। जिले के काराकाट में जनता दल (यू) के सक्रिय नेता बिजेंद्र कुमार पटेल को एक बार फिर काराकाट प्रखंड अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला अध्यक्ष बिंदा चंद्रवंशी द्वारा जारी मनोनयन पत्र में प्रदेश नेतृत्व की स्वीकृति के बाद उन्हें पुनः प्रखंड अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है। पुनः मनोनयन पर बिजेंद्र कुमार पटेल ने मुख्यमंत्री एवं जदयू के वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम नीतीश कुमार, निशांत कुमार, संजय झा, उमेश कुशवाहा, महाबली सिंह, नागेंद्र चंद्रवंशी, बशिष्ठ सिंह, बिंदा चंद्रवंशी, अमरेश चौधरी, जगनरायण यादव एवं मनोरंजन गिरी सहित पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जिस विश्वास के साथ उन्हें पुनः यह जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे तथा संगठन को और मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे। मनोनयन की घोषणा के बाद समर्थकों एवं शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कृष्णा कुशवाहा, बबलू ब्राह्मण, अमित पटेल, चंदन कुशवाहा, मुनी जी कुशवाहा, परशुराम सिंह, रामजी बैठा, संतोष पटेल, जयकुमार कुशवाहा, राजबली कुशवाहा, शंताकार कुशवाहा, हरेन्द्र पटेल, लेखा प्रसाद, शाम, मदनचंद कुशवाहा, कृष्णा रावत, निर्मल यादव, प्रदीप चौधरी सहित कई लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समर्थकों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में पार्टी संगठन काराकाट प्रखंड में और अधिक मजबूत होगा।

रोहतास एसपी ने काराकाट कस्तूरबा बालिका आवासीय विद्यालय की तीन छात्राओं को पुनः किया सम्मानित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

डेहरी /रोहतास। जिले के काराकाट प्रखंड स्थित जयश्री के कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय की तीन छात्राओं को शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक रोहतास, रौशन कुमार ने अपने कार्यालय पर विशेष रूप से सम्मानित किया। यह सम्मान हाल ही में 2 जून दिन मंगलवार को आयोजित सहयोग शिविर के दौरान बच्चियों द्वारा बनाई गई रेखाचित्र और सस्टेनेबल क्रिएशंस पर मिलने वाली प्रशंसा के चलते दिया गया। वार्डन गुड़िया पांडे के सहयोग से बुलाई गई तीनों छात्राओं में गुड़िया कुमारी शामिल हैं, जिन्होंने जिला अधिकारी उदिता सिंह की रेखाचित्र बनाकर ध्यान खींचा था। करिश्मा कुमारी ने एसपी रौशन के चित्र बनाकर और रचनात्मक कला प्रस्तुत कर समारोह में सबका मन मोह लिया था साथ ही डीएम और एसपी का भी। वहीं रोशनी कुमारी ने पहले एक सस्टेनेबल बुक बनाई थी और इस बार सस्टेनेबल स्टेशनरी स्टैंड बनाकर एसपी का ध्यान आकर्षित किया। जानकारी के अनुसार रोशनी के माता-पिता नहीं हैं और वह विद्यालय के आवास में रहकर पढ़ाई कर रही है। एसपी रौशन कुमार ने कार्यालय में तीनों बच्चियों को उपहार देकर सम्मानित किया और उन्हें पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखने तथा लक्ष्य की ओर दृढ़ संकल्प से बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन हमेशा इनके साथ है और किसी भी कठिनाई में मदद के लिए तत्पर रहेगा। बच्चों से लंबी बैठकर पढ़ाई, करियर और लक्ष्य निर्धारण पर चर्चा भी की गई, जिससे छात्राओं का मनोबल बढ़ा। कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन गुड़िया पांडे ने एसपी रौशन कुमार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे अधिकारी बच्चों का उत्साह बढ़ाते हैं तो मेधावी छात्राएं अपने लक्ष्य अवश्य प्राप्त करेंगी। विद्यालय व पुलिस प्रशासन के इस सहयोग को स्थानीय समाज ने भी सराहा है।

सबका सम्मान,जीवन आसान योजना तहत जनता दरबार में 90 मामलों की सुनवाई

त्वरित समाधान पर एसडीएम का जोर

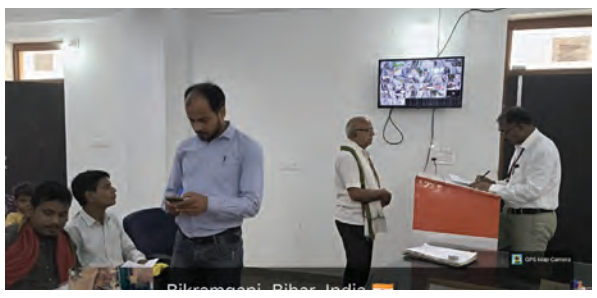

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज : अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) प्रभात कुमार ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित "सबका सम्मान,जीवन आसान" योजना के तहत जनता दरबार में आम लोगों की समस्याएं सुनीं । इस दौरान भूमि विवाद,राशन कार्ड तथा अन्य प्रशासनिक मामलों सहित कुल 90 मामलों की सुनवाई की गई । जनता दरबार में भूमि संबंधी 37,राशन कार्ड से जुड़े 40 तथा अन्य विभागों से संबंधित 13 मामलों को अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया । एसडीएम ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई का निर्देश दिया । इस अवसर पर एसडीएम प्रभात कुमार ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से हो । जनता दरबार इसी उद्देश्य की पूर्ति का एक प्रभावी माध्यम है । उन्होंने कहा कि प्रशासन आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है ।

प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुना जा रहा है तथा संबंधित विभागों को निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है । उन्होंने आगे कहा कि जनता और प्रशासन के बीच बेहतर संवाद स्थापित होने से समस्याओं का त्वरित निराकरण संभव हो रहा है । लोगों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ रहा है,जिससे प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति आमजन का विश्वास भी मजबूत हो रहा है ।जनता दरबार में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे, जिनकी शिकायतों पर सुनवाई करते हुए आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कराई गई ।

FD की जानकारी के लिए दर-दर भटक रहा बुजुर्ग ग्राहक, PNB संझौली शाखा की कार्यशैली पर उठे सवाल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

संझौली (रोहतास)। संझौली स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में एक बुजुर्ग ग्राहक अपनी वर्षों पुरानी फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) की जानकारी के लिए लगातार चक्कर लगाने को मजबूर हैं। मामला सामने आने के बाद बैंक की कार्यप्रणाली को लेकर स्थानीय स्तर पर सवाल उठने लगे हैं। चैता बहोरी गांव निवासी सुरेंद्र सिंह (पिता स्व. रामाधार सिंह) का कहना है कि उन्होंने वर्ष 2016 में संझौली शाखा में 50 हजार की फिक्स्ड डिपॉजिट कराई थी। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद जब उन्होंने अपनी जमा राशि और उससे संबंधित अभिलेखों की जानकारी लेनी चाही तो उन्हें स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका। उनका आरोप है कि कई बार बैंक जाने के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

उम्रदराज होने और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के बावजूद बार-बार बैंक का चक्कर लगाने से उन्हें काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। परिजनों का कहना है कि एक वरिष्ठ नागरिक को अपनी ही जमा पूंजी की जानकारी के लिए इतना परेशान होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

मामले की जानकारी मिलने पर स्थानीय पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनू कुमार ने भी बैंक शाखा पहुंचकर स्थिति की जानकारी लेने का प्रयास किया। आरोप है कि संबंधित मामले पर स्पष्ट जानकारी देने के बजाय बैंक कर्मियों द्वारा टालमटोल का रवैया अपनाया गया। इससे ग्राहक और उनके परिवार की चिंता और बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बैंकों को वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना चाहिए, लेकिन यहां एक बुजुर्ग ग्राहक अपनी एफडी की स्थिति जानने के लिए लंबे समय से परेशान हैं।

वहीं मामले में बैंक का पक्ष जानने के लिए शाखा प्रबंधक धीरेंद्र कुमार से मोबाइल फोन पर संपर्क किया गया। उन्होंने स्वयं को व्यस्त बताते हुए बातचीत बाद में करने की बात कही, जिसके कारण समाचार लिखे जाने तक उनका विस्तृत पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। यदि बैंक प्रबंधन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त होती है तो उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा। ग्रामीणों और ग्राहकों ने बैंक के वरीय अधिकारियों से मामले की जांच कर बुजुर्ग ग्राहक की समस्या का शीघ्र समाधान कराने की मांग की है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बैंक प्रशासन इस शिकायत को कितनी गंभीरता से लेता है और ग्राहक को कब तक राहत मिलती है।

विधायक ने किया वृक्षारोपण, दिया संदेश

वातावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक लगाए पौधे

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कोचस (रोहतास) कोचस के गंगवलिया वन स्थित सैंडबॉक्स पब्लिक स्कूल मे विश्व पर्यावरण दिवस पर करगहर विधायक के द्वारा पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम का प्रारम्भ करगहर विधायक वशिष्ठ सिंह ने पौधेरोपण कर किया।विधायक ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने तथा हरित वातावरण के निर्माण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। निदेशक रविकान्त रंजन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वृक्ष न केवल शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि जलवायु संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में एक सौ से अधिक पौधे लगाये गये।

हरित न्याय का संदेश : विश्व पर्यावरण दिवस पर व्यवहार न्यायालय परिसर में हुआ वृक्षारोपण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतासः विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को वन विभाग के सहयोग से बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश ओम सागर ने की। इस दौरान न्यायिक पदाधिकारियों,अधिवक्ताओं एवं न्यायालय कर्मियों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संदेश दिया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश ओम सागर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को संतुलित नहीं रखते,बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य का आधार भी हैं। वृक्षारोपण कार्यक्रम में न्यायिक पदाधिकारियों ने पौधे लगाकर समाज को हरियाली बढ़ाने और प्रकृति के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर न्यायिक पदाधिकारियों में कृष्ण प्रताप राणा,राजेश कुमार, जन्मेजय चौधरी, एम.एस.सबा शकील, राकेश रंजन, अनूप कुमार, प्रतीक शैल एवं स्वयं श्रीवास्तव सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे ।कार्यक्रम में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव, अधिवक्तागण, न्यायालय कर्मी तथा अन्य गणमान्य लोगों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई । उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम ने न्यायालय परिसर को हरियाली का नया संदेश देते हुए समाज को प्रकृति संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराया।

मेगा क्विज प्रतियोगिता सफलतापूर्वक कि गई आयोजित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट / रोहतास। विश्व पर्यावरण दिवस पर मेरा युवा भारत (MY Bharat), रोहतास के तत्वावधान में काराकाट प्रखंड के गोडारी आरआर +2 हाई स्कूल में शुक्रवार को मेगा क्विज प्रतियोगिता सफलतापूर्वक आयोजित की गई। कार्यक्रम में काराकाट एवं नासरीगंज प्रखंड के विभिन्न गांवों से 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया और पर्यावरण से जुड़े प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी प्रतिभा दिखायी।

कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रमुख अतिथियों द्वारा पूजनीय श्री राम रूप तिवारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। अतिथियों ने उनके शिक्षा और समाज सेवा में योगदान को नमन किया। इसके पश्चात विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया गया तथा उपस्थित युवाओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा का संकल्प लेने की अपील की गई।

प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह ने प्रतियोगिता के समापन पर बच्चों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रखंड श्रम प्रवर्तन अधिकारी देवाशीष कुमार व राजस्व अधिकारी ध्रुव कुमार ने भी कार्यक्रम में युवाओं को प्रेरित करते हुए प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता बतायी। ग्रीन वाइल्ड फाउंडेशन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक शिवम कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का विषय नहीं, बल्कि सतत जनभागीदारी का अभियान है।

मेगा क्विज में गोडारी के अंकित कुमार ने प्रथम स्थान हासिल किया। सोहदा के राहुल शर्मा द्वितीय तथा अमलोवा की प्रिया कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता के टॉप-10 में निमि कुमारी, प्रियांशु कुमारी, रानी कुमारी, अमरजीत कुमार, खुशबू कुमारी, आकृति कुमारी एवं शकीला खातून शामिल रहीं। आयोजकों ने सभी टॉप-10 प्रतिभागियों को पुरस्कार, ट्रॉफी व प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में धनंजय कुमार सिंह, राजीव कुमार, मनीष सैनी, रोहित कुमार, आकाश पांडेय, सोनू कुमार, सत्यम मिश्रा, पुरुषोत्तम कुमार, माइंड स्क्वायर के निदेशक अमित कुमार, अरविंद कुमार, द अल्फा के निदेशक आनंद कुमार, काशी गौरव के निदेशक रोहित कुमार, मनीष कुमार गुप्ता, समाजसेवी संतोष कुमार गुप्ता व शिक्षक अनिल कुमार सहित अनेक गणमान्य मौजूद रहे। आयोजक प्रतिभागियों, अतिथियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आगे भी निरंतर जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

23% तक बढ़ा सरकारी बसों का किराया

बांका । बांका जिले में सरकारी बसों का किराया बढ़ा दिया गया है।पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण परिवहन निगम ने यह फैसला लिया है।नई किराया दरें 1जून 2026 से लागू हो गई हैं,जिससे यात्रियों को अब पहले की तुलना में अधिक भुगतान करना होगा। जिले भर में किराये में लगभग 22 से 23प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। परिवहन विभाग द्वारा जारी नई दरों के अनुसार, सामान्य बस सेवा का किराया 50किलोमीटर तक की दूरी के लिए 1.50 रुपये से बढ़ाकर 1.73 रुपये प्रति किलोमीटर प्रति यात्री कर दिया गया है।डीलक्स बसों का किराया 1.70 रुपये से बढ़कर 1.96 रुपये प्रति किलोमीटर हो गया है।एसी डीलक्स बसों में अब 2.00 रुपये के बजाय 2.30 रुपये प्रति किलोमीटर किराया लगेगा। वोल्वो, मल्टीएक्सल और अन्य प्रीमियम श्रेणी की बसों का किराया 2.50 रुपये से बढ़ाकर 2.88 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है।

विभिन्न स्थानों के लिए बस किराये में उल्लेखनीय वृद्धि : नई दरें लागू होने के बाद बांका से विभिन्न स्थानों के लिए बस किराये में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बांका से भागलपुर का किराया 71 रुपये से बढ़कर 87 रुपये हो गया है। इसी तरह, बांका से जमुई का किराया 134 रुपये से बढ़कर 165 रुपये,और बांका से पूर्णिया का किराया 190 रुपये से बढ़कर 241 रुपये कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, बांका से जगदीशपुर और साहेबगंज का किराया 53 रुपये से बढ़कर 66 रुपये हो गया है। रजौन का किराया 36 रुपये से बढ़कर 45रुपये,और बेलहर का किराया 60रुपये से बढ़कर 70रुपये हो गया है।

कई यात्रियों ने अचानक हुई वृद्धि पर आपत्ति जताई : सरकारी बस स्टैंडों पर नई किराया दरों को लेकर यात्रियों में नाराजगी देखी गई। कई यात्रियों ने अचानक हुई इस वृद्धि पर आपत्ति जताई, जिससे टिकट काउंटरों पर बहस की स्थिति भी उत्पन्न हुई।यात्रियों का कहना है कि महंगाई के इस दौर में किराया बढ़ने से उनके मासिक खर्च में और इजाफा होगा। वहीं परिवहन निगम का कहना है कि ईंधन की बढ़ती कीमतों और संचालन लागत में वृद्धि के कारण किराये में संशोधन आवश्यक हो गया था। लबताया जा रहा है कि जल्द ही निजी बस संचालक भी अपने किराये में बढ़ोतरी कर सकते हैं।इससे आने वाले दिनों में यात्रियों की जेब पर और अधिक बोझ पड़ने की संभावना है।

जीजा की मौत, साला घायल

भागलपुर । भागलपुर में तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार जीजा और साला गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर परिवार के सदस्य और पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों को इलाज के लिए मायागंज पहुंचाया। जहां जीजा की मौत हो गई। मृतक की पहचान तमौनी शाहपुर निवासी मोहम्मद नजीर उर्फ गुड्डू (50) के रूप में हुई है, जबकि घायल मोहम्मद शमी का इलाज अस्पताल में चल रहा है। मोहम्मद नजीर अपने बहनोई को ट्रेन पकड़वाने के लिए बाइक से रेलवे स्टेशन जा रहे थे। घटना हबीबपुर थाना क्षेत्र के गौराचक्की के पास की है।

सड़क किनारे पड़े थे दोनों : मृतक के पुत्र मोहम्मद गुलजार ने बताया कि सूचना मिलने के बाद परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। दोनों घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़े हुए थे। आनन-फानन में सड़क से उठाकर हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने पिताजी को मृत घोषित कर दिया। हबीबपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात वाहन की पहचान और चालक की गिरफ्तारी को लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

सांप के डसने से युवक की मौत

बांका । बांका जिले के कटोरिया प्रखंड के बैरधनियां गांव में सांप के डंसने से एक 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान घनश्याम यादव के पुत्र कुंदन कुमार के रूप में हुई है। कुंदन ने झारखंड के देवघर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, कुंदन कुमार अपने घर में काम कर रहा था, तभी उसे एक जहरीले सांप ने काट लिया। सांप के काटने के बाद युवक ने शोर मचाया, जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे।

बेहतर इलाज के लिए देवघर रेफर कर दिया : कुंदन की गंभीर हालत को देखते हुए परिजन उसे तत्काल कटोरिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। चिकित्सक डॉ. बिनोद कुमार ने बेहतर इलाज के लिए उसे देवघर रेफर कर दिया। परिजन कुंदन को लेकर देवघर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जब युवक का शव गांव पहुंचा, तो परिवार में शोक छा गया। जवान बेटे की मौत से माता-पिता गहरे सदमे में हैं।

लोगों से सावधानी बरतने की अपील की : ग्रामीणों ने बताया कि कुंदन कुमार मिलनसार और मेहनती स्वभाव का युवक था। उसकी असामयिक मौत से पूरे गांव में गम का माहौल है। घटना के बाद ग्रामीणों ने बारिश के मौसम में सर्पदंश की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और लोगों से सावधानी बरतने की अपील की। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।शव गांव पहुंचते ही रोने के चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुंगेर में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

मुंगेर । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मुंगेर जिले में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को लेकर व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। वन प्रमंडल मुंगेर, आईटीसी सुनहरा कल एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण, स्वच्छता अभियान और पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इन कार्यक्रमों के तहत जिले के विभिन्न गंगा घाटों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जिसका उद्देश्य स्वच्छ पर्यावरण और जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश देना था। शहर के राजा-रानी तालाब परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण से कार्यक्रमों की शुरुआत हुई।

प्रशासनिक अधिकारियों तथा समाजसेवियों ने पौधे लगाए : इस अवसर पर मुंगेर के भाजपा विधायक कुमार प्रणय, जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पणीकर, वन प्रमंडल पदाधिकारी अमरीश कुमार मल्ल, अपर समाहर्ता मनोज कुमार और उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों तथा समाजसेवियों ने पौधे लगाए। पौधारोपण कार्यक्रम के बाद सभी अधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवक और सामाजिक संगठनों के सदस्य बबुआ गंगा घाट पहुंचे और स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

गुटखा फ्री में नहीं मिलता, कहने वाला होमगार्ड जवान सस्पेंड

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर । भागलपुर के बरारी घाट से महादेवपुर घाट के बीच नाव चल रहा है। इसमें यात्रियों से किराया वसूले जाने की खबर लगने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया। शुक्रवार सुबह दैनिक भास्कर डिजिटल पर खबर लगने के करीब चार घंटे के अंदर प्रशासन ने नाविकों के बकाया भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही कई नाविकों को चेक के माध्यम से राशि उपलब्ध करा दी गई। इस मामले में भास्कर रिपोर्टर को बाजार में गुटखा फ्री में नहीं मिलता है, कहने वाले होमगार्ड जवान को भी सस्पेंड कर दिया गया है।

जिला प्रशासन ने भुगतान व्यवस्था को दुरुस्त किया : गुरुवार को दैनिक भास्कर की पड़ताल में नाविकों ने बताया था कि उन्हें प्रशासन की ओर से पर्ची तो दी जा रही है, लेकिन भुगतान नहीं होने के कारण वे यात्रियों से किराया लेने को मजबूर हैं। इसके बाद जिला प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर भुगतान व्यवस्था को दुरुस्त किया। निरीक्षण के दौरान DM नवल किशोर चौधरी ने कहा कि नियंत्रण कक्ष में एसडीओ, एसडीपीओ,

सीओ समेत पूरी टीम तैनात है और जिन नाविकों ने वाउचर जमा किया है, उन्हें चेक के माध्यम से भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि चेक देने का उद्देश्य नाविकों को यह भरोसा दिलाना है कि उनकी राशि स्वीकृत हो चुकी है और खाते में जमा करने पर उन्हें भुगतान मिल जाएगा। प्रशासन आरटीजीएस के माध्यम से भी भुगतान की व्यवस्था कर रहा है। डीएम ने कहा कि जिन नाविकों ने अभी तक वाउचर जमा नहीं किया है, उन्हें भी सूचना दी जा रही है, ताकि उनका बकाया भुगतान भी जल्द किया जा सके। उन्होंने दावा किया कि पूरा बकाया भुगतान करने का प्रयास किया जा रहा है। डीएम ने बताया कि अब ऐसी व्यवस्था बनाई गई है कि रोजाना शाम को नाव परिचालन का हिसाब और पर्चियां मिलने के बाद उसी दिन भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। बैंकिंग समय समाप्त होने की स्थिति में अगले दिन राशि नाविकों के खाते में भेज दी जाएगी। उन्होंने नाविकों से सरकार के निर्देशों का पालन करने और धैर्य बनाए रखने की अपील की है। साथ ही कहा कि यदि डीजल या अन्य किसी प्रकार की समस्या आती है, तो प्रशासन उसका भी समाधान करेगा। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि किसी भी यात्री से नाव का किराया या अन्य किसी नाम पर राशि की वसूली नहीं की जाएगी। यदि किसी नाविक की ओर से जबरन पैसे लेने की शिकायत मिलती है, तो उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी, नाव जब्त की जाएगी और विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने कहा कि एसडीआरएफ की टीम और नियंत्रण कक्ष लगातार निगरानी कर रहे हैं। नदी के बीच में भी शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जा सकती है। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी नवल किशोर चौधरी, एसएसपी प्रमोद कुमार, एसडीएम धनंजय कुमार, सिटी डीएसपी अजय कुमार चौधरी समेत कई प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

विक्रमशिला सेतु पर 7 जून से शुरू होगा आवागमन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर । भागलपुर में विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत के बाद अब इसे 7 जून से आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। शुक्रवार को समीक्षा भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में DM नवल किशोर चौधरी ने बताया कि पुल पर मरम्मत कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इसके सफल संचालन को लेकर कई ट्रायल भी किए जा चुके हैं। 6 जून की शाम आम नागरिकों, डॉक्टरों, मीडिया प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में एक अंतिम ट्रायल किया जाएगा। इसके बाद 7 जून की सुबह करीब 11 बजे से पुल पर वाहनों का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। शुरुआती चरण में पुल के केवल एक लेन को खोला जाएगा, जिसकी चौड़ाई लगभग पांच मीटर होगी। इस लेन से अधिकतम 10 टन भार वाले छोटे और हल्के वाहनों के आवागमन की अनुमति होगी।

नावा सेवा पूरी तरह से निशुल्क : यात्रियों की सुविधा के

लिए ट्रेकर और 10 से 12 लोगों की क्षमता वाले अन्य यात्री वाहनों के संचालन की व्यवस्था की जा रही है। छोटे मालवाहक वाहनों को भी पुल से गुजरने की अनुमति मिलेगी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल, क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी), ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार बरारी और महादेवपुर घाट के बीच संचालित नाव सेवा पूरी तरह निशुल्क रहेगी।

नाविकों के चेक के माध्यम से पेमेंट : डीएम नवल किशोर चौधरी ने आगे कहा कि नाविकों को अपने परिवहन कार्य का वाउचर घाट पर तैनात मजिस्ट्रेट को जमा कर उसकी रिसीविंग अवश्य लेनी चाहिए।

ननद के श्राद्धकर्म में जा रही भाभी की मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय । बेगूसराय में तेज रफ्तार का कहर लगातार जारी है। गुरुवार देर शाम NH-31 फोरलेन पर सड़क हादसे में घायल महिला की इलाज के दौरान पटना में मौत हो गई। मृतका की पहचान मंझौल के बढ़कुरवा निवासी राजेश कुमार की पत्नी सानू कुमारी(26) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने हरियाणा नंबर के कंटेनर और उसके ड्राइवर पकड़कर ट्रैफिक पुलिस के हवाले कर दिया है। जबकि, जबकि खलासी भाग निकला। घटना नगर थाना क्षेत्र की है।

देवर और बेटे के साथ ननद के साथ जा रही थी : परिजनों के मुताबिक कुछ दिन पहले सानू की ननद की मौत हो गई थी। मंगलवार को उसका श्राद्ध कर्म था। जिसमें शामिल होने के लिए वह अपने देवर राहुल कुमार और ढाई साल के बेटे प्रियांशु के साथ बाइक से हरपुर जा रही थी। इसी दौरान हर-हर महादेव चौक के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास के लोग दौड़े। तीन को उठाकर एक निजी अस्पताल ले गए। जहां देवर और पुत्र प्रियांशु को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। जबकि सानू की गंभीर स्थिति देखते हुए दूसरे अस्पताल रेफर किया गया। वहां से भी पटना भेज दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद सानू की लाश सबसे पहले उसके मायके पोखरिया लाया गया। शव देखते ही घर में कोहराम मच गया।

भाई को लाने के लिए भेजा था : पति राजेश कुमार ने बताया कि बहन की मौत हो गई थी। उसके श्राद्धकर्म में हम चले गए थे, बच्चे की तबीयत खराब थी। पत्नी सानू घर पर ही थी। दोपहर में उसने आने की बात कही तो हमने रोक दिया था। इस पर सानू ने कहा था कि थोड़ी देर के लिए भी हम आएंगे। हमने अपने भाई को उसे लाने के लिए भेजा था।

विधायक के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में लगी आग

बेगूसराय । बेगूसराय के मटिहानी से आरजेडी विधायक नरेंद्र कुमार सिंह उर्फ बोगो सिंह के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है। 10 लाख से ज्यादा के नुकसान की आशंका है। घटना नगर थाना क्षेत्र के हर-हर महादेव चौक के पास की है। कुक्कू ट्रेडर्स के मालिक मनोज कुमार ने बताया कि कॉम्प्लेक्स में मेरी इलेक्ट्रॉनिक-फर्नीचर की दुकान है। सुबह 10:30 बजे के करीब फर्स्ट फ्लोर पर साफ-सफाई के बाद स्टाफ सेकंड फ्लोर पर गए थे। इसी दौरान में एक बेड में अचानक आग लग गई। चंद मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया। तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। दमकर की छह गाड़ियां मौके पर पहुंची। एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फर्स्ट फ्लोर का सभी सामान पूरी तरह से जल गया। क्षति कितनी की हुई है, इसका आकलन किया जा रहा है। एक-एक करके हिसाब देखेंगे, तब ही कुछ स्पष्ट हो सकेगा।

शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है : वहीं, फायर बिग्रेड के श्वेता कुमारी ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही दो बड़ा वाटर टैंकर भेजा गया। हम लोग मौके पर पहुंचे तो देखकर लगा की शार्ट सर्किट से आग लगी है।

आने वाली पीढ़ी के लिए जरूर लगाएं पेड़

बेगूसराय । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर साईं की रसोई की ओर से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए पौधा वितरण और पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधों का वितरण किया गया। लोगों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं समाजसेवियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं एवं आम नागरिकों की सहभागिता उल्लेखनीय रही। उपस्थित लोगों को बताया गया कि बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन एवं ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। मेयर बोलीं- स्वस्थ्य जीवन के लिए पौधे जरूरी : कार्यक्रम के दौरान महापौर पिंकी देवी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

पूर्व रेलवे

एकल ई-निविदा सूचना सं. एफ-डीवाई-प्रोड-ओएफएफ-10755-सीएएमसी, दिनांक 04.06.2026; उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (उत्पादन), पूर्व रेलवे वर्कशॉप, जमालपुर, जिला-मुंगेर, बिहार, पिन-811214 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए एकल पैकेट प्रणाली के आधार पर प्रतिष्ठित फर्म (ओईएम, मैसर्स प्रो आर्क-पुणे) से भारतीय रेल पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से एकल ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का नामः पूर्व रेलवे के जमालपुर वर्कशॉप के बीएलसी शॉप के सीएनसी प्रोफाइल कटिंग मशीन, प्लांट सं. 10755 की एक बार मरम्मत के साथ सम्पूर्ण ओवरहॉलिंग सहित 5 वर्षों का सीएएमसी। निविदा मूल्यः रु. 2,37,67,040। बोली सुरक्षा/बयाना राशिः रु. 4,75,400। निविदा दस्तावेज की कीमतः शून्य। समापन अवधिः एक बार मरम्मत के साथ सम्पूर्ण ओवरहॉलिंग के लिए 60 दिन तथा मशीन के सीएएमसी कार्य के भौतिक रूप से शुरू होने की तारीख से 5 वर्ष (60 महीने)। प्रस्ताव की वैधताः निविदा खुलने की तारीख से 60 दिन। निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः 26.06.2026 को 12.00 बजे। वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट्ट का स्थान जहां निविदा का परिपूर्ण इत्यादि देखे जा सकते हैं: www.er.indianrailways.gov.in के साथ हायपरलिंक्ड www.ireps.gov.in पर तथा डेपुटी सीएमई (उत्पादन), पूर्व रेलवे, लोकोमोटिव वर्कशॉप, जमालपुर के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस को देखे जा सकते हैं।

(MISC-65/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिजली मिस्त्री की मौत, स्ट्रीट लाइट लगाने के दौरान लगा करंट

बेगूसराय । बेगूसराय स्ट्रीट लाइट लगाने के दौरान करंट लगने से मिस्त्री की मौत हो गई। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने NH-31 फोरलेन एक घंटा तक जाम रखा। मृतक की पहचान वार्ड नंबर- 23 दास टोला निवासी राम पदारथ दास के एकलौते पुत्र नीतीश कुमार (20) के रूप में हुई है। घटना बीहट नगर परिषद क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक इलाके में प्राइवेट कंपनी की ओर से अलग-अलग वार्डों में पोल पर स्ट्रीट लाइट लगाने का काम चल रहा है। गुरुवार देर शाम नीतीश इब्राहिमपुर टोला वार्ड नंबर-32 स्थित दुर्गा मंदिर के समीप काम कर रहा था। इसी दौरान एल्यूमिनियम की सीढ़ी ऊपर से गुजर रहे 11 हजार वोल्टेज के तार के संपर्क में आ गया। करंट की चपेट में आकर घायल हो गया।

स्थानीय लोगों ने पहुंचाया अस्पताल : आसपास मौजूद लोगों ने उसे तत्काल इलाज के लिए एक निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी मिलते ही एफसीआइ पुलिस मौके पर पहुंची। सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद रात में ही शव परिजनों को सौंप दिया।

मुआवजे के आश्वासन पर खुला जाम : शुक्रवार की सुबह मृतक के परिजन और ग्रामीण मुआवजे की मांग को लेकर एनएच जाम कर दिया। जाम की जानकारी मिलने पर पुलिस पहुंची। पुलिस पदाधिकारियों के समक्ष हुई वार्ता के बाद कंपनी के ठेकेदार की ओर से मुआवजा के तौर 7 लाख देने पर सहमति बनी। दिसके बाद जाम खुलवाया गया।

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, औरंगाबाद
(ई0 निविदा पद्धति के अनुसार वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in पर)
ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या –03 /औरंगाबाद/2026–27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, औरंगाबाद।
2. निविदा आमंत्रित करने की तिथि :–दिनांक 25.05.2026
3. परिमाण विपत्र बिक्री (डाउनलोड) करने की तिथि एवं समय :–दिनांक 15.06.2026 से 09.07.2026 को अपराहन् 3 बजे तक
4. निविदा प्राप्ति (अपलोड) करने की तिथि एवं समय :–दिनांक 15.06.2026 से 09.07.2026 को अपराहन् 3 बजे तक
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– केवल बेवसाइट www.eproc2.bihar.gov.in पर
6 प्री बीड मीटिंग की तिथि, समय एवं स्थान :– दिनांक–10.06.2026 को 15:00 बजे अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल गया का कार्यालय।
7. निविदा खोलने की तिथि एवं समय (तकनीकी बीड/वितीय) :– दिनांक–10.07.2026 को 3:00 बजे अप0 तक (On Website www.eproc2.bihar.gov.in)
8. निविदा वैधता की तिथि 120 दिन
9. कार्य विवरणीः–

क0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	बीड प्रोसेसींग राशि +सर्विस टैक्स	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	मंडल कारा, औरंगाबाद में जेल अधीक्षक के निर्माणाधीन आवास के दो तरफ से चहारदिवारी एवं पी0सी0सी0 पथ का निर्माण कार्य	31.501	63100.00	5000/–	As Per Online Requirement	3 माह

PR. No. 005090 (BCD) 2026-27

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमण्डल,औरंगाबाद

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

रक्त की आवश्यकता पड़ने पर लाईसेंस प्राप्त ब्लड बैंकों से ही रक्त प्राप्त करें।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: ओ-एसी-टी-51 से 78-26-27 (खुली), दिनांक 03.06.2026। मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा दिनांक 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए आसनसोल मंडल के जोनल कार्यों (सामान्य, सड़क, लकड़ी एवं पाइप बिछाने तथा सैनिटरी स्थापना एवं पुल) के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित की जाती हैं : **क्रमांक एवं निविदा सं.; एईएन; जोन सं. 2025-26; कार्य का नाम; निविदा लागत; बोली सुरक्षा रकमः 1) ओ-एसी-टी-51-26-27;** एईएन/दुर्गापुर; 1; एसएसई (वर्क्स)/पानागढ़ के अधीन खाना-अंडाल अनुभाग में किमी. 120.70 से 180.00 तक, एसएल अनुभाग में किमी. 0.00 से 38.00 तक एवं सैन्य बेस, सभी सेवा एवं स्टेशन भवनों, कर्मचारी क्वार्टरों तथा कॉलोनियों साथ में छोटी सड़क, लकड़ी, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी स्थापना का जोनल कार्य; रु. 75 लाख; रु. 1,50,000। **2) ओ-एसी-टी-52-26-27;** एईएन/दुर्गापुर एवं एईएन/I/आसनसोल; 2; सीनि. डीईएन/3/आसनसोल के अधीन जोनल पुल कार्य; रु. 51 लाख; रु. 1,02,000। **3) ओ-एसी-टी-53-26-27;** एईएन/I/आसनसोल; 3; अंडाल-आसनसोल अनुभाग में किमी. 180.0 से किमी. 215.5 तक, एसएसई/वर्क्स/I/अंडाल के अधीन ओवाईआर (छोड़कर) से आसनसोल (छोड़कर) तक सभी सेवा एवं स्टेशन भवनों, अप यार्ड इत्यादि तथा अन्य सभी सम्पत्तियों के साथ छोटी सड़क, लकड़ी, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी स्थापना का जोनल कार्य; रु. 75 लाख; रु. 1,50,000। **4) ओ-एसी-टी-54-26-27;** एईएन/I/आसनसोल; 4; एसएसई/वर्क्स/I/अंडाल के अधीन डीजल शेड, बीओएक्सएन के साथ छोटी सड़क, लकड़ी, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी स्थापना इत्यादि के लिए जोनल कार्य; रु. 51 लाख; रु. 1,02,000। **5) ओ-एसी-टी-55-26-27;** एईएन/दुर्गापुर एवं एईएन/I/आसनसोल; 5; सीनि. डीईएन/3/आसनसोल के अनुभाग में एलसी गेट लॉज तथा सड़क इत्यादि की मरम्मत के लिए जोनल कार्य; रु. 51 लाख; रु. 1,02,000। **6) ओ-एसी-टी-56-26-27;** एईएन/2/आसनसोल; 6; सीतारामपुर से प्रधानखांटा तक सीतारामपुर (छोड़कर) से प्रधानखांटा (छोड़कर) तक अनुभाग के लिए सभी जोनल कार्य। इसमें एसएसई/वर्क्स/सीतारामपुर के अधीन सभी सेवा भवनों एवं कॉलोनियों इत्यादि शामिल है साथ में छोटी सड़क, लकड़ी के कार्य, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी स्थापना कार्य; रु. 75 लाख; रु. 1,50,000। **7) ओ-एसी-टी-57-26-27;** एईएन/2/आसनसोल; 7; बराचक से सालनपुर अनुभाग में किमी. 215.00 से 227.00 तक, साथ में हीरापुर यार्ड एवं सीतारामपुर स्टेशन एवं कॉलोनी के लिए सभी जोनल कार्य। इसमें एसएसई/वर्क्स/सीतारामपुर के अधीन सभी सेवा भवनों एवं कॉलोनियां इत्यादि शामिल है साथ में छोटी सड़क, लकड़ी के कार्य, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी स्थापना कार्य; रु. 70 लाख; रु. 1,40,000। **8) ओ-एसी-टी-58-26-27;** एईएन/2/आसनसोल; 8; एईएन/2/आसनसोल के अधीन जोनल पुल कार्य; रु. 30 लाख; रु. 60,000। **9) ओ-एसी-टी-59-26-27;** एईएन/2/आसनसोल; 9; सीनि. डीईएन/1/आसनसोल के अधीन जेडटीसी/भुली, धनबाद के रखरखाव के लिए जोनल कार्य; रु. 60 लाख; रु. 1,20,000। **10) ओ-एसी-टी-60-26-27;** एईएन/एचक्यू/आसनसोल; 10; एसएसई/वर्क्स/ईस्ट/आसनसोल के अधीन आसनसोल में ट्रैफिक कॉलोनी, दोमोहानी कॉलोनी, रेलपार कॉलोनियों में सभी स्टाफ क्वार्टर के साथ छोटी सड़क, लकड़ी, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी स्थापना कार्य के लिए जोनल कार्य; रु. 75 लाख; रु. 1,50,000। **11) ओ-एसी-टी-61-26-27;** एईएन/एचक्यू/आसनसोल; 11; एसएसई/वर्क्स/ईस्ट/आसनसोल के अधीन आसनसोल में ऑफिसर्स कॉलोनी में तथा अराडांगा/पुरानी स्टेशन कॉलोनी में सभी स्टाफ क्वार्टर के साथ छोटी सड़क, लकड़ी, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी स्थापना कार्य के लिए जोनल कार्य; रु. 80 लाख; रु. 1,60,000। **12) ओ-एसी-टी-62-26-27;** एईएन/एचक्यू/आसनसोल; 12; एसएसई/वर्क्स/वेस्ट/आसनसोल के अधीन लोको, बुद्धा, हॉस्पिटल एवं बर्निगटन, महुआडांगा, चांदमारी, चेलिडांगा कॉलोनियों के सभी स्टाफ क्वार्टर तथा सभी सेवा भवनों, लोको स्टेडियम, डीआरएम का कार्यालय, आरपीएफ बैरक इत्यादि के साथ छोटी सड़क, लकड़ी, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी स्थापना कार्यों के लिए जोनल कार्य; रु. 110 लाख; रु. 2,05,000। **13) ओ-एसी-टी-63-26-27;** एईएन (एचक्यू)/आसनसोल; 13; एईएन (एचक्यू)/आसनसोल के अधीन एसएसई/वर्क्स/ईस्ट/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र के भीतर सभी सेवा भवनों, स्टेशन भवन अर्थात् प्लेटफॉर्मों, सर्कुलेटिंग एरिया, आरआरआई, आरपीएफ भवनों, आरपीएफ पोस्ट, मोहानी बटालियन आसनसोल, ट्रैफिक एवं दोमोहानी के हेल्थ यूनिट इत्यादि सहित बराकर, सीतारामपुर पम्प हाउस इत्यादि के साथ छोटी सड़क, लकड़ी, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी स्थापना कार्य के लिए जोनल कार्य; रु. 80 लाख; रु. 1,60,000। **14) ओ-एसी-टी-64-26-27;** एईएन/एचक्यू/आसनसोल; 14; एसएसई/वर्क्स/वेस्ट/आसनसोल के अधिकार क्षेत्र के भीतर सेवा भवनों अस्पताल, इलेक्ट्रिक लोको शेड एवं एमईएमयू शेड के साथ छोटी सड़क, लकड़ी, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी स्थापना कार्यों के लिए जोनल कार्य; रु. 51 लाख; रु. 1,02,000। **15) ओ-एसी-टी-65-26-27;** एईएन/एचक्यू/आसनसोल; 26; सीनि. डीईएन/1/आसनसोल के अधीन एलसी गेट लॉज एवं सड़क इत्यादि की मरम्मत के लिए जोनल कार्य; रु. 30 लाख; रु. 60,000। **16) ओ-एसी-टी-66-26-27;** एईएन/2/अंडाल; 15; एसएसई/वर्क्स/पांडवेश्वर के अधीन खाना (छोड़कर) से अंडाल (छोड़कर) तक मरम्मत तथा रखरखाव कार्य के साथ सभी स्टाफ क्वार्टरों तथा सेवा भवन के लिए सड़क, लकड़ी, पाइप/सैनिटरी कार्यों के लिए जोनल कार्य; रु. 51 लाख; रु. 1,02,000। **17) ओ-एसी-टी-67-26-27;** एईएन/2/अंडाल; 16; एसएसई/वर्क्स/पांडवेश्वर के अधीन अंडाल-सीतारामपुर लूप लाइन खाना तरफ से अंडाल (छोड़कर) से सीतारामपुर (छोड़कर) तक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य के साथ सभी स्टाफ क्वार्टरों तथा सेवा भवन के लिए सड़क, लकड़ी, पाइप/सैनिटरी कार्यों के लिए जोनल कार्य; रु. 40 लाख; रु. 80,000। **18) ओ-एसी-टी-68-26-27;** एईएन/2/अंडाल; 17; एसएसई (वर्क्स)/पांडवेश्वर के अधीन पुलों की मरम्मत तथा रखरखाव के लिए जोनल कार्य; रु. 30 लाख; रु. 60,000। **19) ओ-एसी-टी-69-26-27;** एईएन/1/अंडाल; 18; एसएसई (वर्क्स)/II/अंडाल के अधीन सड़क कॉलोनी, वर्कशॉप कॉलोनी एवं दामोदर कॉलोनी में स्टाफ क्वार्टर के साथ सेवा भवनों में मरम्मत तथा रखरखाव के साथ सड़क, लकड़ी एवं पाइप/सैनिटरी कार्यों के लिए जोनल कार्य; रु. 90 लाख; रु. 1,80,000। **20) ओ-एसी-टी-70-26-27;** एईएन/1/अंडाल; 19; एसएसई (वर्क्स)/II/अंडाल के अधीन ट्रैफिक कॉलोनी, 9 नं. कॉलोनी, 12 नं. कॉलोनी एवं 11 नं. कॉलोनी में स्टाफ क्वार्टरों के साथ सेवा भवनों में मरम्मत तथा रखरखाव के साथ सड़क, लकड़ी एवं पाइप/सैनिटरी कार्य के लिए जोनल कार्य; रु. 90 लाख; रु. 1,80,000। **21) ओ-एसी-टी-71-26-27;** एईएन/1/अंडाल; 20; एसएसई (वर्क्स)/II/अंडाल के अधीन सड़क, लकड़ी एवं पाइप/सैनिटरी कार्य के साथ स्कूलों एवं पम्प हाउसों के साथ डीईएसआई कॉलोनी के सभी सेवा भवनों में मरम्मत तथा रखरखाव के लिए जोनल कार्य; रु. 60 लाख; रु. 1,20,000। **22) ओ-एसी-टी-72-26-27;** एईएन/2/अंडाल; 27; सीनि. डीईएन/4/आसनसोल के अधीन एलसी गेट लॉज तथा सड़क की मरम्मत के लिए जोनल कार्य; रु. 51 लाख; रु. 1,02,000। **23) ओ-एसी-टी-73-26-27;** एईएन/मधुपुर; 21; एसएसई/वर्क्स/मधुपुर के अधीन सीतारामपुर-झाझा अनुभाग रूपनारायणपुर (सहित) किमी. 227.200 से जसीडीह (छोड़कर) तक सभी जोनल कार्य जिसमें सभी सेवा भवनों तथा कॉलोनियाँ इत्यादि तथा साथ में छोटी सड़क, लकड़ी का कार्य, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी कार्य शामिल है; रु. 75 लाख; रु. 1,50,000। **24) ओ-एसी-टी-74-26-27;** एईएन/मधुपुर; 22; एसएसई/वर्क्स/मधुपुर के अधीन मधुपुर (सहित) से गिरिडीह (सहित) तक सभी जोनल कार्य जिसमें सभी सेवा भवनों तथा कॉलोनियाँ इत्यादि तथा साथ में छोटी सड़क, लकड़ी का कार्य, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी कार्य शामिल है; रु. 51 लाख; रु. 1,02,000। **25) ओ-एसी-टी-75-26-27;** एईएन/मधुपुर एवं एईएन/जसीडीह; 23; सीनि. डीईएन/2/आसनसोल के अधीन पुल की मरम्मत के लिए जोनल कार्य; रु. 60 लाख; रु. 1,20,000। **26) ओ-एसी-टी-76-26-27;** एईएन/जसीडीह; 24; एसएसई/वर्क्स/जसीडीह के अधीन सीतारामपुर-झाझा अनुभाग में जसीडीह (सहित) से झाझा (छोड़कर) तक तथा जसीडीह से बैद्यनाथधाम (सहित) तक सभी जोनल कार्य जिसमें सभी सेवा भवनों तथा कॉलोनियाँ इत्यादि तथा साथ में छोटी सड़क, लकड़ी का कार्य, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी कार्य शामिल है; रु. 55 लाख; रु. 1,10,000। **27) ओ-एसी-टी-77-26-27;** एईएन/मधुपुर एवं एईएन/जसीडीह; 25; सीनि. डीईएन/2/आसनसोल अनुभाग में एलसी गेट लॉज एवं सड़क इत्यादि की मरम्मत के लिए जोनल कार्य; रु. 51 लाख; रु. 1,02,000। **28) ओ-एसी-टी-78-26-27;** एईएन/जसीडीह; 28; एसएसई/वर्क्स/जसीडीह के अधीन जसीडीह (सहित) से दुमका (सहित), देवघर (सहित) से बांका (सहित) तक तथा मोहनपुर (सहित) से हंसडीहा (सहित) तक सभी जोनल कार्य जिसमें सभी सेवा भवनों तथा कॉलोनियाँ इत्यादि तथा साथ में छोटी सड़क, लकड़ी का कार्य, पाइप बिछाना तथा सैनिटरी कार्य शामिल है; रु. 30 लाख; रु. 60,000। **बंद होने तारीख एवं समय :** 29.06.2026 को 12.00 बजे। परिपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। (ASN-129/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं.: 01_2026-27_सर्विस, दिनांक 04.06.2026; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं अपेक्षित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **सीनि. डीईएन/सी/हावड़ा। कार्य का विवरणः** हावड़ा मंडल - हावड़ा मंडल के अधिकार क्षेत्र के अधीन 5 वर्षों के लिए ट्रैक आधारित रेल लुब्रिकेटर (1 किमी श्रेणी का इलेक्ट्रॉनिक टाइप) की आपूर्ति, स्थापना, चालू करना तथा संचालन के साथ प्रति लुब्रिकेटर प्रति माह न्यूनतम 20 किग्रा के साथ साइट की आवश्यकता के अनुसार रेल लुब्रिकेटर के लिए लुब्रिकेंट की आपूर्ति। सम्पूर्ण प्रणाली आरडीएसओ तकनीकी विनिर्देश आईआरएस टी48 (वर्सन 5 ऑफ नवीनतम) के अनुसार होनी चाहिए (कुल-49 अदद)। **अनुमानित लागतः** रु. 7,51,46,370.60। **बयाना राशिः** रु. 5,25,700। **निविदा प्रपत्र की कीमतः** रु. 10,000/-। **समापन अवधिः** 66 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 29.06.2026 को 14.00 बजे तक। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, चूंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। निविदाओं का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। (HWH-130/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: एसएएनडीटी/कॉन/एचडब्ल्यूएच/टीएन/17/2026, दिनांक 03.06.2026; उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण), पूर्व रेलवे, हावड़ा, 371, तेलकल घाट रोड, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए समुचित वित्तीय क्षमता तथा पर्याप्त अनुभव के साथ ठेकेदारी का वैध लाइसेंस रखने वाले अनुभवी संकेत एवं दूरसंचार ठेकेदारों, साझेदारी प्रतिष्ठानों इत्यादि से ई-निविदा प्रक्रिया के जरिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैः **निविदा सं.: एसएएनडीटी-कॉन-17-2026-एचडब्ल्यूएच। कार्य का नामः** सोन नगर से अंडाल मल्टीट्रैकिंग कार्य के संबंध में पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के लिए प्रधानखांटा एवं मुगमा (25 किमी लगभग) अनुभाग के बीच न्यू मुगमा (ईआई) एवं मुगमा यार्ड (पीआई से ईआई) में कंटीन्युअस ट्रैक सर्किटिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य के लिए एमएसडीएसी के प्रयोग द्वारा ऑटो सिग्नलिंग कार्य चालू करना। **अनुमानित निविदा मूल्यः** रु. 82,57,77,608। **बयाना राशि जमाः** रु. 1,65,15,600 एफए एंड सीएओ/कॉन/पूर्व रेलवे, कोलकाता के पक्ष में जमा की जानी चाहिए। **निविदा दस्तावेज की कीमतः** रु. 0.00। **प्रस्ताव तथा बयाना राशि की वैधता** निविदा खुलने की तारीख से 90 दिन होनी चाहिए। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 26.06.2026 को 11.00 बजे। **कार्य समापन अवधिः** एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 12 (बारह) महीने। इस निविदा के परिप्रेक्ष्य में ऊपर उल्लेखित निविदा दस्तावेज की कीमत तथा बयाना राशि का ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है तथा ऊपर उल्लेखित निविदा बंद होने की तारीख तथा समय पर अथवा उससे पहले बोली जमा की जा सकती है। इस निविदा के लिए सभी पहलुओं परिपूर्ण तथा ऊपर उल्लेखित सभी दस्तावेज के साथ निविदाएं www.ireps.gov.in पर अपलोड की जानी चाहिए। निविदा के लिए बोलियां ऊपरोक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के जरिए जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है। अगर कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होता है तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। निविदा दस्तावेज, निविदा सूचना का विवरण, समय-समय पर जारी संशोधनी (यदि कोई हो) तथा अन्य मूल जानकारियां www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। विस्तृत निविदा सूचना उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार अभियंता (निर्माण), पूर्व रेलवे, 371, तेलकल घाट रोड, हावड़ा-711101 की सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

(CON-11/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

15 जून तक नयी यातायात व्यवस्था लागू, सिर्फ 8 घंटे चलेंगे बालू ट्रक

आरा । 15 जून तक जिला में नई यातायात व्यवस्था लागू रहेगी। डीएम और एसपी ने इसके लिए संयुक्त निर्देश जारी किया है। नये निर्देश के अनुसार सहार प्रखंड में खैरा चेकपोस्ट से तेतरिया मोड़ की तरफ प्रातः 5 बजे से रात 9 बजे तक बालू ट्रक का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। सहार के थानाध्यक्ष सहार और खनिज विकास पदाधिकारी इसका अनुपालन करायेंगे। जिला खनिज विकास पदाधिकारी खनन विभाग/ परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों की टीम बनाकर 15 जून तक नियमित खैरा चेकपोस्ट/ कायमनगर में वाहनों की सघन जांच अभियान करेंगे। खैरा चेकपोस्ट से कुछ बालू ट्रक तेतरिया मोड़ के पास आने पर उदवंतनगर के थानाध्यक्ष की जिम्मेवारी प्रतिदिन प्रातः 7 बजे उपस्थित रहकर बालू वाहनों को जीरो माईल एवं आरा शहर की तरफ न जाने देंगे। वाहनों को ऐसे जगह पर लगाया जाए, जहां सामान्य यातायात में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं हो। पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) एवं थानाध्यक्ष (यातायात) को भ्रमणशील रहकर जीरो माईल, तेतरिया मोड़, बिहारी मिल, कायमनगर आदि स्थलों पर यातायात की समस्या नहीं होने देना है। पीरो क्षेत्र में बचरी पुल, ओझवलिया मोड़, गटरिया पुल से जीरो माईल की तरफ बालू ट्रक वाहनों का परिचालन प्रातः 5 बजे से रात 9 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। पीरो के थानाध्यक्ष, जिला खनिज विकास पदाधिकारी, पीरो के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी, उक्त निदेश का अनुपालन करायेंगे। कायमनगर तरफ से आरा शहर/बामपाली की तरफ आने वाले बालू ट्रकों को रेगुलेट करके छोड़ा जाएगा, जिससे यातायात की समस्या नहीं हो सके। यातायात विभाग के पुलिस उपाधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2, जिला परिवहन पदाधिकारी एवं आरा की अनुमंडल पदाधिकारी इस निर्देश का अनुपालन करायेंगे। प्राइवेट बस स्टैंड के सामने रोड पर लगाये हुये बसों की नियमित रूप से जांच कराकर जुर्माना वसूलने की कार्रवाई करने का निदेश जिला परिवहन पदाधिकारी को दिया गया। तेतरिया मोड़ के पास एक धर्मकांटा की जांच कर इसका प्रतिवेदन माप-तौल पदाधिकारी और थानाध्यक्ष उदवंतनगर को दिया गया है।

वीकेएसयू में नए संकायाध्यक्षों के मनोनयन पर बधाई

आरा| वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा में वाणिज्य संकायाध्यक्ष पद पर प्रो. डॉ. सुनील कुमार सिंह का मनोनयन व सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष पद पर प्रो. डॉ. ललित सागर के मनोनयध पर विश्वविद्यालय के पूर्व सीनेटर अजय कुमार तिवारी मुनमुन ने कुलपति प्रो. डॉ. शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दोनों अनुभवी शिक्षकों को अहम जिम्मेदारी देना विश्वविद्यालय हित में सकारात्मक कदम है।

सूफिये बिहार की फारसी रचनाओं पर हुई संगोष्ठी

आरा| वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के उर्दू एवं फ़ारसी विभाग में एक संगोष्ठी हुआ। जिसका विषय "सूफिये बिहार के फ़ारसी रचनाओं की तकनीकी और भाषायी समीक्षा" था। संगोष्ठी में शोधार्थी सैय्यद वसीम उल्लाह बुखारी ने अपने शोध कार्य के विभिन्न आयामों को प्रस्तुत करते हुए बिहार के सूफी संतों की फ़ारसी रचनाओं के साहित्यिक, भाषायी एवं तकनीकी पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। शोध कार्य का निर्देशन वरिष्ठ शिक्षाविद एवं शोध पर्यवेक्षक प्रो. सैय्यद शाह हसीन अहमद ने किया। कार्यक्रम में बाह्य विशेषज्ञ पटना विश्वविद्यालय के फ़ारसी विभागाध्यक्ष प्रो. सादिक हुसैन थे। उन्होंने शोधार्थी से विषय से संबंधित प्रश्न पूछे तथा शोध कार्य की गुणवत्ता की सराहना की।

जीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण की सुरक्षा बहुत जरूरीः रामेश्वर प्रसाद वर्मा

बक्सर । वरीय अधिवक्ता सह साहित्यकार रामेश्वर प्रसाद वर्मा ने कहा कि संपूर्ण विश्व में इस तथ्य को खुले रूप से स्वीकार कर लिया गया है कि पर्यावरण की समस्या दुनिया की सबसे बड़ी समस्या बन गई है। प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के गठन के बाद, 1972 में यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाने की घोषणा वैश्विक स्तर पर की थी। तभी से इस निर्धारित तिथि पर पौधरोपण व जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। लेकिन पर्यावरण को बचाने के लिए यह प्रयास नाकाफी है। पर्यावरण के हितार्थ प्रतिबद्धता अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि पतित पावनी गंगा भारत में संस्कृति ही नहीं, पर्यावरण की भी जीवन रेखा है। विश्व पर्यावरण दिवस के संदर्भ में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि एक तरफ हम गंगा को मां कहते हुए अघाते नहीं हैं। वहीं, इसका आंचल मैला करने में नहीं शर्माते। गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए समुचित प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पूरे विश्व समुदाय को एकजुटता के साथ समर्पित होकर प्रयास करना होगा। जब तक पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक मानव जीवन सुरक्षित नहीं रह सकता। पर्यावरण को संतुलित रखने का आसान उपाय है पौधा लगाना। लेकिन लगाए गए पेड़ों को काटने की प्रवृत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर घर में तुलसी का पौधा लगाना चाहिए। क्योंकि तुलसी का पौधा विश्व को पर्यावरण संकट से मुक्ति दिला सकता है। आबादी के बीच छोटे-छोटे जंगल उगाने होंगे। जहां थोड़ी सी भी जगह मिले, वहां छायादार वृक्ष और कृषि वानिकी से संबंधित फलदार वृक्ष लगाकर जंगल की पहल को आगे बढ़ाया जा सकता है। इन जंगलों में पीपल, नीम, बरगद, बेल, जामुन, बेर, गूलर, शरीफा, मली, तुलसी, अमरूद, शीशम, कदम्ब, पाकड़, आम आदि के वृक्ष लगाने होंगे। ये ऑक्सीजन देने वाले, पर्यावरण हितैषी पेड़ हैं। साहित्यकार वर्मा ने कहा कि पीपल और तुलसी के पौधे 24 घंटे ऑक्सीजन छोड़ते हैं।

कुएं में डूबने से महिला की मौत

आरा । भोजपुर में लापता महिला का शव दूसरे दिन मिला है। गांव स्थित सरकारी स्कूल के पास स्थित कुएं से शव बरामद हुआ है। मृतका मां देवी पीरो के जैसीडीह गांव की रहने वाली थी। घटना उदवंतनगर थाना क्षेत्र के देवरिया गांव की है। मृतका के भैंसुर बिजेंद्र कुमार राय ने बताया कि घर से अकेले निकली थी, इसके बाद वापस नहीं लौटी। खोजबीन के दौरान उसका शव कुएं में मिला। पता नहीं वह इसमें कैसे डूब गई। शव मिलने के बाद पुलिस को सूचना दी गई।

बेटी का रो-रोकर बुरा हाल : सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। घर में दो पुत्री ज्योति कुमारी और राखी कुमारी है। घटना के बाद मृतका के घर में कोहराम मच गया है। परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चंद्रपुरा पांडेयपुर में श्रीमद्भागवत कथा आयोजित

ब्रह्मपुर | चंद्रपुरा पांडेयपुर में भव्य श्रीमद्भागवत कथा और ज्ञान सप्ताह यज्ञ का आयोजन हो रहा है। श्रद्धालुओं को सात दिनों तक श्रीमद्भागवत महापुराण की अमृतमयी कथा सुनने का अवसर मिलेगा। कथा वाचन के लिए अयोध्या धाम से आए संत महामंडलेश्वर शिवराम दास के मुखारविंद से श्रीमद्भागवत कथा अमृत की वर्षा होगी। कथा में भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का वर्णन होगा। भक्ति का संदेश दिया जाएगा। धर्म की बात कही जाएगी। मानव जीवन के कल्याणकारी संदेशों का विस्तार से वर्णन होगा। आयोजन समिति के धनजी पाण्डेय ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमी लोगों से कथा और यज्ञ में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने संतश्री फलाहारी बाबा के प्रवचन सुनने का भी आग्रह किया है। यज्ञ और कथा स्थल पर भक्तों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं।

ट्रैक्टर ने ऑटो में मारी टक्कर

आरा । आरा-अरवल मार्ग पर पवना पेट्रोल पंप के पास गुरुवार को ट्रैक्टर ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार पिता-पुत्र समेत पांच लोग जख्मी हो गए। तीन लोगों के इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया है। जबकि दो अन्य लोगों का इलाज प्राइवेट हॉस्पिटल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार घायलों में छोटका पहरपुर गांव निवासी बबन पासवान(55), उनका पुत्र विजय पासवान(33), उसी गांव के निवासी सत्येंद्र पांडेय का के पुत्र मदन पांडेय(30) और दो अन्य लोग शामिल है। घटना पवना थाना क्षेत्र की है।

इटाढ़ी आरओबी में दरार को लेकर क्वालिटी पर सवाल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । बक्सर में इटाढ़ी गुमटी (एलसी संख्या-70बी) के पास नवनिर्मित रेल ओवरब्रिज (आरओबी) के एक हिस्से में दरार आने और स्लैब क्षतिग्रस्त होने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। विभिन्न दलों के नेताओं ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, निगरानी और जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। बक्सर के सांसद सुधाकर सिंह ने कहा कि लगभग 26.40 करोड़ रुपये की लागत से बना यह आरओबी उद्घाटन से पहले ही क्षतिग्रस्त हो गया, जो एक गंभीर विषय है। उन्होंने इसे केंद्र और बिहार सरकार की विफलता बताया। सांसद ने कहा कि पुल को करीब दस दिन पहले ही आम जनता के लिए खोला गया था, लेकिन इतनी जल्दी तकनीकी खामी सामने आना निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता नियंत्रण और निगरानी का अभाव रहा है।

पूर्वी रेलवे फाटक को तुरंत दोबारा खोलने की मांग की : सांसद सुधाकर सिंह ने

रेल मंत्री को पत्र लिखकर मामले की उच्चस्तरीय और समयबद्ध जांच कराने की मांग की है। उन्होंने निर्माण एजेंसी, ठेकेदार, अभियंताओं और गुणवत्ता निरीक्षकों की जवाबदेही तय करने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की भी मांग की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 31 मई से बंद बक्सर स्टेशन के पूर्वी रेलवे फाटक को तत्काल पुनः खोलने की मांग की, ताकि लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी से राहत मिल सके।

सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर निशाना : जनसुराज पार्टी के जिला अध्यक्ष बजरंगी मिश्रा ने भी इस घटना को लेकर सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पुल का क्षतिग्रस्त होना केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि व्यवस्था की खामियों का परिणाम है। मिश्रा ने सवाल उठाया कि क्या निर्माण करने वाले ठेकेदार, गुणवत्ता प्रमाणित करने वाले इंजीनियर और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने पुल की निर्धारित भार क्षमता, ओवरलोड वाहनों की आवाजाही और अवैध बालू खनन से जुड़े मामलों की भी निष्पक्ष जांच की मांग की।

ROB में आई दरार को लेकर सरकार पर हमला बोला : इधर, बक्सर सदर के पूर्व विधायक मुन्ना तिवारी ने भी आरओबी में आई दरार को लेकर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह केवल पुल में दरार नहीं, बल्कि व्यवस्था में व्याप्त खामियों का प्रतीक है। तिवारी ने आरोप लगाया कि निर्माण के दौरान गुणवत्ता को लेकर पहले भी सवाल उठाए गए थे, लेकिन उन पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्हें नजरअंदाज कर जल्दबाजी में कार्य पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि बिना समुचित जांच और सुरक्षा मानकों की पुष्टि के पुल को जनता के लिए खोल दिया गया था।

चरपोखरी पिकेट पर संतोष सिंह की विदाई, रविशंकर का स्वागत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गड़हनी । नगर पंचायत गड़हनी के चरपोखरी पुलिस पिकेट पर थाना के निवर्तमान थानाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह का विदाई सह सम्मान समारोह हुआ। नए थानाध्यक्ष रविशंकर कुमार का स्वागत किया गया। समारोह की अध्यक्षता पूर्व प्रखंड प्रमुख निर्मल यादव ने की। संचालन व्यवसायी संघ के प्रखंड अध्यक्ष सह राजद नेता श्रीनिवास यादव ने किया। अतिथियों ने कहा कि संतोष कुमार सिंह का कार्यकाल सराहनीय रहा। वे सबके साथ मिलकर मामलों का निपटारा करते थे। अतिथियों ने कहा कि नए थानाध्यक्ष से भी यही उम्मीद है। वे क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखेंगे। संतोष कुमार सिंह विदाई के समय भावुक हुए। उन्होंने कहा कि जनता और जनप्रतिनिधियों ने सहयोग और प्यार दिया। इसी से कठिन मामलों का निपटारा आसान हुआ। उन्होंने कहा कि यहां कभी नहीं लगा कि मैं थानाध्यक्ष हूं। सबने इज्जत और सम्मान दिया। उन्होंने सभी को धन्यवाद दिया। आभार जताया। नए थानाध्यक्ष रविशंकर कुमार ने कहा कि पुलिस और पब्लिक में आपसी समंजस जरूरी है। तभी निष्पक्ष पुलिसिंग होती है। मौके पर चरपोखरी अंचलाधिकारी चंदन चौधरी, बीडीओ मोनिका कुमारी, गड़हनी थानाध्यक्ष कमलजीत, आपूर्ति पदाधिकारी अंशु दीपक, मुख्य पार्षद प्रतिनिधि तस्लीम आरिफ उर्फ गुड्डू, प्रमोद गुप्ता, आदि थे।

करंट से दो बच्चों की मौत के बाद हंगामा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । जिले के थर्मल पावर प्लांट स्थित कोल डिपो के समीप दो दिन पहले करंट से दो किशोरों की दर्दनाक मौत के बाद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। गुरुवार को महादलित बस्ती के लोगों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और कोयला लोडिंग-अनलोडिंग का कार्य ठप करा दिया। प्रदर्शनकारियों ने प्लांट में कोयला ले जाने वाले मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जिससे क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। सामाजिक कार्यकर्ता एवं बक्सर वारियर के रंजन राय के नेतृत्व में ग्रामीणों ने पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़क पर डटे रहे और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही सीआईएसएफ के जवानों के साथ प्लांट प्रबंधन तथा प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने और स्थिति सामान्य करने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे। लोगों का कहना था कि जब तक पीड़ित परिवारों को उचित न्याय और सहायता नहीं मिलेगी, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। बताया जाता है कि मंगलवार को महादलित बस्ती के दो बच्चे खेलते-खेलते कोल डिपो के पास पहुंच गए थे। इसी दौरान किसी के डांटने पर दोनों बच्चे पास की एक पुलिया में जाकर छिप गए।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ-पीएसपी सदस्यों का प्रशिक्षण, जिम्मेदारियों पर हुई चर्चा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा । जिले के कोईलवर प्रखंड के गिद्धा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में गुरुवार को सीएचओ-पीएसपी सदस्यों के लिए रिफ्रेशर प्रशिक्षण हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य सदस्यों को फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, उनकी भूमिका एवं जिम्मेदारियों के प्रति पुनः जागरूक करना था, ताकि वे अपने कार्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें। कार्यक्रम में सिफार की जिला प्रतिनिधि जुलेखा फातमा के मार्गदर्शन में जीविका की कम्युनिटी न्यूट्रीशन रिसोर्स पर्सन (सीएनआरपी) सह सीएचओ-पीएसपी सदस्य पूजा कुमारी, एएनएम सरीना एवं पूनम, आशा फैसिलिटेटर, आशा कार्यकर्ता तथा फाइलेरिया मरीजों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान पूजा कुमारी ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन केवल

स्वास्थ्य विभाग का नहीं, बल्कि पूरे समाज का अभियान है। पंचायत स्तर पर लोगों को बीमारी के प्रति जागरूक करने का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों को और अधिक सक्रिय होकर काम करना होगा, तभी फाइलेरिया मुक्त भोजपुर का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा।

स्वच्छता अपनाकर बीमारी से बचाव संभव : एएनएम सरीना और पूनम ने कहा कि घर और आसपास की साफ-सफाई फाइलेरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने बताया कि संक्रमित क्यूलेक्स मच्छरों के काटने से फाइलेरिया फैलता है। इसलिए लोगों को स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए और मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने चाहिए। एमडीए अभियान को सफल बनाना सबकी जिम्मेदारी सिफार की जिला प्रतिनिधि जुलेखा फातमा ने कहा कि सरकार हर वर्ष मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान चलाकर लोगों को फाइलेरिया से बचाव की दवा उपलब्ध कराती है। जितने अधिक लोग दवा का सेवन करेंगे, फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य उतनी ही तेजी से प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि रिफ्रेशर प्रशिक्षण का उद्देश्य सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियों और उनके कार्यों के महत्व से पुनः जोड़ना है, ताकि वे समुदाय में प्रभावी जागरूकता फैला सकें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को सफल बनाने तथा लोगों को दवा सेवन और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। चापाकल प्रशिक्षण में शामिल महिलाएं।

गिट्टी रहित बनेगा रेलवे ट्रैक, कोच में मिनटों में पानी भरने की होगी व्यवस्था

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । स्थानीय रेलवे स्टेशन आने वाले समय में यात्रियों को पहले से कहीं अधिक आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेलवे द्वारा स्टेशन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ नई तकनीकों को जोड़ने की तैयारी की गई है। इसके तहत स्टेशन परिसर में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए जाएंगे, जिनमें गिट्टी रहित रेलवे ट्रैक का निर्माण, प्लेटफार्म विस्तार, डिजिटल सूचना प्रणाली और पानी आपूर्ति की अत्याधुनिक व्यवस्था शामिल है। इन कार्यों के बाद यात्रियों को यात्रा के दौरान अधिक सुविधा और सुरक्षा मिलने की उम्मीद है। रेलवे की योजना के अनुसार बक्सर स्टेशन के कुछ प्रमुख ट्रैकों को पारंपरिक गिट्टी वाले ढांचे से हटाकर आधुनिक गिट्टी रहित ट्रैक में बदला जाएगा। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि इस व्यवस्था से ट्रैक की मजबूती बढ़ेगी और ट्रेनों का परिचालन पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित और सुचारू हो सकेगा। गिट्टी रहित ट्रैक

में रखरखाव की जरूरत कम पड़ती है और बारिश के मौसम में जलजमाव जैसी समस्याओं से भी राहत मिलती है। डिजिटल सिस्टम से यात्रियों को मिलेगी तत्काल जानकारी स्टेशन पर यात्रियों को ट्रेनों की जानकारी देने की व्यवस्था भी अब अधिक आधुनिक बनाई जाएगी। इसके तहत ट्रेन इंडिकेटर बोर्ड, कोच पोजिशन डिस्प्ले सिस्टम और जीपीएस आधारित घड़ियां लगाई जाएंगी। इससे यात्रियों को ट्रेन आने और जाने के समय के साथ-साथ उनके कोच की स्थिति की जानकारी आसानी से मिल सकेगी। अक्सर यात्रियों को कोच ढूंढने के लिए इधर-उधर भागना पड़ता है, लेकिन नई व्यवस्था से इस परेशानी में कमी आएगी। लंबी ट्रेनों के लिए बढ़ेगा प्लेटफार्म रेलवे द्वारा स्टेशन के प्लेटफार्म की ऊंचाई और लंबाई में भी विस्तार करने की योजना है। कई बार लंबी ट्रेनों के कुछ डिब्बे प्लेटफार्म से बाहर रह जाते हैं, जिससे यात्रियों को चढ़ने और उतरने में परेशानी होती है। विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्लेटफार्म के विस्तार के बाद यह समस्या काफी हद तक दूर हो सकेगी। यात्रियों की बढ़ती संख्या और भविष्य की योजनाओं को लेकर बढ़ाई जा रही सुविधाएं वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ के अनुसार यात्रियों की बढ़ती संख्या और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्टेशन पर चरणबद्ध तरीके से इन सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है। इन कार्यों के पूरा होने के बाद बक्सर स्टेशन क्षेत्र के आधुनिक रेलवे स्टेशनों की श्रेणी में अपनी अलग पहचान बना सकता है।

प्रदूषण से बचाएगा 35 हजार पौधों का सुरक्षा चक्र

बक्सर । चौसा थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाले प्रदूषण, धूलकणों, और हानिकारक गैसों से बक्सर को बचाने के लिए वन विभाग एक बड़ी और आधुनिक पहल करने जा रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून के मौके पर भोजपुर वन प्रमंडल, आरा की ओर से पावर प्लांट परिसर में एक व्यापक महा-वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। इसके तहत कुल 1600 हेक्टेयर क्षेत्र में 35,600 पौधे लगाए जाएंगे। ये भविष्य में एक विशाल 'ग्रीन बैरियर' (हरित दीवार) के रूप में काम करेंगे। खास बात यह है कि इस प्रदूषण को रोकने के लिए वन विभाग देश की सबसे आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। इससे चौसा और उसके आसपास के रिहायशी इलाकों की हवा पूरी तरह शुद्ध बनी रहेगी। पहली लेयर (सघन झाड़ियां): सबसे आगे बोगनवेलिया, कनेर और लैंटाना जैसी बेहद घनी झाड़ियां लगाई जाएंगी। इनका मुख्य काम प्लांट से उड़ने वाली भारी धूल और राख को शुरुआती मोड़ पर ही आगे बढ़ने से रोकना होगा। ▪ दूसरी लेयर (मध्यम ऊंचाई के पेड़): इन झाड़ियों के ठीक पीछे मध्यम ऊंचाई वाले पेड़ लगाए जाएंगे। यह लेयर हवा में तैरने वाले बारीक धूलकणों (PM 2.5 और PM 10) और हानिकारक गैसों को फिल्टर करने का काम करेगी। ▪ तीसरी लेयर (ऊंचे और मजबूत वृक्ष): सबसे आखिरी और अंदरूनी हिस्से में साल, सागवान, अर्जुन, जामुन, बरगद, पीपल, नीम, शीशम, करंज और सिरिस जैसे विशाल व ऊंचे पेड़ रोपे जाएंगे। यह लेयर एक मजबूत और दीर्घकालिक ग्रीन बैरियर बनेगी, जो चक्रवाती हवाओं की रफ्तार को कम करेगी और पर्यावरण को भरपूर ऑक्सीजन देगी। समझिए क्या है आधुनिक थ्री-लेयर तकनीक और यह कैसे करेगी काम वन विभाग के रेंजर सुरेश कुमार ने बताया कि थर्मल पावर प्लांट के हानिकारक तत्वों को आबादी वाले क्षेत्रों में फैलने से रोकने के लिए 'थ्री-लेयर ग्रीन बेल्ट' (तीन परतों वाला सुरक्षा घेरा) तैयार हो रहा है।

नाला उड़ाही कार्य का एसडीओ ने किया निरीक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । आगामी मानसून को देखते हुए शहर को जलजमाव की समस्या से निजात दिलाने और साफ-सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए प्रशासन सजग है। इसी कड़ी में गुरुवार को सदर एसडीओ अविनाश कुमार ने नगर परिषद द्वारा शहर में कराए जा रहे नाला उड़ाही कार्य का निरीक्षण किया गया। एसडीओ ने सिविल लाइंस स्थित महात्मा गांधी बड़ा बाजार और पुराना सदर अस्पताल रोड का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई जगहों पर नाला उड़ाही का कार्य संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उन्होंने ईओ से बरसात के मौसम को देखते हुए समय से नाला उड़ाही का कार्य पूर्ण करा लेने की बात कही। सदर एसडीओ अविनाश कुमार ने बताया कि बरसात के मौसम को देखते हुए शहर की स्वच्छता और साफ-सफाई को लेकर प्रभारी सचिव, प्रभारी मंत्री और डीएम लगातार अनुश्रवण कर रहे हैं। डीएम के निर्देश के आलोक में ही आज शहर के प्रमुख नालों की स्थिति जांची गई। जहाँ भी नाला उड़ाही का कार्य धीमा या असंतोषजनक दिखा है, वहां नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को सावधानी पूर्वक, बेहतर तरीके से और अति शीघ्र कार्य पूर्ण

कराने की बात कही गई । जर्जर दुकानों में फल विक्रेताओं को शिफ्ट कराने का दिया परामर्श निरीक्षण के क्रम में सदर एसडीओ ने पुराना सदर अस्पताल रोड के पास लगभग एक दर्जन ऐसी दुकानों को चिन्हित किया जो लंबे समय से जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पड़ी हुई हैं। इन दुकानों के खाली और अनुपयोगी रहने पर उन्होंने सवाल उठाया। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीओ ने नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी कुमार ऋत्विक को एक बेहतरीन परामर्श दिया। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह पार्क के पास सड़क किनारे जो दुकानदार फल की दुकानें लगाते हैं, उन्हें इन खाली पड़ी दुकानों को आवंटित कर दिया जाए। इससे जहां एक तरफ दुकानदारों को सुरक्षित जगह मिल जाएगी, वहीं दूसरी तरफ पार्क के आसपास लगने वाले जाम और अतिक्रमण से भी शहर को मुक्ति मिलेगी। मौके पर मुख्य सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह मौजूद थे।

फंदे से लटकी मिली शख्स की लाश

आरा । भोजपुर में फंदे से लटकी एक शख्स की लाश मिली है। परिजनों की ओर से खुदकुशी की बात कही जा रही है। मृतक की पहचान मथुरापुर निवासी देवेंद्र साह(57) के तौर पर हुई है। घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र की है। मृतक के चाचा शंभू साह ने बताया कि उसकी पत्नी करीब 20 साल पहले छोड़कर बच्चों को लेकर दिल्ली चली गई थी। वहीं पर रहकर काम करती है। वह गांव पर अकेले रहता था। गुरुवार को गांव स्थित मंदिर में पूजा कर रहा था। इस दौरान 2 बच्चों ने आकर कहा कि आपके भतीजे ने फांसी लगी ली है। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

घर में मचा कोहराम : सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। हालांकि उसने फांसी क्यों लगाई, ये स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है। छह भाई-बहन में दूसरे स्थान था। मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

'घटना में जो भी दोषी होगा, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा', प्राइवेट हॉस्पिटल अग्निकांड पर बोले स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार

हाजीपुर। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में हुए अग्निकांड पर बयान दिया है। वैशाली में उन्होंने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने अग्निकांड में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह घटना दुखद है और प्रभावित परिवारों के लिए यह कठिन समय है। दरअसल जिला प्रभारी और स्वास्थ मंत्री निशांत कुमार बीस सूत्री की बैठक में भाग लेने के लिए वैशाली पहुंचे थे। कार्यक्रम के समाप्ति के बाद मीडिया से बात करते हुए निशांत ने आग की घटना पर बयान दिया है। निशांत कुमार ने बताया कि घटना में घायल हुए लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और डॉक्टर उनके उपचार में लगे हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस घटना में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मंत्री संजय सिंह ने वैशाली में किया पौधारोपण, विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

हाजीपुर। वैशाली में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिहार सरकार के मंत्री संजय सिंह और लखेंद्र रौशन ने पौधारोपण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और सभी से एक-एक पौधा लगाने की अपील की। यह कार्यक्रम वैशाली में आयोजित किया गया, जहाँ दोनों मंत्रियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया। इस मौके पर एनडीए के कार्यकर्ता भी मौजूद थे। पीएचईडी मंत्री संजय सिंह ने कहा कि पौधे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाएगा, तो पूरा बिहार हरा-भरा और स्वच्छ हो जाएगा। अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री लखेंद्र रौशन ने कहा कि पर्यावरण दिवस के साथ-साथ आज संपूर्ण क्रांति दिवस भी है। उन्होंने सभी से एक-एक पौधा लगाने का आग्रह किया और विशेष रूप से कहा कि जिनके माता-पिता हैं या नहीं हैं, उन्हें भी पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने वृद्ध व्यक्तियों से भी पौधारोपण करवाने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान एनडीए कार्यकर्ताओं ने दोनों मंत्रियों का मोमेंटो और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। मंत्री संजय सिंह ने दिवंगत राम विलास पासवान की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी।

सोनपुर मंडल ने ई-वेस्ट जागरूकता अभियान चलाया, विश्व पर्यावरण दिवस पर सतत अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा दिया

हाजीपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोनपुर मंडल ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न जागरूकता और संरक्षणात्मक गतिविधियों का आयोजन किया। इस पहल के तहत ई-वेस्ट जागरूकता और सतत अपशिष्ट प्रबंधन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान, अधिकृत रीसाइक्लर्स के माध्यम से ई-वेस्ट (इलेक्ट्रॉनिक कचरा) संग्रहण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। लोगों को ई-वेस्ट के सुरक्षित और वैज्ञानिक निपटान की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही इसके पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से अवगत कराया गया। इलेक्ट्रॉनिक कचरे के उचित संग्रहण और पुनर्चक्रण के महत्व पर भी विशेष जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, सतत अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी उपायों के रूप में रीसाइक्लिंग और कम्पोस्टिंग को प्रोत्साहित किया गया। जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को कचरे के पृथक्करण, पुनः उपयोग और जैविक अपशिष्ट से कम्पोस्ट बनाने जैसी पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान में स्वस्थ और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इसका उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित करना और प्रदूषण को कम करना है। सोनपुर मंडल की इस पहल का लक्ष्य पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करना, सतत विकास को बढ़ावा देना और स्वच्छ, हरित तथा स्वस्थ भविष्य के निर्माण में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

प्रसाद हॉस्पिटल अग्निकांड में बड़ी कार्रवाई, मेंटेनेंस हेड, एडमिन और आईसीयू में तैनात डॉक्टर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के प्रसाद हॉस्पिटल अग्निकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक मेंटेनेंस हेड, एडमिन और एक डॉक्टर शामिल है। ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित अस्पताल के आईसीयू वार्ड आग लग गई थी। इस घटना में 6 लोगों की मौत हो गई, बाकी का रेस्क्यू किया गया। कई मरीज शहर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त गिरिवर दयाल सिंह ने अस्पताल में निरीक्षण के बाद केस और कार्रवाई की बात कही थी। अब पुलिस ने 3 लोगों को अरेस्ट किया है। इन पर लापरवाही का आरोप है। सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी ने बताया कि मामले में 177/26 केस दर्ज किया गया है। यह केस अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी के आवेदन पर दर्ज किया गया। घटना में 6 लोगों की मौत हो गई है। मामले में अभी तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। इनमें एक मेंटेनेंस हेड, एडमिन और एक डॉक्टर, जिनकी आईसीयू में ड्यूटी थी। सिटी एसपी के अनुसार इन तीन लोगों की लापरवाही के कारण कुछ लोगों की जान गई है। मामले में अस्पताल के डायरेक्टर की भी जांच चल रही है। बिल्डिंग में किसी तरह के कानून का उल्लंघन है या नहीं। इसके साथ ही बिल्डिंग का फायर ऑडिट भी कराया जा रहा है। इससे पहले फायर ऑडिट सही तरीके से हुआ था या नहीं। इसकी जांच चल रही है। अगर इन चीजों में लापरवाही पाई गई तो हॉस्पिटल के ऑनर को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बिहार प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् की पहल चित्रकारी-प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् की ओर से पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के तहत गुरुवार को पटना स्थित पर्षद् मुख्यालय परिवेश भवन में चित्रकारी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। पर्षद् अध्यक्ष डॉ. डी.के. शुक्ला तथा सदस्य-सचिव नीरज नारायण ने प्रतिभागियों को ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र और पुस्तकें प्रदान कर सम्मानित किया। पर्षद् द्वारा एक जून 2026 को ज्ञान भवन के बहुउद्देशीय सभागार में राज्य स्तरीय चित्रकारी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। चित्रकारी प्रतियोगिता में बिहार के 16 जिलों के साथ-साथ कोलकाता, धनबाद और हरिद्वार के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 1,066 छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिनमें 523 छात्र और 543 छात्राएं शामिल थीं। प्रतियोगिता को पांच वर्गों में विभाजित किया गया था। इसमें कक्षा एक-दो से लेकर कक्षा नौ-दस तक के विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, स्वच्छता और हरित भविष्य जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी रचनात्मकता दिखाई। कला एवं शिल्प महाविद्यालय, पटना के प्राचार्य की अध्यक्षता में गठित निर्णायक मंडल ने उत्कृष्ट चित्रों का चयन कर विजेताओं का निर्धारण किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भी दिखी प्रतिभाः पर्यावरण विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 163 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें 54 टीमों और 55 व्यक्तिगत प्रतिभागियों ने भागीदारी की। स्क्रीनिंग और सेमीफाइनल दौर के बाद चार टीमों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ पुरस्कार के लिए चुना गया, जबकि चार अन्य टीमों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में लगा पौधारोपण का रिकॉर्डः विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्षद् द्वारा संचालित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत राज्यभर में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया। पर्षद् के पांच क्षेत्रीय कार्यालयों के अंतर्गत आने वाले जिलों में कुल 19,472 पौधे लगाए गए। सबसे अधिक 13,282 पौधे बरौनी क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत बेगूसराय और समस्तीपुर जिलों में लगाए गए। इसके अलावा मुजफ्फरपुर क्षेत्र में 5,201, पटना क्षेत्र में 708, गया क्षेत्र में 171 तथा पूर्णिया क्षेत्र में 110 पौधों का रोपण किया गया।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली पर दिया गया प्रशिक्षणः पर्षद् ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 15 अप्रैल से 7 मई 2026 तक 12 ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए। इन सत्रों में कुल 20,093 प्रतिभागी जुड़े। प्रशिक्षण के दौरान कचरे को स्रोत पर चार श्रेणियों में अलग करने, गीले कचरे का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण करने तथा खुले में कचरा फेंकने या जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। पंचायती राज विभाग के सहयोग से राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन कर लोगों को नियमावली के नए प्रावधानों की जानकारी दी गई और उसके अनुपालन के लिए प्रेरित किया गया।

पर्यावरण जागरूकता के लिए जारी किया गया पॉडकास्टः पर्यावरण संरक्षण और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली के प्रचार-प्रसार के लिए पर्षद् के वैज्ञानिक नलिनी मोहन सिंह द्वारा तैयार एक विशेष पॉडकास्ट भी जारी किया गया। इसे ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के सामाजिक मीडिया मंचों पर प्रसारित किया गया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले छह कर्मियों को मिला सम्मानः पर्षद् ने अपने छह कर्मियों को उत्कृष्ट कार्य निष्पादन, कर्तव्यनिष्ठा और संस्थागत योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र एवं पुस्तकें प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित कर्मियों में आशीष कुमार, कुमार राजन, अभिनीत जरूहार, प्रतिज्ञा जमुआर, अभिलाषा तथा प्रकृति प्रभात शामिल हैं।

जलवायु कार्रवाई और सतत विकास पर हुई राष्ट्रीय कार्यशालाः विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् एवं एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) के संयुक्त तत्वावधान में 'जलवायु कार्रवाई, न्यून अपशिष्ट और सतत विकास' विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में देश-विदेश के विशेषज्ञों ने जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक प्रदूषण, जल संसाधन प्रबंधन, पर्यावरणीय व्यवहार, ग्रामीण विद्युतीकरण और सतत विकास जैसे विषयों पर विचार साझा किए। शिकागो विश्वविद्यालय, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स तथा यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग (यूके) के विशेषज्ञों ने ऑनलाइन माध्यम से अपने शोध और अनुभव प्रस्तुत किए।

विशेषज्ञों ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कृषि, अर्थव्यवस्था, रोजगार और गरीबी उन्मूलन जैसे क्षेत्रों को भी प्रभावित कर रहा है। बिहार में गंगा नदी की जल गुणवत्ता में हुए सुधार को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण और सतत विकास के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता दोहराई गई तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण बनाने का संकल्प लिया गया।

जनता दरबार में डीएम ने सुनीं 65 लोगों की समस्याएं, त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

जहानाबाद। आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को समाहरणालय परिसर में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से जुड़ी कुल 65 शिकायतों और आवेदनों की सुनवाई की गई। अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके समयबद्ध निष्पादन का आश्वासन दिया।

जनता दरबार के दौरान जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय ने अपने कार्यालय कक्ष में स्वयं 36 मामलों की सुनवाई की। वहीं अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजीव सिन्हा तथा अन्य अधिकारियों ने समाहरणालय के सभा कक्ष में 29 मामलों का निस्तारण किया। इस प्रकार कुल 65 आवेदनों पर विचार कर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जनता दरबार में राशन कार्ड, अतिक्रमण, भूमि विवाद, बंदोबस्ती पर्चा, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, जन वितरण प्रणाली, जलजमाव तथा विधि-व्यवस्था से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। प्राप्त आवेदनों में राशन कार्ड से जुड़े 4, अतिक्रमण वाद के 8, बंदोबस्ती पर्चा के 3, जन वितरण दुकान से संबंधित 1, चापाकल से जुड़े 5, जिला परिषद एवं विद्युत विपत्र से संबंधित एक-एक तथा दिव्यांगजन से जुड़ा एक मामला शामिल था।

सुनवाई के दौरान जिला पदाधिकारी ने भूमि विवाद एवं बंदोबस्ती पर्चा से संबंधित मामलों को प्राथमिकता देते हुए संबंधित अंचल पदाधिकारियों को स्थल निरीक्षण कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। दिव्यांगजन से जुड़े मामलों के निष्पादन के लिए सहायक निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तिकरण को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। वहीं राशन कार्ड संबंधी शिकायतों के समाधान की जिम्मेदारी अनुमंडल पदाधिकारी को सौंपी गई।

पेयजल आपूर्ति और चापाकल से जुड़ी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जिला पदाधिकारी ने लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) के कार्यपालक अभियंता को नियमानुसार शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से निराकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनता दरबार में अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजीव सिन्हा, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) विनय कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि सभी मामलों की नियमित निगरानी की जाएगी और निर्धारित समय सीमा के भीतर शिकायतों का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने चलाया वृक्षारोपण अभियान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से वृक्षारोपण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विधानसभा संयोजक संजय केसरी, नगर अध्यक्ष आशीष देव एवं भाजपा महामंत्री विजय यादव ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के तहत नगर क्षेत्र में जनजागरूकता मार्च भी निकाला गया, जिसमें लोगों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। भाजपा नेताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की।

इस अवसर पर विधानसभा संयोजक संजय केसरी, नगर अध्यक्ष आशीष देव एवं महामंत्री विजय यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया "एक पेड़ मां के नाम" अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है, बल्कि मातृ सम्मान और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का भी प्रतीक है।

नेताओं ने कहा कि पृथ्वी के बढ़ते तापमान, घटते वन क्षेत्र और पर्यावरणीय असंतुलन को देखते हुए वृक्षारोपण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। उन्होंने "एक परिवार-एक पेड़" के संकल्प को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हर नागरिक की भागीदारी से ही हरित और स्वच्छ भारत का सपना साकार हो सकता है।

कार्यक्रम में जिला मंत्री राकेश कुमार, अजय शर्मा, लोजपा महासचिव निकित कुमार उर्फ मंतोष पासवान, राजेश कुमार, पिंटू रजक, रंजन चंद्रवंशी, शंकर चंद्रवंशी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और अधिकाधिक वृक्षारोपण का संकल्प लिया तथा हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

तम्बाकू और निकोटिन की लत से युवाओं को बचाने के लिए सख्त कानून जरूरी : डॉ. प्रेम कुमार

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर बिहार विधानसभा में कार्यशाला, तम्बाकू मुक्त बिहार का लिया गया संकल्प

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस-2026 के अवसर पर बिहार विधानसभा के विस्तारित भवन स्थित ऑडिटोरियम हॉल में "तम्बाकू मुक्त बिहार : युवा, सरकारी संस्थानों और आध्यात्मिक संगठनों की भूमिका" विषय पर एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और युवाओं ने भाग लेकर तम्बाकू मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि तम्बाकू और निकोटिन की लत आज समाज के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। यह केवल स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचाती, बल्कि आर्थिक और सामाजिक स्तर पर भी व्यापक दुष्प्रभाव छोड़ती है। उन्होंने कहा कि तम्बाकू सेवन के कारण कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों सहित कई जानलेवा रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में नई पीढ़ी को इस लत से बचाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के साथ-साथ सख्त और प्रभावी कानूनों की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि बच्चों और युवाओं को तम्बाकू तथा निकोटिन उत्पादों के बढ़ते प्रभाव से बचाने के लिए सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और अभिभावकों को मिलकर काम करना होगा। मजबूत कानून, प्रभावी प्रवर्तन और जनभागीदारी के माध्यम से ही तम्बाकू मुक्त बिहार के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। कार्यशाला में वक्ताओं ने सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा)-2003 को बिहार में और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही झारखंड की तर्ज पर तम्बाकू नियंत्रण संबंधी कानूनों को और मजबूत बनाने का सुझाव दिया गया, ताकि बच्चों और युवाओं को तम्बाकू एवं निकोटिन की लत से बचाया जा सके।

कार्यक्रम का आयोजन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, अलायंस फॉर टोबैको फ्री बिहार (एएफटीबी) तथा सोसियो इकोनॉमिक एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट सोसाइटी (सीड्स) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर सीड्स के कार्यपालक निदेशक दीपक मिश्रा, एएफटीबी के संयोजक डॉ. धीरेन्द्र नारायण सिन्हा तथा ब्रह्माकुमारीज के राज्य कार्यक्रम समन्वयक बी.के. संजय भाई सहित कई विशेषज्ञों ने तम्बाकू नियंत्रण, युवाओं में बढ़ती लत और उससे बचाव के उपायों पर विस्तार से विचार रखे।

कार्यक्रम के दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने उपस्थित लोगों को तम्बाकू सेवन नहीं करने और दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई। सभी प्रतिभागियों ने तम्बाकू मुक्त समाज और तम्बाकू मुक्त बिहार के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यशाला में बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव, मुख्य सचेतक संजीव चौरसिया, विधायक राजकुमार राय, रोमित कुमार, अनीता, छोटी कुमारी एवं सोनम रानी सहित विधानसभा सचिवालय के अधिकारी-कर्मचारी, ब्रह्माकुमारीज के स्वयंसेवक और सीड्स के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मुख्य संदेश यही रहा कि तम्बाकू और निकोटिन की बढ़ती लत पर नियंत्रण केवल कानून से नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जागरूकता और सहभागिता से ही संभव है। बिहार को तम्बाकू मुक्त बनाने के लिए सभी वर्गों को मिलकर आगे आना होगा।

भोजपुरी स्टार पवन सिंह को भाजपा ने बनाया विधान परिषद उम्मीदवार, संजय मयूख को फिर मिला मौका

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार की राजनीति में एक बड़ा और चर्चित फैसला लेते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भोजपुरी फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता और गायक पवन सिंह को बिहार विधान परिषद चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी द्वारा जारी उम्मीदवारों की सूची में पवन सिंह के नाम को शामिल किए जाने के बाद राजनीतिक गलियारों के साथ-साथ उनके समर्थकों में भी उत्साह का माहौल है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह द्वारा शुक्रवार को जारी सूची के अनुसार पवन सिंह के अलावा वर्तमान विधान पार्षद संजय मयूख, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल कुमार ठाकुर तथा शीला प्रजापति को भी विधान परिषद चुनाव का उम्मीदवार बनाया गया है।

पवन सिंह के नाम को लेकर पिछले कुछ समय से अटकलें लगाई जा रही थीं। इस वर्ष हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान भी उनके भाजपा उम्मीदवार बनने की चर्चाएं थीं। हालांकि उस समय उन्हें मौका नहीं मिला था, लेकिन अब पार्टी ने उन्हें विधान परिषद भेजने का फैसला किया है। गौरतलब है कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में पवन सिंह ने काराकाट संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली थी। बाद में उन्होंने भाजपा में वापसी कर ली थी। वहीं भाजपा ने संजय मयूख पर एक बार फिर भरोसा जताते हुए उन्हें दोबारा उम्मीदवार बनाया है। उनका कार्यकाल इसी महीने समाप्त हो रहा है। चुनाव जीतने की स्थिति में वे अगले छह वर्षों तक विधान परिषद के सदस्य बने रहेंगे। संजय मयूख का नाम हाल ही में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के संभावित उम्मीदवारों में भी चर्चा में था, लेकिन पार्टी ने उन्हें विधान परिषद के लिए ही उम्मीदवार बनाया है।

निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार बिहार विधान परिषद की विधानसभा कोटे की नौ सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव होना है। इन सीटों का कार्यकाल इसी महीने समाप्त हो रहा है। चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है और 8 जून नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। मतदान 18 जून को होगा।

इधर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने भी अपने चार उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है, जिनमें स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का नाम प्रमुख है। इसके अलावा एक सीट पर उपचुनाव भी होना है, जो पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा सदस्य बनने के बाद रिक्त हुई थी। इस सीट से जदयू ने ललन प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है। विधानसभा में वर्तमान संख्या बल को देखते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की नौ में से आठ सीटों पर जीत लगभग तय मानी जा रही है। विधानसभा में एनडीए के पास 201 विधायक हैं, जबकि महागठबंधन के पास 35 विधायक हैं। ऐसे में एक सीट महागठबंधन के खाते में जाने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मतदान के दौरान यदि किसी प्रकार का क्रॉस वोटिंग या अप्रत्याशित घटनाक्रम होता है तो नौवीं सीट पर मुकाबला रोचक हो सकता है।

भाजपा द्वारा पवन सिंह को उम्मीदवार बनाए जाने को आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पूर्वांचल और भोजपुरी भाषी क्षेत्रों में राजनीतिक प्रभाव बढ़ाने की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। पार्टी को उम्मीद है कि पवन सिंह की लोकप्रियता का लाभ संगठन को आगामी चुनावों में मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्रीनाथॉन का आयोजन

पूर्वी सिंहभूम। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जमशेदपुर वन प्रमंडल की ओर से सोनारी स्थित वन भवन परिसर में "ग्रीनाथॉन–वॉक फॉर एनवायरमेंट" का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण और हरित जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 400 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, पर्यावरण प्रेमी, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक (आरसीसीएफ) स्मिता पंकज और प्रभागीय वन पदाधिकारी (डीएफओ) सबा आलम अंसारी की उपस्थिति में हुई। दोनों अधिकारियों ने प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाते हुए प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। इसके बाद लगभग पांच किलोमीटर लंबी जागरूकता पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। आरसीसीएफ स्मिता पंकज ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। वहीं डीएफओ सबा आलम अंसारी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण की चुनौतियों से निपटने के लिए जनजागरूकता सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि वन विभाग लगातार पौधारोपण और संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम चला रहा है।

पोटका के बर्गीकोचा गांव में चेचक जैसे लक्षणों से दहशत, एक की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड अंतर्गत हेंसल आमदा पंचायत के बर्गीकोचा गांव में चेचक जैसे लक्षणों वाली बीमारी फैलने से ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। बीते कुछ दिनों के दौरान गांव के कई लोग बुखार और शरीर पर दाने निकलने की शिकायत से पीड़ित हुए,जबकि एक 50 वर्षीय ग्रामीण की मौत के बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी हरिश्चंद्र पुरान सबसे पहले इस बीमारी की चपेट में आए थे। उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद 2 जून को मौत हो गई। इसके बाद उनके परिवार के अन्य सदस्य तथा ग्राम प्रधान गौरांग पुरान सहित कई ग्रामीणों में भी समान लक्षण दिखाई देने लगे। घटना की सूचना मिलते ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोटका की चिकित्सा टीम गांव पहुंची और प्रभावित लोगों की स्वास्थ्य जांच शुरू की। सीएचसी पोटका की प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रजनी महाकुड़ ने शुक्रवार को बताया कि स्वास्थ्य विभाग की त्वरित कार्रवाई और उपचार के कारण स्थिति अब काफी हद तक नियंत्रण में है। अधिकांश मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और केवल कुछ लोगों की निगरानी की जा रही है। विभाग द्वारा घर-घर जाकर स्वास्थ्य सर्वेक्षण भी किया गया है ताकि बीमारी के फैलाव को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने गांव में विशेष निगरानी अभियान शुरू किया है। मेडिकल टीम ग्रामीणों को स्वच्छता अपनाने,उबला हुआ पानी पीने और किसी भी प्रकार के दाने, बुखार या संक्रमण के लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल जाने की सलाह दे रही है। अधिकारियों ने लोगों से अंधविश्वास और झाड़-फूंक से बचकर चिकित्सकीय उपचार लेने की अपील की है।

हत्या मामले के पांच आरोपित गिरफ्तार

पश्चिमी सिंहभूम। जिला स्थित चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के गुईगांव निवासी संजय बोयपोई हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। शुक्रवार को सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहामन टूटी ने प्रेस वार्ता में बताया कि मामले में साजिशकर्ता सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त देशी कट्टा, जिंदा कारतूस, दो बाइक और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एसडीपीओ ने बताया कि 01 जून 2026 की देर रात संजय बोयपोई अपने घर के आंगन में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद चक्रधरपुर थाना में मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में सुरेश सोय (20), कप्तान होनहांगा उर्फ टाटा (31), गुने हिन्दु अंगरिया उर्फ मोटा (22), बुधू बोदरा (27) और बिजू चौधरी (31) शामिल हैं। पुलिस की पूछताछ में आरोपितों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। जांच में सामने आया कि मृतक संजय बोयपोई और बिजू चौधरी के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद और आपसी रंजिश चल रही थी। इसी कारण बिजू चौधरी ने अन्य आरोपितों को सुपारी देकर संजय बोयपोई की हत्या करवाई। पुलिस ने आरोपितों के पास से एक देशी कट्टा, चार जिंदा गोली, दो बाइक (पल्सर एवं स्प्लेंडर) तथा चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

पूर्वी सिंहभूम में ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

पूर्वी सिंहभूम। सुंदरनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक 34 वर्षीय महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना रेलवे स्टेशन के समीप की है। सूचना मिलने के बाद सुंदरनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान लक्ष्मी मुर्मू के रूप में हुई है, जो परसुडीह के सरजामदा क्षेत्र की निवासी थीं। पारिवारिक कारणों से वह पिछले कुछ दिनों से सुंदरनगर स्थित अपने मामा के घर पर रह रही थीं। मृतका के पति अरविंद मांझी ने बताया कि वह ओडिशा के बड़बिल में भारतीय स्टेट बैंक में कार्यरत हैं। उनके अनुसार, लक्ष्मी पिछले कुछ समय से मानसिक बीमारी से जूझ रही थीं और करीब दो माह से रांची में उनका इलाज चल रहा था। उनके दो बच्चे हैं। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार तड़के लगभग साढ़े तीन से चार बजे के बीच लक्ष्मी घर से निकली थीं। उन्होंने अपनी मौसी से कहा था कि वह सुबह टहलने जा रही हैं। काफी समय तक वापस नहीं लौटने पर परिवार के लोगों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान सूचना मिली कि एक महिला रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आ गई है। मौके पर पहुंचने के बाद परिजनों ने शव की पहचान लक्ष्मी मुर्मू के रूप में की। परिजनों का कहना है कि मानसिक तनाव और बीमारी के कारण उन्होंने यह कदम उठाया हो सकता है। वहीं, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

एजेंसी। रांची

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शुक्रवार को रांची स्थित लोक भवन परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने और अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन मनाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की जिम्मेदारी केवल सरकारों या संस्थाओं की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की है। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे पृथ्वी के पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा स्वच्छ वायु, जल संरक्षण और जैव विविधता के संवर्धन में उनका विशेष योगदान होता है। उन्होंने कहा कि पेड़ केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की भी आधारशिला हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। राज्यपाल ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी लोग प्रकृति संरक्षण का संकल्प लें और अपने आसपास हरित वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को सफल बनाया जा सकता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पर्यावरण संरक्षण तथा वृक्षारोपण को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

झारखंड के पाकुड़िया में सबसे अधिक 80 मिलीमीटर बारिश दर्ज

एजेंसी। रांची

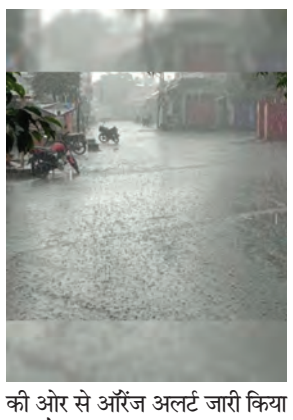

पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पाकुड़ जिले के पाकुड़िया में 80 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। राज्य के जिन अन्य इलाकों में बारिश दर्ज की गई,उनमें नावाडीह में 34 मिमी, पुटकी डीबीसी में 33.4 मिमी, बोकारो थर्मल में 23.2 मिमी, गोविंदपुर डीवीसी में 20.8 मिमी, रामगढ़ में 19 मिमी, तेनुघाट में 17.4 मिमी, पाकुड़ 12.8 मिमी, पंचायत डीवीसी में 11.8 मिलीमीटर, मैथन में 10.6 मिमी और खलारी में 09 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 41 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान 19.7 डिग्री लातेहार में रिकॉर्ड किया गया। इधर, मौसम विभाग में राज्य के उत्तर पूर्वी दक्षिण पूर्वी और इससे सटे मध्यवर्ती जिलों में शुक्रवार को बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है। साथ ही 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी चेतावनी दी है। इसे लेकर विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

टेम्परेचर अपडेट- शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 40.3 डिग्री और न्यूनतम 28.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 41 और न्यूनतम 25.9 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 35.2 डिग्री और न्यूनतम 22.6 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 106 वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स ने किया पौधरोपण

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 106वाहिनी रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ), सुंदरनगर परिसर में पौधरोपण किया। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में वाहिनी के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व 106 वाहिनी के कमांडेंट राजीव कुमार ने किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण आज की सबसे बड़ी जरूरत बन गई है। यदि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना है तो प्रत्येक व्यक्ति को पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी निभानी होगी। कमांडेंट राजीव कुमार ने कहा कि केवल पौधारोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों को संरक्षित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी जवानों और अधिकारियों से प्रकृति के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने तथा समाज में पर्यावरण जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। 106वाहिनी आरएएफ द्वारा आयोजित यह पौधरोपण कार्यक्रम न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला रहा, बल्कि समाज को प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। कार्यक्रम का समापन प्रकृति संरक्षण और सतत विकास के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी सच्चिदानंद मिश्र, कौशल साधन गिरि सहित वाहिनी के अन्य अधिकारी एवं जवान भी उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए हरित भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प दोहराया।

सिमडेगा रिश्वतकांड : होमगार्ड कार्यालय के मुंशी की जमानत याचिका पर सुनवाई, अदालत ने मांगी केस डायरी

एजेंसी। रांची

झारखंड के सिमडेगा होमगार्ड कार्यालय में रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार मुंशी राजू कुमार साहू की जमानत याचिका पर शुक्रवार को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की विशेष अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले से संबंधित केस डायरी और साक्ष्य प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश एसीबी को दिया है। अब मामले की अगली सुनवाई में जांच से जुड़े दस्तावेजों के आधार पर जमानत याचिका पर विचार किया जाएगा। एसीबी की टीम ने 21 मई 2026 को राजू कुमार साहू को सात हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। आरोप है कि होमगार्ड जवान श्रवण कुमार से ड्यूटी लगाने के बदले राजू कुमार साहू ने सात हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। पीड़ित श्रवण कुमार ने इस संबंध में निगरानी ब्यूरो से शिकायत की थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने मामले का सत्यापन किया। प्रारंभिक जांच में रिश्वत मांगने के आरोप सही पाए जाने के बाद अधिकारियों ने विशेष योजना बनाकर ट्रैप कार्रवाई की। योजना के तहत एसीबी की टीम ने जाल बिछाया और जैसे ही राजू कुमार साहू ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम प्राप्त की, उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान अधिकारियों ने उसके पास से कुल 21 हजार रुपये नकद भी बरामद किए थे। बरामद राशि के संबंध में भी जांच की जा रही है। इस मामले में एसीबी थाना में कांड संख्या 11/2026 के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। जांच एजेंसी मामले के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही है, जबकि आरोपित की ओर से जमानत के लिए अदालत में आवेदन दाखिल किया गया है। अदालत द्वारा केस डायरी और साक्ष्य प्रतिवेदन तलब किए जाने के बाद अब सभी की नजर अगली सुनवाई पर टिकी है, जहां जांच के दस्तावेजों के आधार पर आरोपित की जमानत याचिका पर निर्णय लिया जा सकता है।

रेलवे ओवरब्रिज के पास अज्ञात व्यक्ति का अर्धनग्न शव बरामद

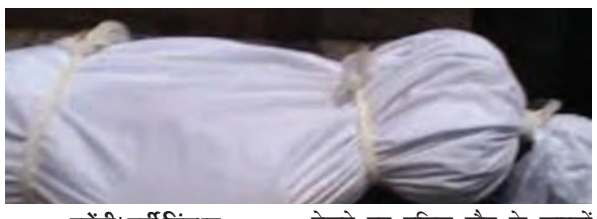

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

जुगसलाई थाना क्षेत्र के गरीब नवाज कॉलोनी के समीप स्थित रेलवे ओवरब्रिज के पास से शुक्रवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का अर्धनग्न शव पुलिस ने बरामद किया है। शव मिलने की खबर आसपास के इलाके में तेजी से फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना तत्काल जुगसलाई थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और पूरे इलाके का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ शुरू की, लेकिन समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। मृतक की उम्र लगभग 35 से 45 वर्ष के बीच बताई जा रही है। शव की स्थिति को देखते हुए पुलिस मौत के कारणों को लेकर विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल के आसपास के लोगों से जानकारी जुटाने के साथ-साथ यह पता लगाने का प्रयास किया कि मृतक स्थानीय निवासी या बाहर का रहने वाला था । इसके अलावा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि व्यक्ति वहां कैसे पहुंचा और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पार्वती घाट में आधुनिक सुविधाओं का शुभारंभ छह से

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

शहर के प्रमुख श्मशान घाटों में शामिल बिष्टुपुर स्थित पार्वती घाट में अंतिम संस्कार से जुड़ी सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। पार्वती घाट समिति ने घोषणा की है कि 6 जून 2026 से घाट परिसर में कई नई सुविधाएं आम लोगों के लिए उपलब्ध होंगी। इन सुविधाओं में आधुनिक लकड़ी फरनेस, नवजात एवं छोटे बच्चों के अंतिम संस्कार के लिए विशेष देव आत्मा उद्यान तथा शौचालय एवं स्नान क्षेत्र का नवीनीकरण शामिल है। समिति के अनुसार, पारंपरिक लकड़ी आधारित अंतिम संस्कार व्यवस्था को अधिक पर्यावरण अनुकूल और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से एक नया आधुनिक लकड़ी फरनेस स्थापित किया गया है। यह फरनेस अन्य सामान्य लकड़ी फरनेसों की तुलना में काफी कम लकड़ी की खपत करता है। शवदाह के लिए इसमें लगभग 100 किलोग्राम लकड़ी की आवश्यकता होगी, जिससे समय और संसाधनों दोनों की बचत होगी। साथ ही चिमनी के माध्यम से धुआं बाहर निकलने की विशेष व्यवस्था की गई है, जिससे परिसर में प्रदूषण कम होगा और आसपास का वातावरण अधिक स्वच्छ रहेगा। इस परियोजना के लिए समाजसेवी एवं दानदाता कृष्ण मुरारी गुप्ता ने 11 लाख रुपये का योगदान दिया है। समिति ने उनके प्रति विशेष आभार व्यक्त किया है। इसके अलावा पार्वती घाट परिसर में "देव आत्मा उद्यान" का भी निर्माण किया गया है। यह सुविधा पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों और नवजात शिशुओं के अंतिम संस्कार की धार्मिक परंपराओं को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार इस आयु वर्ग के बच्चों को दफनाया जाता है। इसी उद्देश्य से तैयार किए गए इस उद्यान में छह अलग-अलग सीमांकित क्षेत्र बनाए गए हैं, जहां प्रत्येक क्षेत्र में लगभग 80 बच्चों के अंतिम संस्कार की व्यवस्था की जा सकेगी। इस परियोजना के निर्माण में कई दानदाताओं ने सहयोग दिया है। इनमें रतनलाल, नवीन एवं नीरज अग्रवाल, अनिल एवं तुषित अग्रवाल, महेश अग्रवाल, खुशमन भाई उदाणी, उमा नाथूलाल, आशा एवं नवीन पोद्दार तथा मंजू देवी, राहुल एवं विशाल साव शामिल हैं। प्रत्येक दानदाता परिवार ने इस कार्य के लिए पांच-पांच लाख रुपये का योगदान दिया है। समिति ने यह भी बताया कि घाट परिसर में स्थित "पवित्र निकेतन" शौचालय एवं स्नान क्षेत्र के नवीनीकरण कार्य के लिए समाजसेवी निर्मल भाई पांड्या की ओर से पांच लाख रुपये का दान दिया गया है। इस राशि से यहां आने वाले लोगों के लिए स्वच्छता और सुविधाओं को और बेहतर बनाया गया है। शुक्रवार को यह जानकारी सचिव दीपेंद्र कुमार भट्ट ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की दी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा ने चलाया 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान, नेताओं ने किया पौधारोपण

एजेंसी। रांची

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को पूरे झारखंड में व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर संचालित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पार्टी के प्रदेश नेतृत्व से लेकर सांसदों, विधायकों और संगठन पदाधिकारियों ने विभिन्न जिलों और मंडलों में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान की शुरुआत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने रांची पूर्वी जिला के ओरमांझी प्रखंड स्थित कुच्चू मंडल के सरस्वती शिशु मंदिर कुल्ही परिसर में बूथ संख्या-22 पर पौधारोपण कर की। वहीं, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रांची महानगर के गोंदा मंडल अंतर्गत रॉक गार्डन परिसर में पौधा लगाकर अभियान में सहभागिता की। इसके अलावा संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने रांची महानगर के हरमू मंडल में बूथ संख्या-307 पर पौधारोपण किया। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने खूंटी के कर्रा और रांची ग्रामीण पूर्वी के गेतलसूद में पौधे लगाए। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने जगन्नाथपुर मंडल, चंपई सोरेन ने सरायकेला-खरसावां के गम्हरिया, मधु कोड़ा ने पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर तथा केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने रांची के हटिया क्षेत्र में पौधारोपण किया। इसी क्रम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने पंडरा, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने हरमू, अभयकांत प्रसाद ने दुमका के बासुकीनाथ, रविंद्र राय ने हरमू तथा यदुनाथ पांडेय ने अपर बाजार मंडल क्षेत्र में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और सतत जीवनशैली को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने लोगों से 'एक पेड़ मां के नाम' लगाकर धरती को हरा-भरा बनाने और स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण, शुद्ध वायु और हरित भविष्य आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी धरोहर है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है। मरांडी ने लोगों से अपनी मां के सम्मान और प्रकृति के संरक्षण के प्रतीक के रूप में कम से कम एक पौधा लगाने की अपील की। संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और मातृ सम्मान की भावना का अनूठा संगम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर शुरू हुआ यह अभियान आज देशव्यापी जनआंदोलन का रूप ले चुका है और इसमें समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित इस अभियान के माध्यम से भाजपा ने पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और जनभागीदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण का संदेश दिया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

कर्नाटक में डीके शिवकुमार की सरकार बनते ही कलह, विभाग बंटवारे से नाराज मंत्री रामलिंगा रेड्डी का इस्तीफा

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में विभागों के आवंटन से नाराज होकर राज्य सरकार के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कैबिनेट से अपना इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है। रामलिंगा रेड्डी का कहना है कि सरकार गठन और विभागों के बंटवारे के समय उनसे बेंगलुरु विकास विभाग सौंपने का वादा किया गया था। यह जिम्मेदारी न मिलने के कारण वे अपनी ही सरकार के फैसले से नाखुश थे, जिसके चलते उन्होंने कैबिनेट छोड़ने का यह बड़ा कदम उठाया। बेंगलुरु में अपने फैसले की जानकारी देते हुए और अपना रुख स्पष्ट करते हुए रेड्डी ने कहा कि मैं अपनी अंतरात्मा के खिलाफ जाकर काम नहीं कर सकता। यही कारण है कि मैं मंत्री पद से अपना इस्तीफा दे रहा हूं। मंत्री पद से इस्तीफा देने के बावजूद रामलिंगा रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि वे कांग्रेस पार्टी का साथ नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे विधायक के रूप में अपने क्षेत्र और जनता के लिए काम करना जारी रखेंगे और कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा नहीं देंगे। यह इस्तीफा मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार द्वारा गुरुवार रात विभागों के बंटवारे के बाद आया है। यह शिवकुमार सरकार के लिए एक बड़ा झटका था, जो बुधवार को सत्ता में आई थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बीच कांग्रेस नेतृत्व ने नाराज मंत्री को मनाने की आखिरी कोशिश की, लेकिन वे अपने फैसले पर अडिग रहे। उन्होंने पार्टी नेतृत्व का संदेश लेकर आए नेताओं से कहा कि अब किसी भी सुझाव पर ध्यान देने का समय निकल चुका है।

फरीदाबाद हादसा: आंधी-बारिश से बचने के लिए पोर्टा केबिन में घुसे थे श्रमिक, हादसे से तुरंत पहले क्या हुआ था?

फरीदाबाद, एजेंसी। आंधी और वर्षा से बचने के लिए पोर्टा केबिन में घुसे श्रमिकों को अंदाजा नहीं था कि क्रेन फिसलकर इतनी दूर आ जाएगी। वे खुद को सुरक्षित करने के लिए ही उसमें घुसे थे। उनका यही कदम जानलेवा साबित हुआ। क्रेन पोर्टा केबिन से करीब 200 मीटर की दूरी पर पटरी पर खड़ी थी। वर्षा के कारण पटरी पर कीचड़ और फिसलन हो गई। आंधी से क्रेन पोर्टा केबिन की ओर फिसलने लगी और पास जाकर ठीक उसके ऊपर पलट गई। मौके पर मौजूद अन्य श्रमिकों में चीख-पुकार मच गई। श्रमिक इधर-उधर भागने लगे। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद अन्य श्रमिकों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर थोड़ी देर में ही आग की तरह फैल गई। कुछ देर में ही प्रशासनिक हमला मौके पर पहुंच गया। मौके पर काफी संख्या में भीड़ भी जमा हो गई। बचाव दल ने बताया कि फिसलन, कीचड़, अंधेरे और मौके पर जमा भीड़ के कारण बचाव कार्य में परेशानी आई। पुलिस ने पूरे घटनास्थल को चार जोन में बांटकर बचाव कार्य शुरू किया। कटर से पोर्टा केबिन को काटा गया। पहले जो श्रमिक बाहर आया, वह सुरक्षित था, इससे सभी को लगा कि बाकी श्रमिक भी सुरक्षित होंगे। क्रेन के नीचे खिसकने का डर लगातार बना हुआ था। इसलिए पोर्टा केबिन को काटने के बाद कांटा श्रमिकों के कपड़ों में फंसाकर उन्हें बाहर खींचा गया। बा उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। घटना बेहद दुखद है। मौके पर एलिवेटेड मार्ग के स्लैब उठाने के लिए पटरी बिछाई गई थी जिसके ऊपर क्रेन चलती थी। फिलहाल इस मामले में किसी की लापरवाही सामने नहीं आई है। बाकी मौके पर श्रमिकों की सुरक्षा के और पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। वर्षा के दौरान ग्रेटर फरीदाबाद के कई गांवों मे बिजली के खंभे गिर गए। मोहना, छांयसा, पन्हैड़ा तथा आसपास के क्षेत्र में 20 से अधिक खंभे गिरे। पन्हैड़ा में ट्रांसफार्मर गिरने से बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। गांवों के अलावा शहरी क्षेत्र में भी थोड़ी देर के लिए बिजली गुल हो गई थी। वर्षा रुकने के बाद बिजली आपूर्ति चालू कर दी गई थी। अभियंता पंकज पंवार ने बताया कि बिजली आपूर्ति दुरुस्त करने को समय रहते मरम्मत कार्य चालू कर दिया गया था।

हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर अफसर को फटकार लगाई

योगी के करीबी अफसर संजय प्रसाद को हाईकोर्ट ने लगाई तगड़ी फटकार

इलाहाबाद , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में एक मामले की सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बेहद करीबी माने जाने वाले एक अफसर को तगड़ी फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य के अपर मुख्य सचिव (एसीएस - गृह) संजय प्रसाद के रवैये पर नाराजगी जताई। इस दौरान हाईकोर्ट ने उनके आचरण को लेकर भी बेहद तीखी टिप्पणियां की हैं। कोर्ट ने कहा कि राज्य में सुधार लाने के लिए अदालती स्तर पर जो भी कोशिशें की जा रही हैं, उन्हें प्रशासनिक स्तर पर सहयोग ही नहीं मिल रहा है। कोर्ट ने ये टिप्पणियां एक महिला द्वारा दायर याचिका पर की। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक महिला की नाबालिग बेटी कई दिनों से लापता थी और पुलिस उसे तलाशने में नाकाम रही। कोर्ट ने पाया कि मामले के जांच अधिकारी ने निष्पक्ष और प्रभावी जांच नहीं की। जब जस्टिस विनोद दिवाकर की पीठ ने एसीएस (गृह) संजय प्रसाद से लगातार हो रही इस

अनदेखी की वजह पूछी, तो सरकार की तरफ से एक हलफनामा दाखिल किया गया। गृह सचिव द्वारा दाखिल इस हलफनामे में कहा गया कि राज्य सरकार ने 'सुभाष चंद्र' मामले के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया है, इसलिए हाईकोर्ट को आगे कोई आदेश पारित करने से बचना चाहिए।

इस पर नाराजगी जताते हुए हाईकोर्ट ने सवाल उठाए कि प्रशासन एक साल तक क्यों बैठा रहा। कोर्ट ने नोट किया कि मई 2025 में आए आदेश को करीब एक साल तक चुनौती नहीं दी गई। जब कोर्ट ने एसीएस (गृह) से स्पष्टीकरण मांगा, तब जाकर इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला लिया गया। वहीं हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई को 3 महीने के लिए टाल दिया ताकि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट से कोई निर्देश ला सके, इसके बावजूद सरकार सुप्रीम कोर्ट का कोई आदेश पेश नहीं कर पाई। इस मामले में हाईकोर्ट ने संजय प्रसाद के आचरण पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि कोर्ट के निर्देशों का पालन करने में उनकी ओर से स्पष्ट अनिच्छा दिखाई देती है। अदालत ने कहा, 'अगर इस तरह के व्यवहार को अनदेखा किया गया तो जिद्दी प्रशासनिक अधिकारियों की वजह से संवैधानिक अदालतों के आदेश का कोई मतलब ही नहीं बचेगा। यह एक खतरनाक उदाहरण पेश करेगा। अदालत ऐसे आचरण पर चुप चाप नहीं बैठी सकती। इलाहाबाद हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। इसकी वजह यह है कि संजय प्रसाद राज्य की ब्यूरोक्रेसी का सबसे रसूखदार और ताकतवर चेहरा हैं। संजय प्रसाद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सबसे भरोसेमंद अधिकारी माना जाता है। संजय प्रसाद उत्तर प्रदेश कैडर के 1995 बैच के सीनियर आईएएस अधिकारी हैं। वर्तमान में वह राज्य के अपर मुख्य सचिव (एसीएस - गृह) के पद पर तैनात हैं। पूरे प्रदेश की कानून-व्यवस्था की कमान उन्हीं के हाथों में है। संजय प्रसाद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सबसे खास, भरोसेमंद और करीबी अफसर माना जाता है।

गाजियाबाद सूर्या हत्याकांड: हिंदू संगठनों की चेतावनी, जुमे की नमाज पर खोड़ा में पुलिस का कड़ा पहरा

साहिबाबाद (गाजियाबाद), एजेंसी। गाजियाबाद के खोड़ा थाना क्षेत्र में बकरीद के दिन हुए सूर्या हत्याकांड के बाद हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने जुमे की नमाज न होने देने की चेतावनी को देखते हुए पुलिस अलर्ट है। शुक्रवार यानी आज होने वाली नमाज के लिए पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा की दृष्टि से खोड़ा में नमाज के समय एक हजार जवान तैनात करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। बकरीद के दिन असद ने सूर्या चौहान को कुर्बानी दिखाने की बात कहते हुए उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद सूर्या के भाई यश ने असद, नवाब, फरहान, आतिफ और सारिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। असद की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई थी, जबकि अन्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। घटना के बाद कई राजनेता और हिंदू संगठन के पदाधिकारी मृतक के परिजनों से मिलने पहुंचे थे। घटना से गुस्साए हिंदू संगठन के पदाधिकारियों ने जुमे की नमाज न होने देने का दावा किया था। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि जुमे की नमाज को लेकर पुलिस अलर्ट है। खोड़ा में नमाज के समय आधा दर्जन से अधिक थानों के पुलिस फोर्स समेत आरपीएफ, आरएएफ, पीएसी के जवानों तैनात रहेंगे। खोड़ा में 19 मस्जिद हैं। सभी पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात रहेगा।

आंधी, बारिश और ओले: तीन दिन मौसम मचाएगा तूफान, दिल्ली-यूपी समेत 19 राज्यों में अलर्ट

लखनऊ, नई दिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों के लिए राहत अपने साथ कुछ मुसीबतें भी लेकर आई है। 4 जून को केरल में मानसून की एंट्री के साथ ही देश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया है। बीते दिन दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में आई तेज आंधी और बारिश ने जहां तापमान में भारी गिरावट ला दी, वहीं पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से जलभराव और नुकसान जैसी परेशानियां भी देखने को मिलीं। मौसम विभाग की मानें तो आज यानी 5 जून को भी मौसम का यह रौद्र रूप जारी रहेगा। आइए आसान भाषा में जानते हैं कि आज आपके राज्य और शहर में मौसम कैसा रहने वाला है।

मौसम विभाग ने आज देश के 19 राज्यों में तेज बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

पूर्वोत्तर भारत में तो अगले 5-6 दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में भी आज मौसम खराब रह सकता है। देश के 19 राज्यों दिल्ली, यूपी, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, केरल, ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और असम में झामाझम बारिश की अलर्ट जारी की गई हैं।

दिल्ली-हष्ट्रक में कैसा रहेगा मौसम? दिल्ली और एनसीआर के लोगों को आज भी गर्मी से राहत मिलेगी। आसमान में दिनभर बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक, दोपहर तक 60 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ-साथ बारिश और

बिजली कड़कने के आसार हैं। यह सुहाना मौसम 6 जून को भी बना रह सकता है। आज दिल्ली का अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट यूपी में आज मौसम काफी आक्रामक रह सकता है। राज्य के 38 जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। यूपी के 21 जिले प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, झांसी, बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, गाजीपुर, फिरोजाबाद, इटावा, जालौन, हमीरपुर, महोबा, ललितपुर और आस-पास के इलाके ऑरेंज अलर्ट । येलो अलर्ट (17 जिले): कानपुर नगर, कानपुर देहात, रायबरेली, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, अमेठी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मथुरा, हाथरस, एटा, मैनपुरी, औरैया और बिजनौर। बिहार और पड़ोसी राज्य झारखंड में भी तूफानी हवाओं के साथ बारिश की पूरी संभावना है। कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं। झारखंड के रांची, धनबाद, बोकारो, जामताड़ा, दुमका, साहेबगंज, गिरिडीह, सरायकेला और पलामू जैसे इलाकों में 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और तेज बारिश का अनुमान है।

बंगाल में जांच एजेंसियों की कार्रवाई तेज, नौकरी घोटाला, हथियार मामले और राशन घोटाले में टीएमसी के चार नेता गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। बंगाल में विभिन्न भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से जुड़े मामलों में जांच एजेंसियों ने गुरुवार को कार्रवाई तेज कर दी। अलग-अलग मामलों में तृणमूल कांग्रेस के चार नेताओं को गिरफ्तार किया गया, जिससे पार्टी की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। पुलिस ने कोलकाता नगर निगम के तृणमूल पार्षद महेश कुमार शर्मा को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ वसूली, धमकी, आपराधिक साजिश और सरकारी कर्मचारी के कार्य में बाधा पहुंचाने समेत कई गंभीर आरोप हैं। पूर्व मेदिनीपुर के हल्दिया में नौकरी घोटाले के मामले में तृणमूल नेता तिलक कुमार चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया गया। वहीं, कोलकाता के सुरेन्द्रनाथ कालेज से हथियार बरामदगी मामले में तृणमूल नेता परितोष दत्त को बर्धमान से गिरफ्तार किया गया। एक अन्य मामले में बीरभूम से पंचायत अधिकारी और तृणमूल नेता राजीव बनर्जी को सरकारी राशन के चावल की अवैध बिक्री के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दूसरी ओर बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मेसी के भारत दौरे के आयोजक शतद्रु दत्ता की शिकायत के आधार पर

अरूप को समन जारी किया गया था। कोलकाता के साल्टलेक स्टेडियम में पिछले साल दिसंबर में मेसी के कार्यक्रम के दौरान ग्राउंड पर तत्कालीन खेल मंत्री, नेता और उनके करीबी लोगों ने उन्हें इस कदर घेर रखा था कि महंगे टिकट खरीदकर पहुंचे लोग दर्शक दीर्घा से अपने पसंदीदा फुटबालर को देख नहीं पाए। सुरक्षा कारणों से मेसी को तय समय से पहले ही स्टेडियम से ले जाया गया, जिसके बाद दर्शकों ने गुस्से में आकर स्टेडियम में तोड़फोड़ की थी। बंगाल विधानसभा में कथित जाली हस्ताक्षर मामले की जांच तेज हो गई है। इस सिलसिले में गुरुवार को सीआइडी की एक टीम कोलकाता के मेयर व विधायक फिरहाद हकीम के चेतला स्थित आवास पहुंची। जानकारी के अनुसार, जांचकर्ताओं ने इस मामले में उनसे हस्ताक्षर को लेकर पूछताछ की।दूसरी ओर, सीआइडी ने अदालत के आदेश पर तृणमूल के तीन विधायकों के हस्तलेखन के नमूने भी एकत्र किए हैं। इनमें बहारुल इस्लाम, अरूप राय और शुभाशीष दास शामिल हैं। सीआइडी अब इन नमूनों का मिलान विधानसभा में विवादित हस्ताक्षरों से करेगी। बता दें कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में शोभनदेव चट्टोपाध्याय के नाम के समर्थन में तृणमूल विधायक दल की ओर से जो पत्र सौंपा गया था, उसमें कई विधायकों के हस्ताक्षरों में कथित विसंगतियों का आरोप सामने आया था। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच सीआइडी को सौंपी है। मामले को तूल तब मिला, जब तृणमूल विधायक ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा ने हस्ताक्षरों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर विधानसभा की ओर से कार्रवाई शुरू हुई। बाद में दोनों विधायकों को तृणमूल ने पार्टी से निष्कासित कर दिया।

नया गुरुग्राम में 7 घंटे तक जमकर गरजा बुलडोजर, 26-27 लेन से हटाए गए अवैध कब्जे; लोगों को मिलेगी राहत

नया गुरुग्राम, एजेंसी। नया गुरुग्राम में डीएलएफ फेज-3 के यू ब्लाक में लंबे समय से सार्वजनिक सड़कों और गलियों पर बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने बृहस्पतिवार को बड़े स्तर पर अभियान चलाया। करीब साढ़े सात घंटे तक चली कार्रवाई में विभाग की चार टीमों ने यू ब्लाक की 26 से 27 लेन को कवर करते हुए सैकड़ों अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाए। दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुआ अभियान शाम 7:30 बजे तक जारी रहा। कार्रवाई का नेतृत्व डीटीपीई अमित माधोलिया ने किया। अभियान के दौरान लगभग 800 से 900 मकानों के बाहर सार्वजनिक भूमि और सड़कों पर किए गए कब्जों को चिन्हित कर हटाया गया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, यू ब्लाक से पिछले कई महीनों से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। स्थानीय लोगों का कहना था कि घरों के

आगे बनाए गए रैंप, सीढ़ियां, एक्सटेंशन, ढाबा एवं फूड काउंटर, कियोस्क और अन्य अस्थायी ढांचों के कारण गलियां संकरी होती जा रही थीं।

इससे न केवल यातायात प्रभावित हो रहा था बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में वाहनों की आवाजाही भी मुश्किल हो रही थी। हाल ही में पुलिस प्रशासन ने भी क्षेत्र में ट्रैफिक बाधित होने और सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण बढ़ने संबंधी जानकारी टाउन प्लानिंग विभाग को दी थी। अभियान के दौरान अवैध रैंप, सीढ़ियां, ग्रिल, एक्सटेंशन, ढाबा एवं फूड काउंटर, रहड़ियां, कियोस्क, पान-बीड़ी के खोखे, लोहे के पोल, अवैध साइन बोर्ड और घरों के बाहर बनाए गए बैठने के प्लेटफॉर्म हटाए गए।

ग्रेटर नोएडा की सोसायटियों में अब अनिवार्य होंगे सोलर प्लांट, पीएम सूर्यघर योजना से मिलेगी सब्सिडी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। अब हाइराइज सोसायटियों में भी बिजली का खर्च सूरज उठाएगा। शासन ने पांच हजार वर्गमीटर से बड़े सभी भवनों में सोलर प्लांट लगाना जरूरी कर दिया है। नए नियम के बाद सेक्टर व सोसायटियों में आरडब्ल्यूए व एओए के साथ ऊंची इमारतों, दफ्तरों और माल की छतों पर सोलर पैनल लगेंगे। यूपी नेडा के अधिकारी लवेश कुमार सिसौदिया ने बताया कि पीएम सूर्यघर योजना के तहत सरकार अब सेक्टर व सोसायटियों में भी सब्सिडी देगा। 500 किलोवाट तक के प्लांट पर 18 हजार रुपये प्रति किलोवाट के हिसाब से पैसा मिलेगा। पांच हजार वर्ग मीटर भूखंड में बनी सोसायटी में 500 किलोवाट सोलर प्लांट लगवाने पर 90 लाख रुपये की सब्सिडी दी जाएगी।

सोलर से उत्पन्न बिजली का उपयोग सोसायटियों के सार्वजनिक स्थानों के लिए किया जाएगा। इससे सोसायटी की स्ट्रीट लाइट, पानी के पंप, आफिस, ईवी चार्जिंग स्टेशन आदि शामिल होंगे। इससे निवासियों का न केवल बिजली का बिल घटेगा बल्कि मेंटेनेंस शुल्क में भी राहत मिलेगी। 500 किलोवाट का प्लांट रोज 2000 यूनिट बिजली का उत्पादन करेगा। साल में करीब 60 लाख रुपये की बचत होने का अनुमान है।

बता दें कि दैनिक जागरण ने 11 मई के संस्करण में सोलर पैनल लगाने को हाइराइज सोसायटी निवासियों की राह में रोड़ा बना पीएम सूर्य घर योजना का नियम खबर प्रकाशन कर हाइराइज सोसायटियों के लिए अलग पालिसी बनाए जाने का विचार सुझाया था। जिसमें एओए या आरडब्ल्यूए के जरिए पूरी सोसायटी के लिए कामन सोलर प्लांट लगाने की मंजूरी व बिजली का उपयोग सार्वजनिक क्षेत्र में लाइन व्यवस्था, लिफ्ट संचालन या पंप आदि के इस्तेमाल के लिए करने का सुझाव दिया गया था।

खबर का संज्ञान लेते हुए शासन ने मंजूरी दे दी है। अब नए नक्शे पास कराने के लिए सोलर प्लान जरूरी होगा। पुरानी सोसाइटियों को दो साल का समय मिला है। यूपी नेडा सेक्टर व सोसायटियों में जागरूकता शिविर लगाकर इसकी जानकारी भी देगा। बैंक लोन और तकनीकी मदद के लिए हेल्पडेस्क भी बनेगी। सोसायटी के लोगों ने नए नियम को स्वागत योग्य बताया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर निश्शुल्क बिजली योजना हाइराइज सोसायटी में रहने वाले लोगों की राह में रोड़ा बनी हुई थी।

अरुणाचल प्रदेश: ईटानगर में अवैध बस्तियों के खिलाफ सरकार का एक्शन, 15 मस्जिदें सील

ईटानगर, एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने ईटानगर राजधानी क्षेत्र में बिना अनुमति के बने मस्जिदों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय आदिवासी समूहों द्वारा अवैध बस्तियों और आबादी के संतुलन में बदलाव पर चिंता जताए जाने के बाद, प्रशासन ने पहचान की गई सभी 15 मस्जिदों को सील कर दिया है।यह कदम अरुणाचल प्रदेश इंडिजिनस यूथ ऑर्गनाइजेशन के बढ़ते दबाव के बाद उठाया गया है। यह संगठन अवैध कब्जों और बिना अनुमति के बने धार्मिक ढांचों के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस संगठन ने पहले राजधानी क्षेत्र में 24 घंटे का बंद भी आयोजित किया था, और चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे आगे भी विरोध प्रदर्शन करेंगे।

गुरुवार को मीडिया को संबोधित करते हुए राज्य सरकार के प्रवक्ता और शिक्षा मंत्री पी.डी. सोना ने बताया कि यह मुद्दा पहली बार इस साल जनवरी में मुख्यमंत्री पेमा खांडू और प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक के दौरान सरकार के संज्ञान में आया था। इस बैठक के बाद, सरकार ने जिला अधिकारियों को उन ढांचों की पहचान करने का निर्देश दिया जो कथित तौर पर आवश्यक अनुमति के बिना बनाए गए थे। एक आधिकारिक सर्वेक्षण के बाद राजधानी परिसर क्षेत्र के भीतर 15 अनधिकृत मस्जिद ढांचों की पहचान की गई थी। कानूनी प्रक्रिया के तहत सील किए गए ढांचे पीडी सोना के अनुसार, जिला अधिकारियों ने चिन्हित ढांचों में से 12 को सील या खाली कराने से पहले सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की थीं। वहीं, शेष तीन मामलों की समीक्षा 1

जून को मुख्यमंत्री और नेताओं के बीच हुई एक और बैठक के दौरान की गई, जिसके बाद उन तीन स्थलों पर भी कार्रवाई पूरी की गई। सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि जिन चिंताओं के कारण बंद का प्रस्ताव रखा गया था, उन्हें कानूनी और प्रशासनिक उपायों के माध्यम से पहले ही सुलझा लिया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संगठन जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किसी भी आगामी बंद के आह्वान पर पुनर्विचार करेगा। इस मामले ने अरुणाचल प्रदेश में अवैध अप्रवासन, जनसांख्यिकीय बदलाव और स्वदेशी आदिवासी समुदायों के संरक्षण को लेकर एक व्यापक बहस को जन्म दे दिया है। राज्य के अधिकारियों ने भी स्वीकार किया है कि अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं का असुरक्षित होना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसके लिए निरंतर और कड़ी निगरानी की आवश्यकता है। यह विवाद मई में मुख्यमंत्री पेमा खांडू द्वारा बुलाई गई एक उच्च स्तरीय परामर्श बैठक के बाद और गहराया है। उस बैठक में छात्र संगठनों, आदिवासी निकायों, नागरिक समाज समूहों, कानूनी विशेषज्ञों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने स्वदेशी अधिकारों, जनसांख्यिकीय चिंताओं और इनर लाइन परमिट प्रणाली के नियमन से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की थी। बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने अवैध अप्रवासन और जनसांख्यिकीय परिवर्तनों की चिंताओं को दूर करते हुए स्वदेशी समुदायों के हितों की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई थी। ऐसी चुनौतियां केवल अरुणाचल प्रदेश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह सीमा प्रबंधन, सांस्कृतिक संरक्षण और आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी व्यापक राष्ट्रीय चिंताओं को दर्शाती हैं। राज्य सरकार ने हितधारकों द्वारा उठाई गई कई प्रमुख मांगों को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में जमीन पर भी दिखाई दे रहा बदलाव का असर

सवाल है कि चुनावी नतीजों के बाद राज्य में विपक्षी दलों के समर्थकों या कार्यकर्ताओं के सामने जैसे हालात पैदा हो रहे हैं, उनके नेताओं की गतिविधियों को जिस तरीके से बाधित किया जा रहा है, उसे किस कसौटी पर लोकतंत्र कहा जाएगा। पश्चिम बंगाल में चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद हिंसक घटनाएं सामान्य हो चुकी हैं। मगर हाल ही में जब विधानसभा चुनावों के बाद व्यापक फेरबदल हुआ और भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सरकार बनाई, तो इसे राज्य में एक बड़े बदलाव का उदाहरण बताया गया। वहां की जनता के बीच एक उम्मीद पैदा हुई कि अगर सत्ता में बदलाव आया है, तो संभवत- इसका असर सरकार के कामकाज से लेकर जमीनी स्तर पर आम लोगों के जीवन पर भी पड़े।मगर पहली बार भाजपा की सरकार बनने के बाद जो हालात दिख रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि वहां अराजक तत्त्वों को खुली छूट मिली हुई है, विपक्ष के नेताओं पर सीधे हमले हो रहे हैं और शासन उदासीन है। ऐसी अनेक घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें एक तरह से बदले की भावना से विपक्षी दलों के नेताओं या उनके समर्थकों पर हमले हुए हैं और कानून-व्यवस्था लाचार है। इससे यह सवाल उठा है कि क्या राज्य के लोगों ने इसी तरह के हालात के लिए बदलाव के पक्ष में वोट दिया था।गौरतलब है कि पिछले दो दिनों के भीतर पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं, अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी पर लोगों की भीड़ ने पुलिस या सुरक्षा बलों की मौजूदगी में घातक हमला किया। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस के नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ित अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से मिलने सोनारपुर दक्षिण पहुंचे थे। मगर आरोप के मुताबिक वहां भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और नारेबाजी करते हुए उनके साथ मारपीट की।एक अन्य घटना में तृणमूल कांग्रेस के एक और सांसद कल्याण बनर्जी पर भी हमला किया गया। गनीमत रही कि दोनों को किसी तरह भीड़ से निकाल लिया गया। मगर उन पर जिस तरह हमला किया गया, वह सभी पार्टियों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। हैरानी की बात यह है कि लोकतंत्र की बहाली के जिस नारे के साथ चुनावों में जनता का समर्थन मांगा गया, सरकार बदलने के बाद अब वही लोकतंत्र बाधित होता दिख रहा है और राज्य सरकार अराजक तत्त्वों पर काबू पाने के बजाय सब कुछ अपने आप ठीक होने की उम्मीद कर रही है।सवाल है कि चुनावी नतीजों के बाद राज्य में विपक्षी दलों के समर्थकों या कार्यकर्ताओं के सामने जैसे हालात पैदा हो रहे हैं, उनके नेताओं की गतिविधियों को जिस तरीके से बाधित किया जा रहा है, उसे किस कसौटी पर लोकतंत्र कहा जाएगा। अव्वल तो समूचे राज्य में कहीं भी प्रतिद्वंद्विता की वजह से हिंसक या एक दूसरे पर हमले की घटनाओं को पूरी तरह रोकने और किसी भी पार्टी का समर्थन करने वाले अराजक तत्त्वों के खिलाफ सख्ती बरतने के लिए पुलिस को स्पष्ट निर्देश देने की जरूरत है। फिर विपक्षी दलों के नेता अगर लोकतांत्रिक गतिविधियों के लिए जनता के बीच जाते हैं, तो उन्हें सुरक्षा मुहैया कराना सरकार का दायित्व है।पश्चिम बंगाल में चुनावों के नतीजे सामने आने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा था कि अब राज्य में 'बदला नहीं, बदलाव' और 'भय नहीं, भविष्य' की बात होनी चाहिए। यों भी, अगर नई सरकार ने बदलाव का सपना दिखाया है, तो उसकी सबसे पहली जिम्मेदारी राज्य में हर स्तर पर लोकतांत्रिक माहौल को बहाल करना होना चाहिए। राज्य में कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर अगर ऐसे हालात रहे कि विपक्ष को दबाने वाले तत्त्वों को खुली छूट दी गई, तो यह एक तरह से राज्य सरकार की सबसे बड़ी नाकामी होगी।

हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

(ललित गर्ग)

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम 'माता-पिता के लिए एक साथ' एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष 'मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः'- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है। हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है। आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास'' की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं।

कोठियां, काफिले और स्मारक- दिल्ली में जमीन की नहीं, उसके इस्तेमाल की कहानी ज्यादा दिलचस्प है

(तवलीन सिंह)

फिलहाल प्रधानमंत्री के कहने पर सिर्फ दिखावा कर रहे हैं उनके मुख्यमंत्री और मंत्री। कभी किसी मुख्यमंत्री की पत्नी साइकिल पर सवार होकर निकलती है टीवी पत्रकारों के सामने, तो कभी कोई मुख्यमंत्री स्कूटर पर सवार होकर निकलते हैं पत्रकारों को दिखाने के लिए। जिमखाना क्लब को बंद करने की कोशिश ने एक ऐसा पिटारा खोल दिया है, जिसमें से निकल रहे हैं कई अहम सवाल। जिनको अभी तक इस विवाद के बारे में पूरी जानकारी नहीं है, उनके लिए संक्षेप में पहले बता दूं कि मुद्दा क्या है। नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बनकर लुटियंस दिल्ली में रहने लगे हैं, उन्होंने दिल लगाकर कोशिश की इस संभ्रांत रिहायशी इलाके की शक्ल बदलने की।इस प्रयास में उन्होंने नया संसद भवन बनाया है रायसीना पहाड़ी पर, और जो सरकारी दफ्तर बने थे अंग्रेजों के जमाने में, उनको खाली कर नए आधुनिक भवनों में भेज दिया है। इंडिया गेट से राष्ट्रपति भवन की ओर जो सड़क जाती है, उसका नाम राजपथ से बदलकर कर्तव्यपथ रखा है और अपने नए कार्यालय को 'सेवा तीर्थ' का नाम दिया है। कुछ वर्ष पहले जब जिमखाना क्लब की कार्यसमिति में उन्होंने कुछ सरकारी अफसर नियुक्त किए थे, तो ऐसा लगा था इस क्लब के सदस्यों को कि यह पहला कदम है उस सरकारी जमीन को वापस लेने के लिए, जिस पर यह क्लब बना था 113 साल पहले। ऐसा ही हुआ पिछले सप्ताह, जब क्लब को सूचना भेजी गई कि जून के पहले सप्ताह तक क्लब सरकार को जमीन वापस करे, जिसके लिए सालाना सिर्फ हजार रुपए का किराया सरकार को मिलता रहा है। क्लब ने इस सूचना को अदालत में चुनौती दी है और ऐसा हो सकता है कि उसको थोड़ी-बहुत मोहलत मिल जाए, लेकिन दिल्ली में अफवाहें अब यह भी उड़ रही हैं कि सरकार का इरादा है प्रधानमंत्री आवास के पास रेसकोर्स और पोलो ग्राउंड की जमीन भी वापस लेने का। यहां याद दिलाना चाहती हूं कि लुटियंस दिल्ली की सारी जमीन सरकारी है, जो लोगों को सौ साल या 99 साल की लीज पर दी गई है। तो अगर इस एक क्लब की जमीन सरकार वापस लेने को तैयार है, इस आधार पर कि सार्वजनिक जमीन का निजी इस्तेमाल नहीं होना चाहिए, तो क्यों नहीं पूछते हैं हम कि इस आधार पर सरकारी अशोक होटल और सम्राट होटल भी बंद किए जाएं? ये भी तो प्रधानमंत्री के आवास के कुछ ज्यादा नजदीक हैं और उनकी ऊंची छतों से कोई प्रधानमंत्री के आवास पर हमला करना चाहे, तो जिमखाना क्लब से कहीं ज्यादा आसान है। प्रधानमंत्री आवास के पीछे कई कोठियां हैं, जिनमें मंत्री और सांसद रहते हैं और जिमखाना क्लब के सामने है इंदिरा गांधी का पुराना घर, जो उनके बेटे ने स्मारक बना दिया था और खुद उस घर में रहने लगे, जो आज प्रधानमंत्री आवास कहलाता है। देश के पहले प्रधानमंत्री रहा करते थे।

आज का राशिफल

मेष

आज आपका मन उत्साहित है, जिससे धन निवेश करने की तीव्र इच्छा हो सकती है। मंगल देव का आशीर्वाद आपके साथ है, पर चंद्रदेव आपसे धैर्य रखने का अनुरोध कर रहे हैं। आज कोई भी बड़ा आर्थिक निर्णय लेने से पहले अपनी जेब और बजट का आकलन अवश्य कर लें। परिवार से जुड़ी जरूरतों पर आज थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है।

वृष

आज का दिन आपके लिए काफी सुकून भरा है। सूर्यदेव की कृपा से आज आपको आर्थिक मामलों में कोई शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। कहीं से रुका हुआ धन आज आपको प्राप्त हो सकता है। यदि आप निवेश की योजना बना रहे हैं, तो लंबी अवधि की योजनाओं पर विचार करना आपके लिए शुभ रहेगा। विदेश या शिक्षा से जुड़े कार्यों में आज आपको सफलता का आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है।

मिथुन

आज कोई भी बड़ा निर्णय लेने से पहले घर के बड़ों का आशीर्वाद अवश्य लें। साझेदारी के कार्यों में आज लाभ के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आज सभी आपके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक रहेंगे, तो आप भी अपनी टीम का हाथ थामें रखें।

कर्क

आज आपकी वाणी में अद्भुत प्रभाव है। बुध देव और शुक्र देव की युति से आज आप अपनी बातों से किसी को भी अपनी बात समझाने में सफल होंगे। एक छोटी सी सलाह है कि आज किसी के साथ मिलकर धन लगाने से बचें, अन्यथा भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आज आपकी बैठकें सफल रहेंगी।

सिंह

आज आप कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए प्रेरित होंगे। यह कौशल आज आपको आर्थिक लाभ भी प्रदान कर सकता है। जोखिम लेने से पहले भली-भांति सोच-समझ लें। आज बच्चों की शिक्षा या उनकी जरूरतों पर ध्यान देना आपके लिए शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में आज आपको अपनी कला और योग्यता दिखाने का सुंदर अवसर मिलेगा।

कन्या

आज का दिन थोड़ा सावधानी का है। छोटे-छोटे अनावश्यक खर्चे आज बड़े हो सकते हैं, इसलिए धन के प्रति सचेत रहें। दिखावे के लिए आज कुछ भी न खरीदें। कार्यक्षेत्र में आज आपको अपनी पूरी निष्ठा के साथ काम करने की आवश्यकता है।

तुला

आज घर-परिवार और संपत्ति के मामले आपके लिए महत्वपूर्ण हैं। आर्थिक निर्णय लेते समय भावुक न हों, क्योंकि भविष्य में यह तनाव दे सकता है। करियर में आज बड़े बदलाव के बजाय अपनी नींव मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करें। आज अपने वरिष्ठ अधिकारियों से परामर्श लें, वे आपको सही दिशा प्रदान करेंगे।

वृश्चिक

आज का दिन संवाद के लिए बहुत उत्तम है। कार्यक्षेत्र में नेटवर्किंग से आज आपको बड़े अवसर प्राप्त हो सकते हैं। जो कार्य लंबे समय से पेंडिंग हैं, उन्हें आज पूर्ण कर लें, क्योंकि प्रबंधन की दृष्टि आज आपकी कार्यक्षमता पर है।कहीं भी हस्ताक्षर करने से पहले दस्तावेजों को दो बार अवश्य पढ़ लें। आज कार्य का दबाव अधिक हो सकता है।

मकर

आज पूर्ण रूप से कार्य के प्रति समर्पित हैं। आज निवेश और बचत की योजना बनाने के लिए सर्वश्रेष्ठ दिन है। अपनी भविष्य की योजनाओं को आज पुनः परखें। कार्यक्षेत्र में आज आपको नई जिम्मेदारी मिल सकती है, इसे प्रसन्नता के साथ स्वीकारें। बस यह ध्यान रखें कि आज की मेहनत लंबी अवधि के लिए है, तुरंत फल की आशा न करें।

कुंभ

आज कहीं से धन फंस सकता है या अनावश्यक खर्च सामने आ सकता है। आज बिना पूर्ण जानकारी के कहीं भी धन निवेश न करें। कार्यक्षेत्र में आज आप पर्दे के पीछे रहकर कार्य करेंगे, परंतु यही मेहनत आपको भविष्य में बड़ा लाभ प्रदान करेगी। आज दिखावे से बचें, बस चुपचाप अपनी तैयारी जारी रखें। जो कार्य लंबे समय से पेंडिंग हैं, उन्हें आज पूर्ण कर लें, क्योंकि प्रबंधन की दृष्टि आज आपकी कार्यक्षमता पर है।

धनु

आज धन प्रबंधन पूरी तरह आपके हाथों में है। एक उचित बजट बनाने का प्रयास करें, क्योंकि आज का दिन मेहनत का है न कि भाग्य के भरोसे बैठने का। आज छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़ा लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में आज निरंतरता बहुत आवश्यक है। कोई भी निर्णय जल्दबाजी में न लें। आपकी विश्वसनीयता ही आज आपकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरेगी।

मीन

आज मित्रों और कार्य के साथियों के साथ मिलकर काम करने का दिन है। समूह की गतिविधियों में आज आपको लाभ हो सकता है। आज के दिन भविष्य के बड़े लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें। कार्यक्षेत्र में आज आप एक भरोसेमंद टीम सदस्य के रूप में काम करेंगे। मेहनत जारी रखें, लोग आपकी योग्यता को अवश्य पहचानेंगे।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6114

					6			7
	6						9	8
1			4		2		3	
	4	9		6	7		5	
	1						6	
	3		8	9		4	7	
	2		5		1			4
5	8						2	
6			3					

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6113

5	1	7	3	6	9	8	2	4
8	4	9	7	1	2	6	5	3
6	2	3	8	5	4	7	1	9
4	9	8	5	2	3	1	6	7
3	6	5	1	4	7	2	9	8
1	7	2	9	8	6	4	3	5
7	8	1	6	3	5	9	4	2
2	5	6	4	9	8	3	7	1
9	3	4	2	7	1	5	8	6

वर्ग पहेली 6114

1	2	3	■	4	5	6	
7			8	■	9		■
	■	10		11			■
12	13	■	14		■	■	15
16		17	■	18	19	20	
21			■	22			■
	■	23		■	■	24	25
26			■	27			

संकेत: बाएं से दाएं
1. 2002 में इस देश में मिलने के वायदे के साथ 14 वें एशियाई खेलों का बुसान में रंगारंग समापन (3)
4. उत्तरप्रदेश का गंगातट पर बसा एक शहर (4)
7. लहराना, धधकना, हवा का झोंका आना (4)
9. नगाड़ा पीटने का डंडा (2)
10. ट्रेजिडी क्वीन से प्रसिद्ध रही है ये अभिनेत्री (5)
12. पंचतत्वों में से एक, आब, नीर (2)
14. कमल, कुमुद फूलों की लंबी और खोखली नली (2)
16. संतान, वंशज (3)
18. एक मंगल वाद्य, मृदंग (4)
21. याद करने के लिए बारंबार दोहराना (3)
22. रोचना, टीका, धर्मचिन्ह (3)
23. कागज के चौबीस तल्लों की गड्डी, सैनिकों की टोली (2)
24. इस समय, इस वक्त (2)
26. भूमि आदि पर लगने वाला कर, भूकर (3)
27. जिसकी सभी सतह समान हों (4)

ऊपर से नीचे
1. भूतकाल, वर्तमान और भविष्यकाल में, इस फिल्म में कपूर परिवार की तीनों पीढ़ियों (पृथ्वीराजकपूर, राज कपूर व रणधीर कपूर) ने एक साथ अभिनय किया (8)
2. नीचे वाला भाग, परत, स्तर (2)
3. दस्तावेज, लिखित, कलमबंद, तहरीरी (3)
5. गीत, तराना (3)
6. पूजा करने वाला (3)
8. सनिश्चय नहीं (3)
11. किसी विश्वविद्यालय का सर्वोच्च अधिकारी (4)
13. मस्तक, माथा, पेशानी (3)
15. बाजा, वाद्य (2)
17. अविरामत, दन-दन शब्द करते हुए, निरंतर (4)
19. त्वचा, चमड़ी (2)
20. महत्व, गरिमा, महिमा (4)
25. शक्ति, ताकत, शिकन, मरोड़, ऐंठन (2)

वर्ग पहेली 6113 का हल

अ	शो	क	कु	मा	र	■	ब
प	ला	श	■	■	ज	प	ना
रा	■	■	मं	द	क	र	ना
गि	ग	री	दो	स्त	■	ख	■
ता	ब	■	द	■	न	■	ग
■	न	■	री	ता	फा	रि	या
छा	■	पो	■	न	स	■	ना
या	दें	■	स	ना	त	न	■

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया से जीती लगातार तीसरी वनडे सीरीज

कप्तानी में शाहीद अफरीदी का भी 'खुला खाता'

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने कप्तान शाहीन अफरीदी की घातक गेंदबाजी साथ ही बाबर आजम की अच्छी बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया को 3 मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी यानी तीसरे मैच में 4 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से जीत दर्ज कर ली। शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को पहली बार वनडे सीरीज में हराने में सफलता हासिल की। यही नहीं शाहीन अफरीदी का भी वनडे सीरीज में बतौर कप्तान जीत का खाता भी खुल गया।

पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को इस वनडे सीरीज में 2-1 से हराया और कंगारू टीम के खिलाफ जीत की हैट्रिक भी लगाई। दरअसल इस वनडे सीरीज से पहले पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को इससे पहले खेले गए दो वनडे सीरीज में भी हराया था और इस टीम के खिलाफ लगातार तीन वनडे सीरीज में जीत हासिल करने में सफलता हासिल की।

शाहीन की कप्तानी में पाकिस्तान 2-1 से जीता

तीसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था और फिर 42 ओवर में 157 रन पर आउट हो गई।

पाकिस्तान की तरफ से कप्तान शाहीन अफरीदी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए थे जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान जोश इंग्लिस ने 65 रन की पारी खेली थी। वहीं पाकिस्तान को जीत के लिए 158 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 41.5 ओवर में 6 विकेट पर 161 रन बनाते हुए मैच जीत लिया। पाकिस्तान के लिए बाबर आजम ने सबसे बड़ी 40 रन की पारी खेली।

पाकिस्तान ने आस्ट्रेलिया को लगातार सीरीज में हराया

ऑस्ट्रेलिया की टीम साल 2026 में पाकिस्तान दौरे पर आई और शाहीन अफरीदी की कप्तानी में पाकिस्तान को 3 मैचों की सीरीज में 2-1 से जीत मिली। इससे पहले साल 2021-22 में ऑस्ट्रेलिया की टीम पाकिस्तान दौरे पर आई थी और बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान ने 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से जीत हासिल की थी। इसके बाद पाकिस्तान की टीम साल 2024-25 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी और वहां मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में 3 मैचों की वनडे सीरीज को 2-1 से जीता था। यानी पाकिस्तान ने लगातार तीन वनडे सीरीज में कंगारू टीम को लगातार हराया।

विनेश ने दिया कारण बताओ नोटिस का जवाब

WFI के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा- नियमों के अनुसार लिया जाएगा फैसला

नई दिल्ली। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) ने गुरुवार को कहा कि उसे विनेश फोगाट के उस शो कॉज नोटिस का जवाब मिल गया है जो 9 मई को जारी किया गया था। रेसलिंग फेडरेशन ने ये बयान तब जारी किया जब सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसके तहत वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट विनेश को सिलेक्शन ट्रायल में हिस्सा लेने की इजाजत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने बाद की घटनाओं को देखते हुए इस याचिका को बेअसर करार दिया।

विनेश ने दिया शो कॉज नोटिस का जवाब- मीडिया सूत्रों के मुताबिक कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा कि कुश्ती महासंघ को रेस्पॉन्डेंट (विनेश फोगाट) का शो कॉज नोटिस का जवाब मिल गया है जिस पर महासंघ के नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार फैसला लिया जाएगा।

हिप इंजरी की वजह से मैटेओ बेरेटिनी फ्रेंच ओपन 2026 से बाहर, बोले-

यह जिंदगी का आखिरी टूर्नामेंट नहीं

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन 2026 में इटली के टेनिस खिलाड़ी मैटेओ बेरेटिनी का सफर चोट के कारण खत्म हो गया। क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान हिप इंजरी (कूल्हे की चोट) की वजह से उन्हें मुकाबले को बीच में ही छोड़ना पड़ा, जिसके चलते मैटेओ अर्नाल्डी सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। अर्नाल्डी क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बेरेटिनी के खिलाफ 5-7, 2-5 से पीछे चल रहे थे। हालांकि लगातार दर्द बढ़ने की वजह से बेरेटिनी को मैच बीच में ही छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। मैच में पहले सेट के दौरान बेरेटिनी ने लगभग 76 मिनट तक संघर्ष किया, लेकिन दूसरे सेट में उनकी चोट और गंभीर हो गई।

उन्होंने मेडिकल टाइमआउट भी लिया और कुछ देर के लिए कोर्ट से बाहर गए। इसके बाद उन्होंने थोड़ी देर तक खेलने की कोशिश की, लेकिन दर्द ज्यादा होने की वजह से उन्हें मैच छोड़ना पड़ा। इस जीत के साथ 104वीं रैंक वाले मैटेओ अर्नाल्डी ने एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। वह आधुनिक युग में महज दूसरे ऐसे खिलाड़ी बने हैं, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल मैच विपक्षी खिलाड़ी के इंजरी की वजह से रिटायर होने के कारण जीता है। इंजरी के कारण बाहर होने के बाद बेरेटिनी ने कहा, 'मैं आखिरी इंसान हूं जो रिटायर होना चाहता है। मैं इससे बहुत थक गया हूं। मैं बस ऐसा नहीं करना चाहता, लेकिन कभी-कभी आपको ऐसा करना पड़ता है। बहुत से खिलाड़ियों ने पहले ऐसा किया है और यह अब तक का सबसे बुरा एहसास है, लेकिन यह करना सही है, क्योंकि यह मेरी जिंदगी का आखिरी टूर्नामेंट नहीं है और मुझे अपने भविष्य के बारे में सोचना है। मुझे अपनी रिकवरी के बारे में सोचना है।'

उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि यह बहुत बुरा नहीं होगा। मैं जाहिर तौर पर निराश हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अगर मैं खेलता रहता, तो मेरा प्रदर्शन और भी बुरा होता और शायद ठीक होने में ज्यादा समय लगता।

दुर्भाग्य से मेरे पास रिटायर होने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था।' बेरेटिनी ने उम्मीद जताई कि चोट ज्यादा गंभीर नहीं होगी और जल्द ही उनके स्कैन रिपोर्ट से स्थिति साफ होगी। विश्व के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी बेरेटिनी साल 2022 में हुए यूएस ओपन के बाद पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

फीफा विश्व कप

जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे के नाम है सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से हो रही है। विश्व कप के इस 23वें संस्करण की मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको कर रहे हैं। इस बार सर्वाधिक 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं और कुल 104 मैच खेले जाएंगे। फुटबॉल का इतिहास बेहतरीन खिलाड़ियों से भरा पड़ा है। कई ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने विश्व कप में अपने दमदार प्रदर्शन से न सिर्फ अपनी टीमों को जीत दिलाई है, बल्कि पूरी दुनिया में अपना नाम बनाया है।

फीफा विश्व कप में बतौर खिलाड़ी किसके नाम सर्वाधिक जीत दर्ज हैं।

जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोजे के नाम फीफा विश्व कप में सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड है। क्लोजे ने जर्मनी के लिए 24 विश्व कप मैच खेले हैं जिसमें 17 जीत दर्ज की है। ब्राजील के काफू ने 20 मैचों में 16 जीत दर्ज की है। अर्जेंटीना के लियोनल मेसी ने 26 मैचों में 16 में जीत हासिल की है। काफू और मेसी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। इसके बाद जर्मनी के वोल्फगैंग ओवरथ, ब्राजील के रोनाल्डो, जर्मनी के फिलिप लाम, बास्टियन श्वाइन्स्टाइगर और लोथार माथौस हैं। ओवरथ ने 19 मैचों में 15 जीत, रोनाल्डो ने 19 मैचों में 15 जीत, लाम ने 20 मैचों में 15 जीत, श्वाइन्स्टाइगर ने 20 मैचों में 15 जीत और माथौस ने 25 मैचों में 15 जीत हासिल की है। ब्राजील के लुसियो ने 17 मैचों में 14 जीत, जर्मनी के फ्रांज बेकेनबाउर ने 18 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के ओलिवियर गिरौड ने 18 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के एंटोनी ग्रीजमैन ने 19 मैचों में 14 जीत, जर्मनी के पेर मर्टेसैकर ने 19 मैचों में 14 जीत, फ्रांस के ह्यूगो लोरिस ने 20 मैचों में 14 जीत, इटली के पाओलो मालदिनी ने 23 मैच खेलते हुए 14 जीत हासिल की है।

सचिन नंबर 1, सहवाग से आगे यशस्वी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के समाप्त होने के बाद अब भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक मैच की टेस्ट सीरीज खेलने जा रही है। 6 जून से शुरू होने वाले इस टेस्ट मैच में भारत को जीत का फेवरेट माना जा रहा है। हालांकि अफगानिस्तान की भी कोशिश होगी कि वो भारत को कड़ी टक्कर दे, लेकिन ये टीम किस हद तक इसमें सफल हो पाती है इस पर निगाहें रहने वाली है। अब इस टेस्ट सीरीज से पहले आपको बता दें कि भारत की तरफ से टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय बैटर कौन हैं।

टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

सचिन तेंदुलकर के नाम है सबसे ज्यादा रन

भारत की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में अगर एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो इसमें पहले स्थान पर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने साल 2010 में 1562 रन बनाए थे। वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर यशस्वी जायसवाल हैं जिन्होंनें साल 2024 में 1478 रन बनाकर वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ा था। सहवाग इस लिस्ट में तीसरे और चौथे नंबर पर मौजूद हैं। सहवाग ने साल 2008 में 1462 रन बनाए थे जबकि साल 2010 में टेस्ट में सहवाग के बल्ले से कुल 1422 रन निकले थे। इस लिस्ट में सुनील गावस्कर 5वें नंबर पर हैं जिन्होंने साल 2002 में 1407 रन बनाए थे जबकि सचिन तेंदुलकर ने साल 2002 में 1392 रन बनाए थे और वो छठे स्थान पर भी हैं। गुंडप्पा विश्वनाथ इस सूची में सातवें नंबर पर हैं जिन्होंने साल 1979 में कुल 1388 रन बनाए थे। राहुल द्रविड़ 8वें स्थान पर हैं जिन्होंने साल 2002 में 1357 रन एक कैलेंडर वर्ष में बनाए थे जबकि विराट कोहली ने साल 2018 में 1322 रन बनाए थे और 9वें स्थान पर मौजूद हैं।

टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर

- सचिन तेंदुलकर- 1562 रन, 2010
- वीरेंद्र सहवाग- 1462 रन, 2008
- सुनील गावस्कर- 1407 रन, 1979
- गुंडप्पा विश्वनाथ- 1388 रन, 1979
- विराट कोहली- 1322 रन, 2018
- यशस्वी जायसवाल- 1478 रन, 2024
- वीरेंद्र सहवाग- 1422 रन, 2010
- सचिन तेंदुलकर- 1392 रन, 2002
- राहुल द्रविड़- 1357 रन, 2002
- सुनील गावस्कर- 1310 रन, 1983

चंढीगढ़ में आज एकमात्र टेस्ट में भारत और अफगानिस्तान की भिड़ंत

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच का आगाज शनिवार से होगा। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। वहीं, अफगानिस्तान भी क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत को कड़ी टक्कर देना चाहेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक महज एक टेस्ट मैच खेला गया है। यह टेस्ट मैच साल 2018 में बेंगलुरु में खेला गया था। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इस टेस्ट को एक पारी और 262 रनों से अपने नाम किया था। हालांकि, पिछले 8 वर्षों में अफगानिस्तान की टीम काफी मजबूत हुई है। एकमात्र टेस्ट मैच के लिए देवदत्त पडिक्कल को भी टीम में शामिल किया गया है। पडिक्कल का प्रदर्शन आईपीएल 2026 और घरेलू क्रिकेट में काफी शानदार रहा। सिर्फ पडिक्कल ही नहीं बल्कि कई युवा खिलाड़ियों को इस सीरीज के लिए मौका दिया गया है। मानव सुथार को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इसके साथ ही तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को भी टीम में जगह दी गई है।

एकमात्र टेस्ट के लिए दोनों टीम

- **भारतीय टीम का स्क्वॉड :** शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उप-कप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बराडर, हर्ष दुबे और ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।
- **अफगानिस्तान टीम का स्क्वॉड :** हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अफसर जजई (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), अब्दुल मलिक, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, रहमानुल्लाह गुरबाज, रहमानुल्लाह जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुदीन अशरफ, नांग्याल खारोताई, कैस अहमद, बिलाल सामी, जिया शरीफी और सलीम सफी।

साई सुदर्शन वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी, हम उन्हें पर्याप्त मौके देंगे: गौतम गंभीर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया है कि भारतीय टीम साई सुदर्शन को अभी पर्याप्त मौके देगी। गंभीर का कहना है कि सुदर्शन एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और वह हाल ही में आईपीएल 2026 में 700 से ज्यादा रन बनाकर आ रहे हैं। गंभीर के बयान के बाद यह लगभग तय हो गया है कि अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में नंबर तीन की पोजीशन पर सुदर्शन ही खेलते दिखाई देंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गंभीर ने कहा, 'मेरा हमेशा से मानना है कि किसी भी खिलाड़ी को अपनी काबिलियत साबित करने के लिए पर्याप्त मौके मिलने चाहिए। साई सुदर्शन खराब फॉर्म में नहीं हैं और वह आईपीएल 2026 में 700 से अधिक रन बनाकर आ रहे हैं। अगर हम किसी खिलाड़ी को 4 या 5 पारियों के आधार पर जज करेंगे, तो हम टीम तैयार नहीं कर पाएंगे।' हेड कोच ने आगे कहा, 'ऐसा नहीं है कि हम अगर एक खिलाड़ी को 5 मुकाबले में आजमाएंगे, तो दूसरे को सिर्फ एक या दो मुकाबलों में मौका देंगे। हालांकि, अभी हम साई सुदर्शन के साथ जाना चाहते हैं और उन्हें पर्याप्त मौके देना चाहते हैं। वह एक वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि वह शानदार प्रदर्शन करके दिखाएंगे।'

'दाऊद IPL में फिक्सिंग चाहता था, मेरे बेटे का अपहरण कराया'

ललित मोदी का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने अपने इंटरव्यू में कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इस बात का खुलासा किया है कि दाऊद इब्राहिम की तरफ से उनको धमकियां मिली थीं। वहीं 62 वर्षीय मोदी ने यह भी बताया कि उनके ऊपर तीन जानलेवा हमले के प्रयास भी हुए थे। इतना ही नहीं लंदन में उनके बेटे का अपहरण भी करवाया गया था। एएनआई से बात करते हुए ललित मोदी ने बताया, 'यही सबसे बड़ा कारण है। उसने (दाऊद इब्राहिम ने) मेरे ऊपर तीन बार जानलेवा हमले के प्रयास करवाए थे। दाऊद ने खुद यह कहा था। वह तीन बार चूक गया। कारण यह था कि मैंने उसकी मैच फिक्स करवाने की बात नहीं मानी। अगर आप पहले तीन साल देखें जब तक

मैंने मैनेजमेंट संभाला, तब तक कतई फिक्सिंग नहीं हुई। यही माफिया के द्वारा पसंद नहीं किया गया।'

ललित मोदी ने आगे कहा, 'लेकिन इसका प्रमुख कारण था कि उसने सोचा था कि मैं आईपीएल 2 (2009) से हट जाऊंगा। कई शर्तें लगी थीं कि आईपीएल 2009 नहीं होगा। बॉम्बे पुलिस के पास हर बात की रिकॉर्डिंग है। बॉम्बे पुलिस ने मुझे सिक्योरिटी भी दी थी। मेरे घर के बाहर बॉम्बे में शूटआउट हुआ था। जोहानिसबर्ग और केपटाउन में मुझ पर हमले के प्रयास हुए, लेकिन साउथ अफ्रीका की सरकार ने मुझे बचाया।' मोदी ने आगे बताया, 'मोंटेनेगरो में भी मुझ पर हमले का प्रयास हुआ। मेरे बेटे का लंदन में अपहरण किया गया। मैंने यह कहानी कभी किसी को नहीं बताई।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

उपभोक्ता फोरम ने दिलाया न्याय, वेलफेयर सोसाइटी से वापस कराए 1.40 लाख रुपये

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने एक महत्वपूर्ण मामले में उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए वेलफेयर सोसाइटी से ग्राम जलपुरा, थाना हसपुरा निवासी रामरूप राम की जमा राशि वापस कराई है। फोरम के आदेश के बाद सोसाइटी ने रामरूप राम को कुल एक लाख 40 हजार रुपये का भुगतान दो किस्तों में किया। जानकारी के अनुसार रामरूप राम ने वेलफेयर सोसाइटी में अपनी राशि निवेश की थी। निवेश अवधि पूरी होने के बाद भी सोसाइटी द्वारा उनकी जमा राशि वापस नहीं की जा रही थी। कई प्रयासों के बावजूद भुगतान नहीं मिलने पर उन्होंने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग की शरण ली और न्याय की गुहार लगाई। मामले की सुनवाई के दौरान आयोग ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद वेलफेयर सोसाइटी को शिकायतकर्ता की पूरी जमा राशि लौटाने का निर्देश दिया। आयोग के आदेश के बाद सोसाइटी ने रामरूप राम को उनकी कुल जमा राशि एक लाख 40 हजार रुपये दो चरणों में वापस कर दी। इस फैसले को उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आयोग ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत प्रत्येक उपभोक्ता को समय पर न्याय प्राप्त करने का अधिकार है और किसी भी संस्था द्वारा उपभोक्ताओं के हितों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी।

जनता दरबार में एसपी ने सुनीं 40 लोगों की शिकायतें

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। पुलिस अधीक्षक औरंगाबाद ने "सबका सम्मान–जीवन आसान" कार्यक्रम के तहत अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में कुल 40 आगंतुकों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। पुलिस अधीक्षक ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित मामलों के त्वरित एवं निष्पक्ष निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर व्यवहार न्यायालय परिसर में हुआ वृहत वृक्षारोपण का आयोजन

पर्यावरण और जीवन का संबंध अटूट अधिक से अधिक लगाएं पेड़ : जिला न्यायाधीश

- वृक्षारोपण ही पर्यावरण संकट का सबसे प्रभावी समाधान : राजीव रंजन कुमार
- न्यायिक पदाधिकारियों ने किया पौधारोपण, हरित भविष्य का दिया संदेश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय परिसर, औरंगाबाद में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष राजीव रंजन कुमार, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय अरुण कुमार, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विश्वविभूति गुप्ता एवं आनंदिता सिंह, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो लक्ष्मीकांत, जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव तान्या पटेल सहित सभी न्यायिक पदाधिकारियों ने पौधारोपण किया। वृक्षारोपण के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दिव्यांग कर्मी अंकिता के साथ पौधा लगाकर समाज को प्रेरणादायी संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन किसी भी दृष्टि से सामान्य लोगों से अलग नहीं हैं, बल्कि वे कई मामलों में अधिक सशक्त और मानसिक रूप से मजबूत होते हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव रंजन कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण और मानव जीवन का संबंध अटूट है तथा पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पर्यावरण के संरक्षण, संवर्धन और विकास का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों द्वारा लगाए गए वृक्षों के कारण आज हमें हरियाली, स्वच्छ वातावरण और छाया प्राप्त हो रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करे, तो अनेक बीमारियों और पर्यावरणीय समस्याओं से बचा जा सकता है। उन्होंने वर्ष-दर-वर्ष वर्षा में कमी, भूजल स्तर के गिरने तथा बढ़ती गर्मी को पर्यावरणीय असंतुलन का परिणाम बताते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव तान्या पटेल ने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के साथ-साथ लोगों को अनेक बीमारियों से भी बचाता है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान ऑक्सीजन की कमी की समस्या से लगभग हर व्यक्ति को दो-चार होना पड़ा था और इसका सबसे प्रभावी एवं स्थायी समाधान बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण ही है। उन्होंने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों से बचाव के लिए पर्यावरण संरक्षण और व्यापक वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसके वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब अपने हाथों लगाया गया पौधा एक विशाल वृक्ष का रूप लेता है, तो उसे देखकर आत्मिक संतोष और गर्व की अनुभूति होती है। यदि प्रत्येक व्यक्ति इस दिशा में योगदान दे, तो समाज और पर्यावरण दोनों अधिक हरित एवं स्वस्थ बन सकते हैं।

औरंगाबाद में विशेष वाहन जांच अभियान, 12 ई-रिक्शा जब्त, 47,500 रुपये वसूला जुर्माना

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी सुनंदा कुमारी के नेतृत्व में शुक्रवार को रमेश चौक के समीप विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान हेलमेट जांच, नो-पार्किंग जोन में खड़े वाहनों तथा नाबालिगों द्वारा वाहन परिचालन के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना और लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। जांच के दौरान बिना पंजीकरण संचालित एवं नाबालिगों द्वारा चलाए जा रहे कुल 12 ई-रिक्शा जब्त किए गए। वहीं हेलमेट के बिना दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध भी कार्रवाई करते हुए कई वाहनों को जब्त किया गया। अभियान के क्रम में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई करते हुए कुल 47 हजार 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए इस प्रकार के विशेष जांच अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभियान में सभी मोटरयान निरीक्षक एवं प्रवर्तन अवर निरीक्षक सहित परिवहन विभाग के अधिकारी और कर्मी मौजूद रहे।

जनता दरबार में सुनी गईं आमजन की समस्याएं, त्वरित निष्पादन के निर्देश

- आम नागरिकों को समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक विलंब न हो : जिलाधिकारी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में सात निश्चय-3 के तहत संचालित "सबका सम्मान–जीवन आसान" पहल के अंतर्गत जनता दरबार का आयोजन किया। इस दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से दाखिल-खारिज, अतिक्रमण, राशन कार्ड, नाली-गली निर्माण, भूमि विवाद, सड़क निर्माण, आंगनबाड़ी सेविका बहाली, जमाबंदी, इंदिरा आवास, भूमि मापी, जमीन पर अवैध कब्जा, परिमार्जन, एलपीसी निर्गत करने, पैक्स से जुड़े मामले, मानदेय भुगतान, आंगनबाड़ी बहाली में अनियमितता तथा अनुग्रह अनुदान सहित जनहित से संबंधित विभिन्न विषय शामिल रहे। जनता दरबार में प्राप्त सभी परिवादों को विधिवत पंजीबद्ध कर संबंधित विभागों को अग्रसारित किया गया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी मामलों का निपटारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर हो, ताकि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक विलंब का सामना न करना पड़े। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक परिवाद का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं न्यायसंगत निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही मामलों की नियमित समीक्षा कर प्रगति की निगरानी करने पर भी जोर दिया।

चोर के बयान पर कार्रवाई का विरोध स्वर्णाभूषण व्यवसायियों ने बंद रखीं दुकानें

निज संवाददाता | दाउदनगर (औरंगाबाद)

पुलिस द्वारा पकड़े गए कथित चोर के बयान के आधार पर स्वर्णाभूषण व्यवसायियों को गिरफ्तार किए जाने और परेशान करने के विरोध में शुक्रवार को दाउदनगर एवं हसपुरा के स्वर्णाभूषण व्यवसायियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं। इस संबंध में दाउदनगर के लक्ष्मी भवन में स्वर्णकार आभूषण व्यवसायी संघ की एक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता डॉ. राजेंद्र प्रसाद सर्राफ ने की। बैठक में हसपुरा एवं दाउदनगर के बड़ी संख्या में ज्वेलर्स शामिल हुए। उपस्थित व्यवसायियों ने कहा कि केवल किसी चोर के बयान के आधार पर दुकानदारों को थाना ले जाना और उनके विरुद्ध कार्रवाई करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई भी दुकानदार यह कैसे सुनिश्चित कर सकता है कि जेवर बेचने आने वाला व्यक्ति चोर है या उसके पास चोरी का सामान है। व्यवसायियों ने कहा कि अधिकांश लोग आर्थिक आवश्यकता के कारण अपने पुराने जेवर बेचने के लिए ज्वेलरी दुकानों पर आते हैं। कई लोग बच्चों की पढ़ाई, इलाज, पारिवारिक संस्कार या अन्य जरूरी कार्यों के लिए जेवर बेचते हैं। ऐसे में उचित मूल्य देकर जेवर खरीदने वाले दुकानदार को चोरी के मामले में संलिप्त बताकर कार्रवाई करना न्यायसंगत नहीं है।

बैठक के बाद व्यवसायियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी) अशोक कुमार दास से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि केवल आरोपी के बयान के आधार पर ज्वेलरी व्यवसायियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाए, क्योंकि इससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित होती है और आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।

बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा में विराट क्लासेस के 44 छात्रों ने मारी बाजी

एसवीवी. संवाददाता | औरंगाबाद

शहर के शाहपुर टिकरी रोड स्थित कोचिंग संस्थान विराट क्लासेस के 44 छात्र-छात्राओं ने बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा में सफलता हासिल कर संस्थान एवं जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में संस्थान परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सफल अभ्यर्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद अध्यक्ष उदय गुप्ता, रेड क्रॉस चेयरमैन सतीश कुमार सिंह, सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुधीर मिश्रा, समाजसेवी मुकेश लाल गुप्ता तथा वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अमित गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संस्थान के निदेशक अमित कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता ही किसी भी शैक्षणिक संस्थान की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। उन्होंने बताया कि संस्थान आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को भी निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराता है और ऐसे छात्रों की सफलता से विशेष संतोष प्राप्त होता है। उन्होंने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रेड क्रॉस चेयरमैन सतीश कुमार सिंह ने सफल अभ्यर्थियों को ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पुलिस बल में शामिल होने के बाद कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना और आम लोगों के विश्वास पर खरा उतरना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। नगर परिषद अध्यक्ष उदय गुप्ता ने कहा कि शिक्षा युवाओं के जीवन को नई दिशा देने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत करने और अपने माता-पिता के साथ-साथ जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। सच्चिदानंद सिन्हा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुधीर मिश्रा ने कहा कि शिक्षा और कठिन परिश्रम के बल पर छात्र-छात्राएं किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्पष्ट लक्ष्य और समर्पित तैयारी सफलता की कुंजी है। समाजसेवी मुकेश लाल गुप्ता ने कहा कि विराट क्लासेस से हर वर्ष बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित होकर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। उन्होंने सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान सफल छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया तथा उनकी सफलता को अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया गया। समारोह में अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम पर्यावरण रथ को दिखाई गई हरी झंडी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को औरंगाबाद वन प्रक्षेत्र अंतर्गत जैव विविधता उद्यान, भरकुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, विद्यार्थियों तथा वन विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण एवं जैव विविधता के महत्व पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ औरंगाबाद विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी रुचि सिंह ने संयुक्त रूप से पौधारोपण कर किया। दोनों अतिथियों ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए निरंतर चलने वाला जनआंदोलन है।

इस अवसर पर राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, भरकुर के विद्यार्थियों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण, हरित जीवन और स्वच्छ प्रकृति से जुड़े विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को विधायक और वन प्रमंडल पदाधिकारी द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने कहा कि पर्यावरण और मानव जीवन का संबंध अटूट है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने घर, विद्यालय और आसपास के क्षेत्रों में पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

वन प्रमंडल पदाधिकारी रूचि सिंह ने कहा कि वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल कर हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में सहयोग देने की अपील की।

सदर अस्पताल में आईसीयू की सुरक्षा व्यवस्था की हुई समीक्षा

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से छह लोगों की मौत और कई अन्य के घायल होने की घटना के बाद राज्यभर के स्वास्थ्य संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। इसी क्रम में औरंगाबाद सदर अस्पताल प्रशासन ने भी आईसीयू सहित विभिन्न महत्वपूर्ण इकाइयों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है। अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. आशुतोष कुमार, अस्पताल प्रबंधक उषा कुमारी तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने आईसीयू वार्ड का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सभी पांचों बेड पर मरीज भर्ती पाए गए और नर्सिंग स्टाफ उनकी देखभाल में सक्रिय रूप से जुटा हुआ था। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि मरीजों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से मौजूद हैं। प्रबंधक उषा कुमारी ने कहा कि सदर अस्पताल का आईसीयू अपेक्षाकृत छोटा है और यहां केवल पांच बेड की व्यवस्था है। नियमित रूप से सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता है, जिससे किसी बड़े हादसे की संभावना काफी कम रहती है।

विधि-विरुद्ध किशोर को 30 दिन सामुदायिक सेवा का आदेश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

किशोर न्याय बोर्ड, औरंगाबाद के प्रधान दंडाधिकारी सह सीजेएम सुशील प्रसाद सिंह ने जीआर संख्या-1226/23, जेजेबी वाद संख्या-497/26 एवं उत्पाद थाना कांड संख्या-698/23 की सुनवाई करते हुए एक विधि-विरुद्ध किशोर को 30 दिनों तक सामुदायिक सेवा करने का आदेश दिया है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि किशोर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, ओबरा में सामुदायिक सेवा करनी होगी। न्यायालय ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि वे किशोर की पहचान, पता एवं अन्य व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक नहीं करेंगे तथा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा-74 का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।

आदेश के अनुसार सामुदायिक सेवा की अवधि पूरी होने के बाद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी किशोर के आचरण एवं व्यवहार से संबंधित प्रतिवेदन निर्धारित समय सीमा के भीतर किशोर न्याय बोर्ड को उपलब्ध कराएंगे। न्यायालय ने यह आदेश बच्चे के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए पारित किया है, ताकि उसका सामाजिक पुनर्वास हो सके और वह समाज की मुख्यधारा से जुड़ा रहे।

22 जून से सत्यचंडी धाम रायपुरा में लगेगा आद्रा मेला, तैयारियां तेज

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला मुख्यालय से लगभग पांच किलोमीटर दूर स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ एवं तीर्थस्थल सत्यचंडी धाम, रायपुरा में 22 जून से आद्रा मेला का शुभारंभ भव्य एवं भक्तिमय वातावरण में किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए सत्यचंडी धाम न्यास समिति के अध्यक्ष अमरेश सिंह एवं सचिव राजेंद्र सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी पुण्यदायिनी बटाने नदी के पावन तट पर आयोजित होने वाले आद्रा मेले का उद्घाटन प्रांतीय स्तर के जनप्रतिनिधियों द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सत्यचंडी धाम में आद्रा मेले के दौरान औरंगाबाद जिले के अलावा बिहार तथा अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। जिन श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होती हैं, वे यहां विशेष पूजा-अर्चना कर माता का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। क्षेत्र के सैकड़ों गांवों में सत्यचंडी माता को कुलदेवी के रूप में पूजा जाता है, जिससे इस धाम की धार्मिक महत्ता और भी बढ़ जाती है। न्यास समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष आद्रा मेला 22 जून से 6 जुलाई तक चलेगा।

मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले लगाए जाएंगे, जबकि महिलाओं के आकर्षण के लिए मीना बाजार सहित कई विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मेले को लेकर तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। सत्यचंडी युवा क्लब समिति के सदस्य मेले के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए लगातार सक्रिय रहेंगे। समिति ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से मेले में पहुंचकर माता के दर्शन एवं पूजा-अर्चना का लाभ उठाने की अपील की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बियाड़ा परिसर में हुआ वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

मेरा युवा भारत, औरंगाबाद के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बियाड़ा परिसर में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए तथा पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया। वृक्षारोपण के उपरांत आयोजित सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में पेड़-पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपाय है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो पर्यावरण को स्वच्छ, सुरक्षित और संतुलित बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए हरित और स्वच्छ वातावरण के निर्माण का संकल्प लिया। इस अवसर पर राकेश कुमार, मनोज कुमार, शिवम कुमार, मंतोष कुमार, रवि कुमार, शेखर कुमार, विष्णुकांत कुमार, गुड्डू तिवारी सहित कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संदेश दिया गया। साथ ही उपस्थित लोगों ने प्रकृति संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर पर्यावरण उपलब्ध कराने का संकल्प लिया।

स्वच्छ गांव-सुरक्षित जलवायु अभियान के तहत ग्राम सभा आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान में हुआ पौधारोपण

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बारुण प्रखंड की पिपरा ग्राम पंचायत में स्वच्छ गांव-सुरक्षित जलवायु अभियान के तहत ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत सचिव रामलाल ने की। इसमें पंचायत के जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, स्वच्छता कर्मियों तथा ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में पिपरा छठ घाट परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया गया।

उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। ग्राम सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाए, तो पर्यावरण को सुरक्षित और संतुलित बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक शैलेश कुमार, वार्ड सदस्य प्रसिद सिंह, पंचायत के शिक्षकगण तथा स्वच्छता कर्मी चंद्रभूषण पासवान, रामसकल, अमर गुना, रामाश्रय, किशोर, रामजी, पप्पू, विजय राम, भिखारी, अमर सिंह और अलख सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष सम्मानित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला मुख्यालय स्थित सामाजिक संस्था पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह को उनके उत्कृष्ट कार्यों और संस्था के प्रति समर्पित योगदान के लिए सम्मानित किया गया। ट्रस्ट परिवार की ओर से उन्हें पुष्पहार, अंगवस्त्र एवं संस्था का प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह में वक्ताओं ने कहा कि विकास कुमार सिंह पिछले पांच वर्षों से कोषाध्यक्ष के रूप में संस्था की वित्तीय गतिविधियों का पारदर्शी संचालन कर रहे हैं। उन्होंने ट्रस्ट द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में आय-व्यय का स्पष्ट और व्यवस्थित विवरण प्रस्तुत कर संगठन की विश्वसनीयता को मजबूत किया है।

वक्ताओं ने बताया कि विकास कुमार सिंह न केवल प्रत्येक कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं, बल्कि कार्यक्रमों के सफल संचालन और बेहतर समन्वय में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी कार्यशैली, प्रतिबद्धता और संगठनात्मक क्षमता संस्था के लिए प्रेरणास्रोत है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व सांसद गोपाल नारायण सिंह ने विकास कुमार सिंह को सम्मानित किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के सदस्यों ने उन्हें बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी ऊर्जा, निष्ठा और समर्पण के साथ सामाजिक कार्यों में योगदान देते रहने की शुभकामनाएं दीं।